बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल...

शेखावाटी मिशन-100

भूगोल

कक्षा - 12

कार्यालय : संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)
प्रभारी : शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

: missionshekhawati100@gmail.com | 9413361111, 9828336296

टीम शेखावाटी मिशन-100

घनश्यामदत्त जाट
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
झुन्झुनू-सीकर (राज.)

रमेशचन्द्र पूनियां
जिला शिक्षा अधिकारी
चूरू (राज.)

लालचन्द नहलिया
जिला शिक्षा अधिकारी मा.
सीकर (राज.)

अमर सिंह पचार
जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
झुन्झुनू (राज.)

रिछपाल सिंह मील
अति. जिला परि. समन्वयक
समग्र शिक्षा, सीकर (राज.)

महेन्द्र सिंह बड़सरा
सहायक निदेशक
कार्यालय संयुक्त निदेशक, चूरू

हरदयाल सिंह फगेड़िया
प्रभारी शेखावाटी मिशन-100
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
सीकर (राज.)

रामचन्द्र सिंह बगड़िया
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
सीकर (राज.)

नीरज सिहाग
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
झुन्झुनू (राज.)

सांवरमल गहनोलिया
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
चूरू (राज.)

महेश सेवदा
संयोजक शेखावाटी मिशन-100
सीकर (राज.)

रामावतार भदाला
सहसंयोजक शेखावाटी मिशन-100
सीकर (राज.)

तकीनीकी सहयोग

राजीव कुमार, निजी सहायक | पवन ढाका, कनिष्ठ सहायक | महेन्द्र सिंह कोक, सहा. प्रशा. अधिकारी | अभिषेक चौधरी, कनिष्ठ सहायक

जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय), सीकर

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

माननीय शिक्षा मंत्री की कलम से.....

!! शुभकामना संदेश !!

सम्मानित शिक्षक साथियों,

हम सभी के लिए यह गौरव का विषय है कि राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में नित नये आयाम छू रहा है। नीति आयोग के नेशनल अचीवमेंट सर्वे (NAS) 2020 में राजस्थान सम्पूर्ण भारत में तीसरे स्थान पर रहा है। इस वर्ष राजस्थान, इंस्पायर अवार्ड मानक योजना में 8027 बाल वैज्ञानिकों के चयन के साथ पूरे देश में प्रथम स्थान पर रहा हैं। इसी परम्परा व सोच को निरन्तर बनाए रखने के प्रयास में इस वर्ष शेखावाटी मिशन–100 का क्रियान्वयन संयुक्त निदेशक परिक्षेत्र चूरु के अधीन जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक शिक्षा सीकर द्वारा किया जा रहा है। अनुभवी तथा ऊर्जावान विषय विशेषज्ञों की लगन व अथक मेहनत से माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान द्वारा जारी संशोधित पाठ्यक्रम व मॉडल पेपर के आधार पर विषयवस्तु व मॉडल पेपर तैयार किये गये हैं, जिनको बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन के लिए विद्यार्थियों तक पहुँचाया जा रहा है।

मैं इस मिशन प्रभारी सहित सभी विषयाध्यापकों की कर्मठ टीम को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने अपनी समर्पित कार्यशैली से इस नवाचारी कार्य को अंजाम दिया है। मेरा सभी संस्थाप्रधानों से आग्रह है कि वे सभी विषयाध्यापकों से समन्वय कर इस परीक्षोपयोगी सामग्री को विद्यार्थियों तक पहुँचाना सुनिश्चित करें।

मैं आशा करता हूँ कि आपका प्रयास पूरे प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए एक नवाचार साबित होगा एवं उनके लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक सिद्ध होगा।

शुभकामनाओं सहित।

गोविन्द सिंह डोटासरा
शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
राजस्थान सरकार, जयपुर

निदेशक महोदय की कलम से.....

!! शुभकामना संदेश !!

सम्मानित शिक्षक साथियों,

मुझे यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरु संभाग, चूरु के नेतृत्व में 'शेखावाटी मिशन–100' के तहत माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक परीक्षा 2021 में शामिल होने वाले विद्यार्थियों हेतु बोर्ड परीक्षा में उपयोगी विषयवस्तु एवं प्रश्नकोश तैयार किया जा रहा है हालांकि यह सत्र कोविड–19 के कारण प्रभावित रहा है इसमें विद्यार्थियों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

'शेखावाटी मिशन–100' की टीम ने विद्यार्थियों के हित को देखते हुए संशोधित पाठ्यक्रम के अनुसार नवाचार करने का प्रयास किया। विद्यार्थियों के लिए जो विषयवस्तु व प्रश्नकोश निर्माण किया है आशा करते है कि यह विद्यार्थियों के लिए निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करने में लाभदायक सिद्ध होगा।

प्रतिभाशाली और कर्मठ ऊर्जावान शेखावाटी मिशन–100 की टीम को मेरी ओर से हार्दिक बधाई और उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ।

शुभकामनाओं सहित।

सौरभ स्वामी (IAS)
निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान,
बीकानेर

संयुक्त निदेशक की कलम से.....

!! शुभकामना संदेश !!

सम्मानित शिक्षक साथियों,

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की बोर्ड परीक्षाओं के परीक्षा परिणाम में मात्रात्मक एवं गुणात्मक अभिवृद्धि हेतु एक शैक्षिक नवाचार के रूप में 2017–18 में शेखावाटी मिशन–100 शुरु किया गया था। इस वर्ष शेखावाटी मिशन–100 की जिम्मेदारी संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा चूरु संभाग के नेतृत्व में जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक सीकर को मिली है। इस नवाचारी पहल ने पिछले 03 वर्षो में चूरु संभाग में बोर्ड परीक्षा परिणाम में सफलता के नये आयाम बनाये हैं।

पिछले वर्षो में मिली इस अभूतपूर्व सफलता से अभिप्रेरित होकर इस वर्ष शेखावाटी मिशन–100 का दायरा बढ़ाकर 17 विषयों तक किया गया है। इस वर्ष कक्षा–10 के 07 विषयों (संस्कृत व उर्दू सहित) तथा कक्षा 12 में 10 विषयों, जिनमें अनिवार्य हिन्दी व अंग्रेजी के अलावा विज्ञान संकाय में 04 विषयों (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान व गणित) तथा कला संकाय में 04 विषयों (हिन्दी, साहित्य, राजनीति विज्ञान, इतिहास व भूगोल) के लिए बोर्ड द्वारा संशोधित पाठ्यक्रम व मॉडल पेपर के आधार पर अध्ययन सामग्री व मॉडल पेपर तैयार किये गये हैं। पाठ्य विषय वस्तु को इस प्रकार तैयार किया गया है कि सभी तरह के बौद्धिक स्तर वाले विद्यार्थी कम समय में भी अधिकतम अंक अर्जित कर सकेंगे।

शेखावाटी मिशन–100 में उन विषय विशेषज्ञों का चयन किया गया है जिनके पिछले वर्षो में अपने विषयों के गुणात्मक रूप से शानदार परीक्षा परिणाम रहे हैं।

मैं इस मिशन को सफल बनाने में सहयोग के लिए संभाग के सभी शिक्षा अधिकारियों एवं विषय विशेषज्ञों का तहेदिल से आभार व्यक्त करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

लालचन्द बलाई
संयुक्त निदेशक
स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू

शेखावाटी मिशन-100

बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन कार्यक्रम सत्र : 2020–21
उच्च माध्यमिक परीक्षा – 2021

विषय : भूगोल

सर्वश्रेष्ठ सफलता सुनिश्चित करने हेतु सर्वश्रेष्ठ संकलन

हरदयाल सिंह फगेड़िया
प्रभारी शेखावाटी मिशन–100
अति. जिला शिक्षा अधिकारी (मा.)
सीकर (राज.)

नरेन्द्र सिंह कुड़ी
संयोजक भूगोल
रा.उ.मा.वि., बनाथला (सीकर)
मो. : 9461629495

राजेन्द्र प्रसाद
सहसंयोजक भूगोल
रा.उ.मा.वि., नांगल (उदयपुरवाटी), झुन्झुनू

ओमप्रकाश भामू
डे.खे.रा.उ.मा.वि., लोसल (सीकर)

पुष्पा कुमारी
रा.उ.मा.वि., सांवलोदा धायलान (सीकर)

रजनीश कुमार
श्री कल्याण रा.उ.मा.वि., सीकर

शैक्षिक प्रकोष्ठ अनुभाग, जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, सीकर

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

विषय : भूगोल
विषय कोड : 14
कक्षा : 12th

परीक्षा 2021 के लिए पाठ्यक्रम में निम्न ईकाइयां सम्पूर्ण विलोपित की गई हैं

5. विश्व में परिवहन, संचार एवं व्यापार
9. संसाधन
10. कृषि व रासायनिक कृषि
12. विकास व नियोजन

संशोधित पाठ्यक्रम में इकाईवार परीक्षा 2021 के लिए अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा

इकाई क्रमांक	ईकाइ का नाम	अंक भार
	खण्ड–अ	
इकाई –1	मानव भूगोल का परिचय	6
इकाई –2	विश्व की जनसंख्या	5
इकाई –3	विश्व में मानव अधिवास	4
इकाई –4	मानव व्यवसाय	5
इकाई –6	पर्यावरण	3
इकाई –7	मानचित्र कार्य	5
	खण्ड–ब	
इकाई –8	भारत जनसंख्या	6
इकाई –11	विनिर्माण उद्योग एवं परिवहन	6
इकाई –13	राजस्थान – जनसंख्या एवं अर्थव्यवस्था	10
इकाई –14	मानचित्र कार्य	6
	प्रश्नपत्र	56

भूगोल प्रायोगिक परीक्षा 2021 के लिए अंक विभाजन निम्नानुसार रहेगा

1. प्रायोगिक प्रश्न पत्र	15	2.30 घण्टे
2. प्रायोगिक अभिलेख एवं मौखिक परीक्षा	6 + 3 = 09	-
3. समपटल सर्वेक्षण कार्य एवं मौखिक परीक्षा	4 + 2 = 06	1.30 घण्टे
4. क्षेत्रीय अध्ययन **(सम्पूर्ण इकाई विलोपित)**		-

अध्याय–01
मानव भूगोलः प्रकृति व विषय क्षेत्र

01. ''मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच सम्बन्धों का संश्लेषित अध्ययन है।'' मानव भूगोल को इस प्रकार परिभाषित करने वाला भूगोल वेत्ता कौन है?
(अ) फ्रेडरिक रेटजेल (ब) ग्रिफिथ टेलर (स) सैम्पल (द) ब्लॉश (अ)
02. नियतिवाद का कट्टर समर्थक कौन था?
(अ) एलन सैम्पल (ब) डिमांजिया (स) कार्ल रिटर (द) मार्क्स (अ)
03. निम्न में से कौन फ्रांसीसी मानव भूगोलवेत्ता है–
(अ) सैम्पल (ब) विडाल डी ला ब्लॉश (स) सविन्द्र सिंह (द) हरवर्टसन (ब)
04. जीन ब्रुश के अनुसार भूगोल का केन्द्र बिन्दु क्या है?
(अ).स्थान (ब) समय (स) कीमत (द) चट्टानें (अ)
05. नियतिवाद में किसे प्रभावी माना गया?
(अ) प्रकृति को (ब) मानव को (स) पर्यावरण को (द) सम्बन्ध को (अ)
06. सामाजिक असमानता के लिए किसके सिद्धान्त का अनुसरण किया गया है?
(अ) कार्ल रिटर के (ब) मार्क्स के (स) सैम्पल के (द) स्ट्रेबो के (ब)
07. आधुनिक मानव भूगोल के जन्मदाता कौन थे ?
(अ) हम्बोल्ट (ब) रिटर (स) रेटजेल (द) हंटिंगटन (स)
08. मानव भूगोल चंचल मानव और अस्थायी पृथ्वी के पारस्परिक परिवर्तनशील सम्बन्धों का अध्ययन है। परिभाषा किसने दी ?
(अ) रेटजेल (ब) ब्लॉश (स) सेमप्ल (द) कार्ल सावर (स)
09. नवनियतिवाद के प्रवर्तक कौन हैं?
(अ) ग्रिफिथ टेलर (ब) एलन सैम्पल (स) मैकिण्डर (द) हरर्वटसन (अ)
10. निम्न में से कौन फ्रांसीसी भूगोलवेत्ता नहीं है?
(अ) ब्लॉश (ब) ब्रुंश (स) डिमांजियाँ (द) रिटर (द)
11. एन्थ्रोपो–ज्योग्राफी के रचयिता हैं
(अ) एलन सेम्पल (ब) ब्रुंश (स) फ्रेडरिक रेटजेल (द) डिकेन तथा पिट्स (स)
12. संभववाद की नींव किसने रखी?
(अ) विडाल डी ला ब्लॉश (ब) कुमारी एलन सैम्पल
(स) रेटजेल (द) स्ट्रेबो (अ)
13. रुको और जाओ नव नियतिवाद की संकल्पना के प्रतिपादक भूगोलशास्त्री का नाम है–
(अ) रेटजेल (ब) ब्लॉश (स) हंटिगटन (द) ग्रिफिथ टेलर (द)
14 निम्न में से जिस भूगोलवेत्ता ने पृथ्वी को अस्थायी बताया, वो कौन विद्वान है?
(अ) एलन सैम्पल (ब) ब्लॉश (स) मॉर्क्स (द) टेलर (अ)
15. मानव भूगोल का प्रादुर्भाव कौनसी सदी में हुआ?
उत्तरः–18वीं शताब्दी
16. फ्रेडरिक रेटजैल के अनुसार मानव भूगोल की परिभाषा लिखो।
उत्तरः–मानव भूगोल मानव समाजो व धरातल के बीच सम्बन्धो का सश्लेषित अध्ययन है।
17. फ्रेडरिक रेटजैल की पुस्तक का क्या नाम है?
उत्तरः–एन्थ्रोपो–ज्योग्राफी
18. फ्रेडरिक रेटजैल किस देश के भूगोलवेता है। (IMP)
उत्तरः–जर्मन
(फ्रेडरिक रेटजैल नियतिवाद के समर्थक थे फ्रेडरिक रेटजैल ने पार्थिक एकता पर बल दिया)
19. ऐलन सी. सैम्पल के अनुसार मानव भूगोल की परिभाषा लिखिए ।
उत्तरः–मानव भूगोल अस्थायी पृथ्वी व चंचल मनुष्य के पारस्परिक परिवर्तन शील सम्बन्धो का अध्ययन है।
20. नियतिवाद के कट्र समर्थक कौन है।
उत्तरः–ऐलन सी सैम्पल

शेखावाटी मिशन–100

21. दो अमेरिकन भूगोलवेताओं के नाम लिखो
उत्तरः—एलन सी सैम्पल, हंटिगटन
22. संभववाद का जनक कौन है।
उत्तरः—विडाल डी ला ब्लाश
(फ्रासीसी भूगोलवेता – विडाल डी ला ब्लाश)
23. मानव भूगोल पृथ्वी और मानव के पारस्परिक सम्बधों कों नया विचार देता। पृथ्वी को नियत्रित करने वाले भौतिक नियमो व पृथ्वी पर निवास करने वाले जीवो के पारस्परिक सम्बन्धो का अधिक संश्लिष्ट ज्ञान शामिल है। यह परिभाषा किस भूगोलवेता की है।
उत्तरः—विडाल डी ला ब्लाश
24. हंटिगटन के अनुसार मानव भूगोल का अध्ययन क्षेत्र लिखों।
उत्तरः— 1 भौतिक दशाए
2 मानवीय अनुक्रियाऐ
25. युनानी भूगोलवेताओं के नाम लिखों।
उत्तरः— थेल्स व एनैक्सीमेंडर
26 किस दार्शनिक ने ठण्डे प्रदेशो के व्यक्तियों को बहादुर व चिन्तन में कमजोर बताया जबकि एशिया के लोगो को सुस्त व चिन्तशील बताया
उत्तरः—अरस्तु
27 भूगोल का जनक किसे माना जाता है।
उत्तरः—हेकेटियस
28 आधुनिक काल का प्रारम्भ किस देश के भूगोलवेताओं से माना जाता है।
उत्तरः—जर्मन भूगोलवेता को माना जाता है। (हम्बोल्ट, रिटर, रैटजैल व फोबेल)
29 किस देश में मानव भूगोल का सर्वाधिक विकास हुआ
उत्तरः—फ्रांस
30 नियतिवाद /प्रकृतिवाद में किसे प्रधान माना गया है।
उत्तरः—प्रकृति को
31 सभंववाद में किसे प्रधान माना गया है।
उत्तरः—मानव को
32 नव नियतिवाद/वैज्ञानिक निश्यचवाद में किसे प्रधानता दी गई है।
उत्तरः—प्रकृति व मानव सामंजस्य को प्रधानता दी गई है।
33. ग्रिफिफ्थ टेलर की विचार धारा कौन सी है।
उत्तरः—नव निश्चयवाद
34 Stop and go (रूको और जाओं) का नारा किसने दिया ?
उत्तरः—गिफिफ्थ टेलर (अमेरिकन भूगोलवेता)
35 मानव भूगोल के त्रिसन्तुलन घटक कोन से है।
उत्तरः—1 जैविक 2 अजैविक 3 सांस्कृतिक
36 1930 में मानव भूगोल का विभाजन किन दो शाखाओं में हुआ
उत्तरः—(1) सांस्कृति भूगोल
(2) आर्थिक भूगोल
37 मानव कल्याण परक विचार धारा का सम्बंध किस से है।
उत्तरः—मानव के सामाजिक कल्याण से
38 आचरणपरक विचारधारा का सम्बंध किस से है।
उत्तरः—आचरण पर्यावरण
39 मानव भूगोल की प्रकृति को समझाओं।
उत्तरः—पृथ्वी पर जो भी मनुष्य के द्वारा निर्मित दृश्य दिखाई देते है उन सभी का अध्ययन मानव भूगोल की विषय वस्तु है मानवीय क्रियाकलाप मानव भूगोल का मुख्य केन्द्र बिन्दु है। मानवीय क्रियाकलापो का विकास कब कहा कैसे हुआ इन सभी प्रश्नो का उतर ही मानव भूगोल की प्रकृति है।
40 मानव भूगोल के विषय क्षेत्र के मुख्य आधार लिखों।
उत्तरः—1 जनसख्या 2 प्रदेश विशेष के प्राकृतिक साधन 3 सांस्कृतिक भू दृश्य 4 पारस्परिक सम्बन्ध

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय–02
विश्व की प्रमुख जनजातियाँ

01. घूमर व गैर किस जनजाति के नृत्य हैं ?
(अ) एस्किमो जनजाति (ब) संथाल जनजाति (स) भील जनजाति (द) कोई नहीं (स)

02. विश्व का सबसे बड़ा जनजातीय समूह है
(अ) एस्किमो (ब) गौंड (स) बुशमैन (द) भील (ब)

03. बुशमैन जनजाति का सम्बन्ध कौनसी प्रजाति से है?
(अ) निग्रीटो (ब) मंगोलायड्स (स) काकेशस (द) आस्टेलाइड्स (अ)

04. गोल गाधेड़ों प्रथा किस जनजाति में पाई जाती है?
(अ) गौड (ब) भील (स) सैमांग (द) सकाई (ब)

05. कोदू व कुटकी किस जनजाति के मुख्य खाद्यान्न हैं ?
(अ) गौंड (ब) भील (स) पिग्मी (द) बुशमैन (अ)

06. गौंडों से शासित साम्राज्य नहीं है
(अ) देवगढ़ (ब) माण्डला (स) चॉदा (द) राजगढ़ (द)

07. दिप्पा तथा पैण्डा कृषि निम्न में से किस जनजाति द्वारा की जाती है?
(अ) भील (ब) संथाल (स) गौंड (द) बुशमैन (स)

08. एस्किमो जनजाति किस प्रजाति से सम्बन्धित है ?
(अ) मंगोल (ब) रब्बी (स) संथाल (द) कोई नहीं (अ)

9. किस प्रदेश में जाड़े की ऋतु बहुत लम्बी व ग्रीष्म ऋतु बहुत छोटी होती है?
(अ) आर्कटिक व टुण्ड्रा प्रदेश (ब) सहारा मरुस्थल
(स) सतपुड़ा का पहाड़ी प्रदेश (द) बेचुआना लैण्ड (अ)

10. निम्नलिखित में से माउपाक का क्या अर्थ है?
(अ) बोली (ब) प्रतीक्षा करना (स) छिद्र (द) टुण्ड्रा (ब)

11. टुण्ड्रा प्रदेशों में निवास करने वाली कौनसी जनजाति है?
(अ) भील (ब) बुशमैन (स) एस्किमो (द) गौड़ (स)

12. दुर्गम पहाड़ी व पठारी क्षेत्रों में निवास करने वाली जनजाति कौनसी है?
(अ) भील (ब) बुशमैन (स) पिग्मी (द) कद्दू (अ)

13. कयाक निम्नलिखित में से क्या है ?
(अ) मछली (ब) एस्किमों की नाव (स) बुशमैन का घर (द) भीलों का हथियार (ब)

14. एस्किमो का क्या अर्थ होता है?
(अ) वन में रहने वाला आदमी (ब) कच्चा मांस खाने वाला आदमी
(स) नग्न रहने वाला आदमी (द) उपर्युक्त में से कोई नहीं। (ब)

15. शुतुरमुर्ग के अण्डों के खोल को बर्तन व आभूषण के लिए कौनसी जनजाति प्रयोग करती है?
(अ) एस्किमो (ब) बुशमैन (स) पिग्मी (द) भील (ब)

16. हारपून क्या है?
(अ) भालानुमा हथियार (ब) एस्किमो की बोली जाने वाली भाषा
(स) एस्किमो जनजाति (द) कोई भी नहीं (अ)

शेखावाटी मिशन–100

17. निम्नलिखित में से बेचुआनालैण्ड किसका निवास स्थान है

(अ) बुशमैन (ब) भील (स) एस्किमो (द) गौड (अ)

18. भील शब्द की उत्पत्ति किस शब्द से हुई ?

(अ) बैल (ब) संथाल (स) गौंड (द) बीलू (द)

19. कोइटुर या कोल किस जनजाति का नाम है ?

(अ) एस्किमो (ब) भील (स) बुशमैन (द) गौंड (द)

20. दासता की प्रतीक कबाड़ी प्रथा किस जनजाति से संबंधित हैं।

(अ) गौंड (ब) एस्किमो (स) भील (द) बुशमैन (अ)

21. इग्लू किसे कहते हैं?

उत्तर–एस्किमो जनजाति का बर्फ का बना घर इग्लू कहलाता हैं।

22. एस्किमो जनजाति की शीतकालीन आखेट की कौनसी दो विधियां है।

उत्तर–प्रथम विधि माउपाक है जिसका अर्थ प्रतीक्षा करना है

दूसरी विधि इतुरपाक है जिसमें दो छिद्र बनाए जाते हैं।

23. उमियाक क्या है?

उत्तर–यह बड़ी नाव है जो ब्हेल मछली के शिकार के दौरान काम आती है।

24. उतोक क्या है?

उत्तर–एस्किमो का बसन्तकालीन आखेट जिसमें वो शिकारी कुत्तों की सहायता से सील का शिकार करते हैं।

25. तिमियाक किसे कहते हैं ?

उत्तर–यह एस्किमो का जर्सीनुमा आन्तरिक वस्त्र है।

26. एस्किमो के जीवनयापन में सील मछली के कोई दो उपयोग लिखिए।

उत्तर– (1) सील मछली के मांस का उपयोग खाने में किया जाता है।

(2) सील की चर्बी को जलाकर इगलू में रोशनी की जाती है।

27. एस्किमो जनजाति की आजीविका का मुख्य आधार क्या है?

उत्तर–एस्किमो जनजाति की आजीविका का मुख्य आधार आखेट, मछली पकड़ना व संग्रहण करना है।

28. एस्किमो जनजाति का निवास क्षेत्र कहां तक है?

उत्तर–इनका निवास क्षेत्र अलास्का से लेकर बेरिंग जलडमरूमध्य तक है।

29. त्यामा क्या है?

उत्तर–शुष्क क्षेत्रों में एक प्रकार का तरबूज होता है जिसे बुशमैन जल पूर्ति के लिए काम लेते है। जिसे त्यामा भी कहते हैं।

30. प्रसिद्ध एटोशा राष्ट्रीय उद्यान कहां स्थित है?

उत्तर–कालाहारी मरुस्थल में स्थित है जो कि अफ्रीका में है।

31. बीलू से क्या तात्पर्य है?

उत्तर–बीलू शब्द द्राविडियन भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है तीरंदाज और बीलू से ही भील शब्द की उत्पत्ति हुई है।

32. भीलों की उत्पत्ति किस देव के पुत्र से मानी जाती है?

उत्तर–भीलों की उत्पत्ति महादेव पुत्र निषाद से मानी जाती है।

33. भीलों का निवास क्षेत्र कौनसा है?

उतर– भील दुर्गम व निर्जन पर्वतीय क्षेत्रों में निवास करते हैं। ये लोग अरावली, विंध्याचल व सतपुड़ा की पहाड़ियों और वन क्षेत्रों में निवास करते हैं।

34. दजिया क्या है?

उत्तर–भीलों द्वारा मैदानी भाग में की जाने वाली कृषि को दजिया कहते हैं।

शेखावाटी मिशन–100

35. चिमाता क्या है।?

उत्तर– भीलों द्वारा पहाड़ी भाग में की जाने वाली कृषि को चिमाता कहते है।

36. कर्मक क्या है?

उत्तर–5–6 फीट भूमिगत व 2–3 फीट ऊपर उठे लकड़ी व व्हेल की हड़ियों के ढांचे से बने मकान को कर्मक कहते हैं।

37. बुशमैन की शारिरिक विशेषताए लिखिए ?

उत्तर–बुशमैन निग्रीटो प्रजाति के समरूप है जो कि नाटे कद के होते हैं तथा इनके नितम्ब भारी होते हैं।

38. बुशमैन का निवास क्षेत्र कहां स्थित है?

उत्तर–बुशमैन का निवास क्षेत्र अफ्रीका महाद्वीप में 18 डिग्री दक्षिणी अक्षांश से 24 डिग्री दक्षिणी अक्षांश के मध्य वैचुआनालैण्ड में स्थित है।

39. भीलों के कितने प्रकार के बाण होते हैं ?

उत्तर–भीलों के प्रमुख अस्त्र–शस्त्रों में से बाण एक है जो दो प्रकार के होते हैं। एक हरियो व दुसरा रोबदो।

40. फटकिया क्या है?

उत्तर–यह पक्षियों को पकड़ने के लिए एक प्रकार का फंदा है जिसे फटकिया कहा जाता है जिसका उपयोग भील करते हैं।

41. बोलावा किसे कहते हैं?

उत्तर– भीलों का मार्गदर्शक बोलावा कहलाता हैं।

42. भीलों का प्रमुख बेणेश्वर मेला कब और कहां लगता है?

उत्तर–राजस्थान में सोम, जाखम व माही से बनी त्रिवेणी पर भीलों का प्रमुख बेणेश्वर मेला जनवरी–फरवरी माह में लगता है।

43. दीप्पा कृषि क्या है?

उत्तर–दीप्पा कृषि झुमिंग कृषि का एक प्रकार है जिसमें भूमि पर दो–तीन वर्ष खेती करने के बाद उसे पड़त छोड़ दिया जाता है फिर पुनः साफ करके खेत तैयार किये जाते हैं।

44. पैंडा कृषि कहां की जाती है?

उत्तर–पैंडा कृषि मध्यप्रदेश के बस्तर में तीव्र पहाड़ी ढालों पर सीढ़ीदार खेती होती है।

45. गौंडों का मुख्य खाद्यान्न क्या है ?

उत्तर–गौंडों का मुख्य खाद्यान्न कोदू व कुटकी जैसे स्थानीय अनाज हैं।

46. गौंडों का निवास क्षेत्र कौनसा है?

उत्तर–गौंड सतपुड़ा पहाड़ियों, मैकाल श्रेणी, सोन देवगढ़ उच्च भूमि बस्तर पठार में रहते है।

47. गौंडी बोली किस भाषा परिवार से सम्बन्धित है?

उत्तर–गोंडी बोली द्राविडियन भाषा परिवार से है जिसका सम्बन्ध तमिल व कन्नड़ से है।

48. फाइरे–फाइरे क्या है?

उत्तर–यह भीलों का रणघोष है।

49. गमेती क्या है?

उत्तर–भीलों के समस्त पाल के मुखिया को गमेती कहते हैं।

50. गौंड शब्द की उत्पत्ति किससे हुई है?

उत्तर–गौंड शब्द की उत्पत्ति खोण्डा से हुई है इसका अर्थ पहाड़ी क्षेत्र होता है।

51. बुशमैन जनजाति के आर्थिक क्रियाकलापों को समझाइए।

उत्तर– (1) <u>आखेट</u>–बुशमैन मूल रूप से आखेटक हैं। ये आखेट द्वारा अपना भोजन प्राप्त करते हैं।

(2) <u>भोजन</u>–बुशमैन सर्वभक्षी होते हैं। बेरी तथा शहद इनके भोजन के मुख्य अंग हैं।

(3) <u>वस्त्र</u>– बुशमैन बहुत ही कम वस्त्रों का उपयोग करते हैं। पुरुष तिकोनी लंगोट तथा स्त्रियाँ चोगा (क्रोस) पहनती हैं।

(4) <u>निवास</u>–बुशमैन चट्टानी गुफाओं में रहते है। ये खुले में पेडो की टहनियों, घास व जानवरों की खालों से गुम्बदाकार झोंपड़ी बनाते हैं।

शेखावाटी मिशन–100

52. बुशमैन मूलरूप से क्या है ? ये शिकार कैसे करते हैं ?

अथवा

बुशमैन बड़े पशुओं का शिकार कैसे करते हैं?

उत्तर–बुशमैन मूल रूप से आखेटक हैं।

ये तीर–कमान व भाले से शिकार करते हैं। बड़े शिकार को जाल में फंसाने के लिए ये विभिन्न तरीके काम में लेते हैं।

1. ये शिकार को कीचड़ में धंसाकर
2. फंदों में फंसाकर
3. गड्ढों में गिरा कर
4. विषाक्त जल पिलाकर

53. भील जनजाति में दापा प्रथा से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर–दापा एक प्रथा है जो विवाह के दौरान वर पक्ष को देनी पड़ती है। इसमें विवाह के समय कन्या का मूल्य दिया जाता है जो लड़के के पिता द्वारा लड़की के पिता को देना पड़ता है। इसे ही दापा कहते हैं। इसके बाद ही विवाह सम्पन्न होता है।

54. एस्किमो जनजाति के निवास क्षेत्र, आर्थिक क्रियाकलाप तथा समाज एवं संस्कृति का वर्णन कीजिये।

उत्तर– एस्किमो का शाब्दिक अर्थ <u>कच्चा मांस खाने वाला</u> तथा बर्फीले प्रदेश के निवासी के रूप में होता है। यह जनजाति विश्व की एक प्राचीन जनजाति है। यह जनजाति आज भी विकास की प्रारम्भिक अवस्था में है। यह <u>जनजाति मंगोल प्रजाति</u> से सम्बन्धित है। एस्किमो जनजाति का वर्णन निम्न प्रकार है

(1) <u>शारीरिक बनावट</u>–एस्किमो जनजाति के लोगों का चेहरा सपाट व चौड़ा, त्वचा का रंग–पीलापन लिए भूरा, बाल–भदे व काले, कद–मझला, नाक चपटी, आंखें–गहरी, कत्थई व तिरछी होती हैं। इनका जबड़ा भारी, मुंह – चौड़ा तथा दांत–सफेद व मजबूत होते हैं।

(2) <u>निवास क्षेत्र</u>–एस्किमो जनजाति प्रारम्भ से ही आर्कटिक व टुण्ड्रा प्रदेशों में निवास करती आई है। इस क्षेत्र में अलास्का से लेकर बेरिंग जलडमरुमध्य तक इनका विस्तार है। ये अलास्का, कनाडा, ग्रीनलैण्ड व उत्तरी साइबेरिया क्षेत्रों में रहते हैं।

(3) <u>प्राकृतिक वातावरण</u>–निम्न तापमान, बर्फीली आंधियों व कम रोशनी युक्त तथा कठोर जलवायु में लगभग 10 लाख एस्किमो विगत दस हजार वर्षों से रह रहे हैं। पेड़ों के अभाव में यहां बर्फ की आंधियां चलती हैं तथा वर्षा हिम के रूप में होती है।

(4) <u>प्राकृतिक वनस्पति तथा जीव</u>–जन्तु–इस क्षेत्र में कठोर जलवायु के कारण वनस्पति का अभाव रहता है। केवल ग्रीष्म काल की अल्प अवधि में शैवाल, काई, लाइकेन आदि रंग–बिरंगे फूलों की वनस्पति उग आती है। ध्रुवीय भालू, लैमिंग, खरगोश, कस्तूरी मृग, कैरीबाऊ, लोमड़ी, भेड़िये, कुत्ते आदि इस क्षेत्र के प्रमुख जन्तु हैं।

(5) <u>आर्थिक क्रियाकलाप</u>–

(1) <u>आखेट</u>– शिकार करना एस्किमो के जीविकोपार्जन का एक मात्र साधन है। ये शीत काल व ग्रीष्म काल में विभिन्न विधियों से शिकार करते हैं। शीतकालीन ऋतु में ये <u>माउपाक</u> या <u>इतुरपाक</u> विधि से समुद्री तट के किनारे सील मछली का शिकार करते हैं । बंसतकाल में ये कुत्तों और कयाक की सहायता से शिकार करते हैं।

(2) <u>भोजन</u>– इनका प्रमुख भोजन कच्चा मांस है। भोजन का मुख्य स्त्रोत सील ह्वेल तथा सी लायन हैं। छोटी मछलियों व स्थलीय जीव–जन्तुओं से भी भोजन प्राप्त करते हैं।

(3) <u>वस्त्र</u>– एस्किमो के वस्त्र मुख्यतः कैरिबो की खाल से बने होते हैं। यह सील मछली की खाल की अपेक्षा अधिक गर्म एवं हल्के होते हैं । ध्रुवीय भालू के समूर से भी वस्त्र बनाए जाते हैं। इनके वस्त्र हैं–<u>तिमियाक और अनोहाक</u>। सील की खाल से बने जूतों को <u>कार्मिक या मुक्लूक्स</u> कहते हैं।

(4) <u>निवास गृह</u>– इनके मकान बर्फ, पत्थर, हड्डियों तथा बालों से बने होते हैं। शीतकाल में बर्फ के मकान को इग्लू कहते हैं ये इनके अस्थायी आवास होते। हैं। ग्रीष्मकाल में शिकार के दौरान ये लोग अस्थाई तम्बू में रहते हैं।

(5) <u>यंत्र व उपकरण</u>– एस्किमो अपनी विभिन्न आर्थिक क्रियाओं को पूरा करने के लिए अनेक उपकरणों जैसे–कयाक (छोटी नाव), उमियाक (बडी नाव), हारपून (भाला) तथा स्लेज (बिना पहियो की गाड़ी) आदि का प्रयोग करते हैं।

(6) समाज व संस्कृति– ये लोग छोटे–छोटे समूहों में रहते हैं। इनका जीवन घुमक्कड़ है। ये आदिम ढंग से जीवनयापन करते हैं । इनका समाज पितृवंशीय है। इनमें बहुपत्नी प्रथा प्रचलित है। एस्किमो लोग जादू–टोनों में भी विश्वास रखते है।

(7) वातावरण समायोजन– दुर्गम, सामान्य मानव के जीवन की कल्पना क्षेत्रों से परे कठोर जलवायु में रहने के कारण एस्किमो जनजाति में वातावरण समायोजन को अपूर्व दक्षता देखने को मिलती है।

(8) आधुनिक संस्कृति से सम्पर्क– वर्तमान में यूरोपीय व अमेरिकी लोगों सम्पर्क में आने के कारण अब ये लोग अस्त्रों, बन्दूक आदि का प्रयोग करने लगे हैं। कयाक के स्थान पर मोटर चालित नाव व स्लेज के स्थान पर स्नो स्कूटर का प्रयोग भी करने लगे हैं।

55. भील जनजाति के निवास क्षेत्र, अर्थव्यवस्था व सामाजिक रीति रिवाजों का वर्णन कीजिये।

उत्तर– भील भारत में तीसरा सबसे बड़ा जनजाति समूह है।

(1) निवास क्षेत्र– भील दुर्गम व निर्जन पर्वतीय क्षेत्रों में निवास करते हैं। ये लोग अरावली, विंध्याचल व सतपुड़ा की पहाड़ियों व वन क्षेत्रों में रहते हैं। भारत में भील चार राज्यों राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात तथा महाराष्ट्र में हैं। भीलों का मुख्य केन्द्रीयकरण राजस्थान के बांसवाड़ा, डूंगरपुर, उदयपुर व चित्तौड़गढ़ मध्यप्रदेश के धार, झाबुआ व रतलाम; गुजरात के पंचमहल व बडोदरा में तथा महाराष्ट्र के औरंगाबाद, अहमदनगर, जलगांव, नासिक व धुले जिलों में है।

(2) आर्थिक क्रिया–कलाप–

(अ) आखेट–जंगलों में तीर–कमान से ये लोग जंगली पशुओं का शिकार करते हैं। पुरुष तालाबों से मछली पकड़ने का कार्य भी करते हैं। वर्तमान में लगभग 80 प्रतिशत भील भूमिंग कृषि से जुड़े हैं।

(ब) भोजन–इनका मुख्य भोजन मक्का है। उत्सवों व प्रीतिभोज के अवसर पर चावल व लापसी बनती है और राबड़ी भी बनाई जाती है। ये मांसाहारी भी होते हैं। ये लोग महुआ से निर्मित मदिरा सेवन करते हैं।

(3) समाज व संस्कृति– भील पितृसत्तात्मक होते है। प्रत्येक कुल के लोग अलग–अलग गांवों में रहते हैं। प्रत्येक कुल का अपना–अपना गण चिह्न होता है। भीलों की समस्त पाल का मुखिया गमेती तथा मार्गदर्शक बोलवा कहलाते हैं भील युवा हो या वृद्ध, उसकी पत्नी जरूर होती है। इनमें बहु पत्नी प्रथा भी पायी जाती है। विवाह के समय कन्या का मूल्य देना पड़ता है जिसे दापा कहते हैं, जो लड़के का पिता लड़की के पिता को देता है। **गोल गाधेड़ों प्रथा द्वारा कोई भी युवक शूरवीरता व साहस का कार्य दिखलाते हुए अपनी मन पसंद युवती से शादी करने का अधिकार पाता है।**

ये प्रकृति के पूजक हैं। साथ ही देवी–देवताओं की भी पूजा करते हैं । ये अंधविश्वासी होते हैं। होली व दीपावली इनके महत्वपूर्ण पर्व हैं। राजस्थान में भीलों का प्रमुख बेणेश्वर मेला शिव आराधना हेतु जनवरी–फरवरी माह में लगता है।

(4) आधुनिक संस्कृति से सम्पर्क–शहरी सम्पर्क से भील चतुर हो गए हैं। अब ये बाजार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़े हैं। युवा मजदूरी करते हैं। बाह्य संस्कृति के सम्पर्क में आने से इनके पहनावे, बोल–चाल व रहन–सहन में तेजी से अन्तर आया है।

अध्याय–03

जनसंख्याः वितरण, घनत्व एवं वृद्धि

01. विश्व का नवीन एवं सर्वाधिक विकसित मानव समूह है

(अ) उत्तरी अमरीकी जनसमूह (ब) पश्चिमी यूरोपीय जनसमूह

(स) दक्षिणी एशियाई जनसमूह (द) पूर्वी एशियाई जनसमूह (अ)

02. उत्तरी अमेरिका में जनसंख्या प्रवास किस महाद्वीप से सर्वाधिक है?

(अ) एशिया (ब) यूरोप (स) दक्षिण अमेरिका (द) अफ्रीका (ब)

03. सन् 2015 के अनुसार विश्व का जनसंख्या घनत्व है–

(अ) 57 (ब) 42 (स) 47 (द) 55 (स)

04. विश्व में वर्ष 2025 तक अनुमानित जनसंख्या होगी?

(अ) 781.8 करोड़ (ब) 903.6 करोड़ (स) 886.9 करोड़ (द) 960.6 करोड़ (अ)

05. सन् 2013 में विश्व की जनसंख्या थी–

(अ) 613 करोड़ (ब) 714 करोड़ (स) 650 करोड़ (द) 825 करोड़ (ब)

06. निम्नांकित में से जिसमें विश्व जनसंख्या का केवल आधा प्रतिशत भाग पाया जाता है, वह है

(अ) यूरोप (ब) एशिया (स) अफ्रीका (द) ओशेनिया (द)

07. निम्न में वे कौनसे महाद्वीप हैं, जिनमें विश्व की लगभग तीन–चौथाई जनसंख्या निवास करती है?

(अ) एशिया व अफ्रीका (ब) अफ्रीका व आस्ट्रेलिया (स) उत्तरी अमेरिका व अफ्रीका (द) एशिया व यूरोप (द)

08. विश्व में दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है?

(अ) चीन (ब) भारत (द) यू.एस.ए. (स) इण्डोनेशिया (ब)

09. संसार का सबसे बड़ा जनसमूह निवास करता है?

(अ) यूरोप (ब) एशिया (स) अफ्रीका (द) द. अमेरिका (ब)

10. निम्न में से सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला देश है?

(अ) बांग्लादेश (ब) भारत (स) चीन (द) ताइवान (अ)

11. जनसंख्या घनत्व में कार्यिक घनत्व है–

(अ) जनसंख्या ÷ कुल क्षेत्रफल (ब) जनसंख्या ÷ कृषि भूमि क्षेत्र

(स) कृषक जनसंख्या ÷ कृषि भूमि क्षेत्र (द) जनसंख्या ÷ संसाधन (ब)

12. निम्न में से जनसंख्या सम्बन्धी समस्या है।

(अ) तीव्र और भयावह वृद्धि (ब) सीमित संसाधन

(स) संकेन्द्रित वितरण (द) उपर्युक्त सभी (द)

13. विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है

(अ) चीन (ब) जापान (स) भारत (द) इण्डोनेशिया (अ)

14 मानव भूगोल के अध्ययन में किसका केन्द्रीय स्थान है?

उत्तर–मानव

15 जनसंख्या वितरण का आश्य क्या है।

उत्तर–जन का स्थानिक बसाव (पृथ्वी पर जनसंख्या के स्थितिगम पक्ष पर बल देना)(क्षेत्रीय प्रतिरूप)

16 विश्व की कितने प्रतिशत जनसंख्या 20 प्रतिशत भू–भाग पर निवास करती है।

उत्तर–80 प्रतिशत

17 विश्व की कितनी प्रतिशत जनसंख्या उसके 5 प्रतिशत भू भाग पर निवास करती है?

उत्तर–57 प्रतिशत

शेखावाटी मिशन–100

18 उतरी गोलार्द में विश्व की कितने प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है।

उत्तर–85 प्रतिशत (स्थल की अधिकता के कारण)

19 एशिया महाद्वीप में विश्व की जनसंख्या निवास करती है।

उत्तर–60 प्रतिशत

20 आशेनिया (ऑस्ट्रेलिया) में विश्व की कितने प्रतिशत जनसख्ंया निवास करती है।

उत्तर– 0.5 (आधा) प्रतिशत

21 विश्व की कितने प्रतिशत जनसंख्या 20^0 उतरी से 60^0 उतरी अंक्षाशो पर रहती है।

उत्तर–80 प्रतिशत

22 विश्व की कितने प्रतिशत जनसंख्या महाद्वीपो के किनारो पर रहती है।

उत्तर–75 प्रतिशत

23 विश्व की 80 प्रतिशत जनसंख्या समुद्रतल से कितने मीटर की ऊँचाई पर रहती है।

उत्तर–500 मीटर

24 सर्वाधिक जनसंख्या वाला महाद्वीप कौन सा है।

उत्तर–एशिया (2013 के अनुसार 60.27 प्रतिशत)

25 युरोप महाद्वीप में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश कौनसा है।

उत्तर–रूस

26 अफ्रीका महाद्वीप में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश कौनसा है।

उत्तर–नाइजीरिया

27. विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश का नाम लिखिए। (माध्य. शिक्षा बोर्ड, 2019)

उत्तर–विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश चीन है।

28. जनसंख्या का घनत्व ज्ञात करने का सूत्र लिखिये।

उत्तर–जनसंख्या का घनत्व = $\frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$

प्रश्न 29. अफ्रीका के एक खनिज क्षेत्र का नाम बताइये जहां घनी. जनसंख्या पाई जाती है?

उत्तर–कटंगा–जाम्बिया तांबा क्षेत्र।

30. विश्व जनसंख्या में सर्वाधिक वृद्धि किस प्रकार के राष्ट्रों में रही है?

उत्तर–विश्व जनसंख्या में सर्वाधिक वृद्धि विकासशील राष्ट्रों में रही है।

31. जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले भौतिक कारक लिखिये।

उत्तर–(1) अवस्थिति (2) जलवायु दशा (3) धरातल (4) समुद्र तल से ऊँचाई

32. विश्व में जनसंख्या वृद्धि के लिए उत्तरदायी कोई चार कारक बताइये।

उत्तर– (1) मृत्यु दर में गिरावट

(2) खाद्य पदार्थों की निश्चित एवं नियमित आपूर्ति

(3) औद्योगिक विकास तथा

(4) शान्ति और सुरक्षा।

33. सन् 2013 में विश्व की जनसंख्या कितनी थी ?

उत्तर–सन् 2013 में विश्व की जनसंख्या 714 करोड़ थी।

34. उत्तरी गोलार्द्ध में विश्व की कितनी प्रतिशत जनसंख्या रहती है?

उत्तर–उत्तरी गोलार्द्ध में विश्व की 85 प्रतिशत जनसंख्या रहती है।

शेखावाटी मिशन–100

35. प्रवास के कारण किस महाद्वीप में जनसंख्या वृद्धि सर्वाधिक हुई है?

उत्तर–उत्तरी अमेरिका महाद्वीप में।

36. जनसंख्या संक्रमण सिद्धान्त के अनुसार भारत कौनसी अवस्था में है।

उत्तर–जनसंख्या संक्रमण सिद्धान्त के अनुसार भारत तृतीय अवस्था में आता है।

37. जनसंख्या संक्रमण सिद्धान्त के अनुसार रूस और जापान कौनसी अवस्था में आते हैं?

उत्तर–पांचवीं अवस्था में।

38. पश्चिमी एवं मध्यवर्ती यूरोप में उच्च जनघनत्व के कोई चार कारण लिखिए।

उत्तर–पश्चिमी एवं मध्यवर्ती यूरोप में उच्च जनघनत्व के चार प्रमुख कारण निम्न लिखित है–

(अ) स्वास्थ्यप्रद जलवायु का होना।

(ब) समतल मैदानी भू–भाग तथा उपजाऊ मृदा।

(स) जल व खनिज सम्पदा का होना

(द) औद्योगिक विकास।

प्रश्न 39. पिछले वर्षो में विश्व की जनसंख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के लिए उत्तरदायी किन्हीं तीन कारणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर–गत शताब्दी में विश्व की जनसंख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के तीन कारण निम्न लिखित हैं

1. **मृत्यु दर में गिरावट**– गत शताब्दी में विश्व में वैज्ञानिक उपलब्धियों तथा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार के कारण संक्रामक रोगों तथा महामारियों पर सफलतापूर्वक नियंत्रण से मृत्यु दर में बहुत कमी आई है। मृत्यु दर में अभूतपूर्व गिरावट आने तथा उच्च जन्म दर के कारण विश्व जनसंख्या वृद्धि में तीव्रता रही है।

2. **खाद्य पदार्थों की निश्चित आपूर्ति**– विश्व में यांत्रिक एवं गहन कृषि, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, उन्नत किस्म के खाद व बीजों का उपयोग आदि से कृषि उत्पादन में अत्यधिक वृद्धि हुई है तथा अकालों की संख्या में कमी आई है। इससे विश्व की जनसंख्या अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है।

3. **औद्योगिक विकास**– गत शताब्दी में विश्व में रोजगार के साधनों में वृद्धि हुई है। रोजगार के साधन सुलभ होने से सामान्य जीवन स्तर में सुधार आया है। इससे जनसंख्या वृद्धि को प्रोत्साहन मिला है।

40. विश्व की जनसंख्या समस्या के समाधान के उपाय सुझाइये।

उत्तर–विश्व में बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न समस्या के समाधान हेतु निम्न उपाय किए जा सकते हैं

(1) भौगोलिक संसाधनों का अनुकूलतम प्रयोग करके आर्थिक उत्पादन में वृद्धि करना।

(2) औद्योगीकरण, परिवहन, संचार–साधनों, खनन– उद्योगों और निर्माण उद्योगों की उन्नति करना, यंत्रीकरण करना, कोयला पेट्रोल–बिजली का उत्पादन बढ़ाना।

(3) शिक्षा का प्रसार और विज्ञान एवं तकनीकी प्रशिक्षण के अधिक से अधिक प्रसार से जागरूकता लाना।

(4) कृषि का नवीनीकरण करना।

(5) जनसंख्या का अल्प बसे क्षेत्रों में प्रवास कराना।

(6) देरी से विवाह, परिवार नियोजन और सन्तति निग्रह पर बल देना।

41. जनसंख्या संक्रमण सिद्धान्त की अवस्थाओं का वर्णन कीजिये।

उत्तर–जनसंख्या संक्रमण सिद्धान्त की पांच अवस्थाएं हैं, जिनका वर्णन निम्न प्रकार है

(1) प्रथम अवस्था–इसमें जन्म एवं मृत्यु दर दोनों ही उच्च स्तर पर होते हैं। इसलिए इन देशों या क्षेत्रों में जनसंख्या की वृद्धि बहुत मन्द होती है। विश्व में इस अवस्था के अधिकतर देश जीवन निर्वाह कृषि पर निर्भर हैं। अफ्रीका में सूडान, कांगो, घाना, अंगोला, रोडेशिया, नाइजीरिया तथा ग्वाटेमाला आदि इस अवस्था में आते हैं।

(2) द्वितीय अवस्था–इसमें जन्म एवं मृत्यु दर दोनों ही उच्च होती हैं परन्तु स्वास्थ्य सेवाओं के विकास के कारण मृत्यु दर गिरती हुई अवस्था में प्रतीत होती है। अफ्रीका महाद्वीप के अधिकांश देश साक्षरता एवं नगरीकरण के बढ़ने से इस अवस्था में आते जा रहे हैं।

शेखावाटी मिशन–100

(3) <u>तृतीय अवस्था</u>–इसमें <u>उच्च जन्म दर एवं मध्यम मृत्यु दर होती है।</u> अतः जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि होती है। <u>भारत के सभी उत्तरी राज्य, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, नेपाल इस वर्ग में सम्मिलित होते है</u>।

(4) <u>चतुर्थ अवस्था</u>–इसमें <u>जन्म दर मध्यम और मृत्यु दर निम्न होती है</u>। <u>न्यूजीलैण्ड, आस्ट्रेलिया, चिली, अर्जेन्टाइना, संयुक्त राज्य अमेरिका, मलेशिया, थाईलैण्ड, चीन आदि इसी वर्ग में आते है</u>।

(5) <u>पंचम अवस्था</u>–इसमें निम्न <u>जन्म दर और निम्न मृत्यु दर होती है</u>। इसी अवस्था में जनसंख्या के घट जाने का भय रहता है। पश्चिमी यूरोप के लगभग देश और <u>जापान</u> इस वर्ग में पहुंच चुके हैं।

जनांकिकीय संक्रमण सिद्धान्त इस सिद्धान्त का उपयोग किसी भी क्षेत्र की जनसंख्या के वर्णन तथा भावी जनसंखया के पूर्वानुमान के लिए किया जाता है। जनसंख्या संक्रमण का यह सिद्धान्त हमें बताता है कि जैसे ही कोई समाज, ग्रामीण, खेतिहर और अशिक्षित अवस्था से उन्नति करते हुए साक्षर, नगरीय और औद्योगिक अवस्था की ओर बढ़ता है, तो उस प्रदेश की जनसंख्या उच्च जन्म दर और उच्च मृत्यु दर से निम्न जन्म दर और निम्न मृत्यु दर में परिवर्तित होने लगती है। जनसंख्या में होने वाला यह परिवर्तन विभिन्न अवस्थाओं में होता है, जिन्हें सामूहिक रूप से जनांकिकीय चक्र के रूप में पहचाना जाता है। यह निम्न रेखा चित्र द्वारा स्पष्ट है–

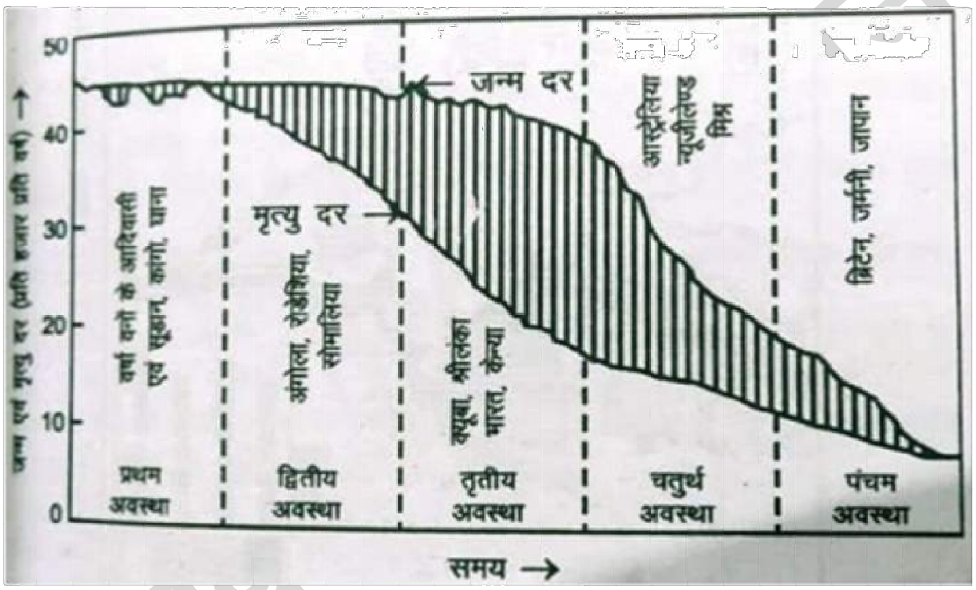

42. विश्व में जनसंख्या घनत्व एवं वितरण को प्रभावित करने वाले कारकों की व्याख्या कीजिये।

उत्तर–<u>जनसंख्या घनत्व से अभिप्राय</u>– भूमि की प्रत्येक इकाई में उस पर निवास कर रहे लोगों की जनसंख्या और भूमि के आकार के अनुपात को जनसंख्या घनत्व कहा जाता है।

विश्व में जनसंख्या घनत्व एवं वितरण को प्रभावित करने वाले कारक निम्न प्रकार हैं–

(1) <u>भौतिक कारक</u>–भौतिक कारकों में स्थिति, जल की उपलब्धता, जलवायु, मृदाएँ आदि मुख्य हैं।

(अ) <u>स्थिति</u>–जनसंख्या वितरण पर विश्व के विभिन्न क्षेत्रों की स्थिति का महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। विश्व की अधिकांश जनसंख्या शीतोण कटिबन्धीय प्रदेशों में निवास करती है। लोग समतल मैदानों और मंद ढालों पर बसने को वरीयता देते हैं। पर्वतीय और पहाड़ी क्षेत्र परिवहन के विकास में बाधक होते हैं। इसलिए प्रारम्भ से कृषि और औद्योगिक विकास के लिए अनुकूल नहीं होते हैं।

(ब) <u>जल की उपलब्धता</u>–लोग उन क्षेत्रों में बसना चाहते हैं, जहां जल आसानी से उपलब्ध होता है यही कारण है कि विश्व की महान नदी–घाटियां विश्व के सबसे सघन बसे हुए क्षेत्र हैं। जैसेः– भारत का गंगा सतलज का मैदान।

(स) <u>जलवायु</u>–विषम जलवायु मानव बसाव के लिए असुविधाजक होती है। अधिक वर्षा अथवा विषम जलवायु क्षेत्रों में कम जनसंख्या पाई जाती है।

(द) <u>मृदा</u>–उपजाऊ मृदा कृषि तथा इससे सम्बन्धित क्रियाओं के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसलिए उपजाऊ दोमट मिट्टी वाले प्रदेशों में अधिक लोग निवास करते हैं क्योंकि ये मृदा गहन कृषि का आधार बनती हैं।

(2) <u>आर्थिक कारक</u>–इनमें खनिज, नगरीकरण, औद्योगीकरण और परिवहन प्रमुख हैं।

(अ) <u>खनिज</u>–खनिज निक्षेपों से युक्त क्षेत्रों में खनन और औद्योगिक गतिविधियां रोजगार उत्पन्न करती हैं। अतः अकुशल तथा कुशल कर्मी इन क्षेत्रों में पहुंचते हैं और जनसंख्या को सघन बना देते हैं। जैसें भारत का दामोदर घाटी क्षेत्र।

(ब) <u>नगरीकरण</u>–नगर रोजगार के बेहतर अवसर, शैक्षणिक व चिकित्सा सुविधाएं तथा परिवहन और संचार के बेहतर साधन प्रस्तुत करते हैं। नगरीय सुविधाएं लोगों को नगरों की ओर खींचते हैं।

(स) <u>औद्योगीकरण</u>–औद्योगीकरण बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करता है। उद्योगों में केवल कारखानों के श्रमिक ही नहीं होते बल्कि परिवार परिचालक, दुकानदार, बैंककर्मी, डॉक्टर, अध्यापक तथा अन्य सेवाएं उपलब्ध कराने वाले भी होते हैं। जापान का कोबे–ओसाका प्रदेश अनेक उद्योगों की उपस्थिति के कारण ही सघन बसा हुआ है।

(द) <u>परिवहन के साधन</u>–आधुनिक समय में परिवहन के तीव्रगामी साधनो ने जीवन यापन की क्रियाओं में सहयोग प्रदान करके तथा प्राकृतिक आपदा, युद्ध, अकाल आदि स्थितियों में सुरक्षा प्रदान करके जनसख्या के वितरण को प्रभावित किया है।

(3) <u>धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारक</u>–धार्मिक अथवा सांस्कृतिक महत्व के कारण अधिक लोगों को आकर्षित करते हैं। ठीक इसी प्रकार लोग उन क्षेत्रों को छोड़कर चले जाते हैं, जहां सामाजिक और राजनैतिक अशान्ति होती है। कई बार सरकारें लोगों को विरल जनसंख्या वाले क्षेत्र में बसने अथवा भीड़–भाड़ वाले स्थानों में चले जाने के लिए प्रोत्साहन देती हैं।

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय–04
विश्वः जनसंख्या संरचना

01. उच्च नगरीय जनसंख्या किस देश में पाई जाती है

(अ) मिश्र (ब) सिंगापुर (स) बांग्लादेश (द) भारत (ब)

02. विश्व में सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या अनुपात किस महाद्वीप में है?

(अ) एशिया (ब) उतरी अमेरिका (स) यूरोप (द) दक्षिणी अमेरिका (ब)

03. यदि आप जनसंख्या के गुणात्मक पहलुओं का अध्ययन करना चाहें तो निम्नांकित में से किस शीर्षक का चयन करेंगे?

(अ) व्यावसायिक संरचना (ब) आयु संरचना (स) लिंगानुपात (द) साक्षरता (द)

04. यदि आप एशिया महाद्वीप में जीवन प्रत्याशा को बढ़ाना चाहते हैं तो किस कारक को अपनाना पसन्द करेंगे?

(अ) शिक्षा प्रसार (ब) जन्म दर में वृद्धि (स) मृत्यु दर में वृद्धि (द) स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार

(द)

05. वृद्ध आयु जनसंख्या वर्ग में कितने आयु से ऊपर की जनसंख्या सम्मिलित होती है?

(अ) 60 वर्ष (ब) 62 वर्ष (स) 68 वर्ष (द) 65 वर्ष (द)

06. विश्व में सर्वाधिक वृद्ध व्यक्तियों का प्रतिशत किस देश में है?

(अ) भारत (ब) जापान (स) चीन (द) दक्षिण अफ्रीका (ब)

07. विश्व में किस आयु वर्ग का प्रतिशत सर्वाधिक है ?

(अ) 65 वर्ष से अधिक (ब) 0–14 वर्ष (स) 25 से 54 वर्ष (द) उपर्युक्त सभी (स)

08. शत–प्रतिशत साक्षरता वाला देश है

(अ) जापान (ब) भारत (स) चीन (द) यू.एस.ए. (अ)

09. निम्न में से जिसके अध्ययन से बच्चों, युवाओं और वृद्धों की कुल संख्या का आंकलन किया जाता है, वह है

(अ) स्त्री–पुरुष अनुपात (ब) साक्षरता (स) लिंगानुपात (द) आयु वर्ग (द)

10. शत–प्रतिशत साक्षरता वाले किन्हीं चार देशों के नाम लिखिये।

उत्तर–(1) जापान (2) आस्ट्रेलिया (3) डेनमार्क (4) फिनलैण्ड।

11. कार्यशील जनसंख्या से आप क्या समझते हैं?

उत्तर–12 से 59 आयु वर्ग के स्त्री एवं पुरुष जो विभिन्न आर्थिक क्रियाकलापों में संलग्न हैं, कार्यशील जनसंख्या होती है।

13. जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना किसे कहते हैं ?

उत्तर–किसी निश्चित आर्थिक कार्य के अन्तर्गत जुड़ी हुई सक्रिय जनसंख्या के आनुपातिक वितरण को जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना कहते हैं।

14. लिंगानुपात किसे कहते हैं?

उत्तर–जनसंख्या में पुरुष तथा स्त्रियों की संख्या के बीच संतुलन का सूचक लिंगानुपात कहलाता है। लिंगानुपात ज्ञात करने हेतु प्रति हजार पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या ज्ञात की जाती है।

15. जनसंख्या संरचना में शामिल प्रमुख घटकों के नाम लिखिये।

उत्तर–(1) आयु संरचना (2) लिंगानुपात (3) जनसंख्या संघटन (4)। साक्षरता (5) व्यावसायिक संरचना आदि।

शेखावाटी मिशन–100

16. आयु संरचना से क्या आशय है ?

उत्तर–किसी देश की जनसंख्या का विभिन्न आयु वर्गों में विभाजन जनसंख्या की आयु संरचना कहलाता है।

17. वृद्ध जनसंख्या सर्वाधिक किस महाद्वीप में अधिक पाई जाती है ?

उत्तर–यूरोप महाद्वीप में पाई जाती है।

प्रश्न 18. भारत में लिंग अनुपात ज्ञात करने के लिए किस सूत्र का प्रयोग किया जाता है?

उतर– $\frac{\text{स्त्रियों की जनसंख्या}}{\text{पुरुषों की जनसंख्या}} \times 1000$

विश्व के विकसित राष्ट्रो में लिंगानुपात प्रति 1000 स्त्रियों पर पुरूषो के रूप में ज्ञात किया जाता है।

$\frac{\text{पुरुषों की जनसंख्या}}{\text{स्त्रियों की जनसंख्या}} \times 1000$

19. विश्व में कितने प्रतिशत जनसंख्या नगरों में निवास करती है?

उत्तर–विश्व जनसंख्या 2004 के आंकड़ों के अनुसार 48 प्रतिशत जनसंख्या नगरों में निवास करती है।

20. किसी प्रदेश के सामाजिक–आर्थिक विकास का विश्वसनीय तथा यथार्थ सूचक क्या है?(IMP)

उत्तर–साक्षरता किसी प्रदेश के सामाजिक–आर्थिक विकास का विश्वसनीय तथा यथार्थ सूचक है।

21 जनसंख्या संरचना के प्रमुख घटक कौन–कौन से है।

उतर– (1) आयु वर्ग

(2) लिंगानुपात

(3) साक्षरता

(4) ग्रामीण– नगरीय जनसंख्या–अनुपात

(5) जनसंख्या की व्यावसायिक संरचना

22. भारत में लिंगानुपात महिलाओं के प्रतिकूल क्यों है?

उत्तर–भारत जैसे विकासशील देशों में पुरुषों की तुलना में स्त्रियों अनुपात कम पाया जाता है। इसके मुख्य कारण निम्न हैं–

(1) भारतीय समाज का परम्परावादी होना।

(2) स्त्रियों में शिक्षा, रोजगार के अवसर, सुरक्षा तथा समाज में उचित स्थान प्राप्त नहीं होना।

लिंग–अनुपात स्त्रियों के प्रतिकूल होने के कारण–जिन प्रदेशों में लिंग भेदभाव अनियंत्रित होता है, वहाँ लिंग अनुपात निश्चित रूप से स्त्रियों के प्रतिकूल होता है।

(3) स्त्री भ्रुण हत्या

(4) घरेलू हिंसा

विकासशील देशों, जैसे–भारत, पाकिस्तान आदि में सामान्यतः स्त्रियों को समाज में गौण स्थान प्राप्त होने के कारण उनमें प्रजनन के समय हुई मृत्यु दर अधिक ऊँची होती है। इससे प्रतिकूल लिंगानुपात बढ़ता है तथा समस्त लिंगानुपात अधिकतर महिलाओं के प्रतिकूल हो जाता है।

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय 06

विश्व : मानव अधिवास

01. पम्पास एवं प्रेयरी घास के मैदानों में किस प्रकार के अधिवास बनाते है?
(अ) गुच्छित अधिवास (ब) प्रकीर्ण अधिवास (स) मिश्रित अधिवास (द) पल्ली अधिवास (ब)
02. जयपुर जिले का बरवाड़ा गाँव किस प्रतिरूप का उदाहरण है?
(अ) रेखीय प्रतिरूप (ब) तीर प्रतिरूप (स) त्रिभुजाकार प्रतिरूप (द) आयताकार प्रतिरूप (अ)
03. भारत में महानगर में शामिल नहीं है?
(अ) कोटा (ब) बीकानेर (स) जोधपुर (द) जयपुर (ब)
04. भारत में वृहत नगर में जनसंख्या है?
(अ) एक लाख से अधिक (ब) 5 लाख से अधिक
(स) 10 लाख से अधिक (द) 50 लाख से अधिक (द)
05. विडाल डी लॉ ब्लॉश के अनुसार अधिवास को परिभाषित कीजिए?
उत्तरः—विडाल डी लॉ ब्लॉश के अनुसार अधिवास मानव द्वारा स्वयं के आवास एवं सम्पति को रखने के लिए निर्मित संरचना से है।
06. मिश्रित अधिवास का कोई एक उदाहरण दीजिए?
उत्तरः—सांगोद (कोटा) तहसील का खुर्द गाँव
07. स्थायी अधिवास का आरम्भ कब हुआ?
उत्तरः—उत्तर पाषाण काल में स्थायी कृषि के साथ ही स्थायी अधिवासों की उत्पति हुई।
08. अधिवासों की उत्पति को कितने भागों में बांटा गया है।
उत्तरः—दो भागों में बांटा गया है। 1. अस्थायी अधिवास 2. स्थायी अधिवास
09. बुशमैन जाति के लोग किस प्रकार के अधिवास बनाते है।
उत्तरः—अस्थायी अधिवास
10. मानव अधिवासों को प्राकृतिक दशाओं और आधारभूत कार्यो के आधार पर कितने वर्गो में वर्गीकृत किया जा सकता है।
उत्तरः—दो 1. ग्रामीण अधिवास 2. नगरीय अधिवास
11. ग्रामीण अधिवासों के मुख्य प्रकार कौनसे है।
उत्तरः—1. सघन/गुच्छित/पुंजित/सहत/सकेन्द्रित/संकुलित अधिवा
2. प्रकीर्ण/एकाकी अधिवास
3. मिश्रित/अर्द्धसघन/अर्द्ध केन्द्रीय अधिवास
4. पल्ली/पुराना अधिवास
12. सघन अधिवास किसे कहते है।
उत्तरः—जिनमें आवास गृह पास—पास होते हैं और सम्पूर्ण गाँव सघन बसा होता है। अधिवास प्रायः खेतों के मध्य किसी ऊँचे एवं बाढ़ से सुरक्षित स्थानों पर बसे होते है।
13. गंगा सतलज के मैदान मालवा के पठार में किस प्रकार के अधिवास पाये जाते है।
उत्तरः—सघन अधिवास
14. छित्तरे एवं बिखरे अधिवास किसकी विशेषता है।
उत्तरः—प्रकीर्ण या एकाकी अधिवास
15. दक्षिणी राजस्थान के उदयपुर, राजसमन्द, डूँगरपुर, प्रतापगढ़ और मरूस्थलीय प्रदेश में किस प्रकार के अधिवास पाये जाते है।
उत्तरः—प्रकीर्ण/एकाकी अधिवास
16. मिश्रित अधिवास की उत्पति में कौनसा कारक उत्तरदायी बताया है।
उत्तरः—पारिवारिक कारक

शेखावाटी मिशन—100

17. रेखीय प्रतिरूप का विकास कहाँ होता है।

उत्तरः—सड़क मार्ग, रेलमार्ग, नहर, नदी घाटी में या सागर तट के सहारे

18. रेखीय प्रतिरूप को अन्य किस नाम से जाना जाता है।

उत्तरः—पंक्तिनुमा / मार्गोन्मुख / अर्द्धचन्द्रा कार प्रतिरूप

19. भारत में अधिवास के तीर प्रतिरूप कहाँ पर देखने को मिलते है।

उत्तरः—दक्षिण भारत में कन्याकुमारी और उड़ीसा में चिल्का झील तट पर बने अधिवास आदि

20. राजस्थान में अनियमित प्रतिरूप अधिवास कहाँ देखने को मिलता है।

उत्तरः—बारां जिले में लिसाड़ी गाँव

21. सीढीनुमा प्रतिरूप किन क्षेत्रों में पाये जाते है।

उत्तरः—पर्वतीय ढालों पर

22. भारत में टोडा जनजाति को दक्षिणी अफ्रीका के जुलू लोगों के अधिवास किस प्रकार के प्रतिरूप का उदाहरण है।

उत्तरः—मधुछत्ता प्रतिरूप

23. वृत्ताकार प्रतिरूप कहाँ विकसित होते है।

उत्तरः—झील, तालाब, कुएँ, किले, धार्मिक स्थल या चौपाल के चारों ओर

24. नगर किसे कहते है।

उत्तरः—एक लाख से अधिक किन्तु दस लाख से कम जनसंख्या वाले अधिवास नगर कहलाते है।

25. 'सन्नगर' शब्द किसने व कब दिया है।

उत्तरः—पैट्रिक गिडिज ने 1915 ई0 में

26. मेगालोपोलिस शब्द किसने एवं कब दिया।

उत्तरः—जीन गोटमेन ने 1957 में

27. महानगर किसे कहते है।

उत्तरः—दस लाख से अधिक एवं 50 लाख से कम जनसंख्या वाले अधिवासों को महानगर (मेट्रोसिटी) कहते है।

28. सन्नगर किसे कहते है।

उत्तरः—सन्नगर विशाल विकसित नगरीय क्षेत्र होते हैं जो अलग—अलग नगरों या शहरों के आवास से मिलकर विशाल नगरीय क्षेत्र में बदल जाता है।

29. सन्नगर एवं वृहत नगर के दो—दो उदाहरण दीजिए।

उत्तरः—सन्नगर—ग्रेटर लन्दन, टोकियों, शिकागो भारत में दिल्ली, गुडगाँव, दिल्ली—नोएडा

वृहत नगर—न्यूयार्क, मास्को, कोलकता, मुम्बई, चेन्नई

30. एशिया की सबसे गन्दी बस्ती कौनसी है।

उत्तरः—मुम्बई की धारावी कच्ची बस्ती

31. नगरीय अधिवासों की कोई (4) समस्याएँ लिखिए।

उत्तरः—1. अत्यधिक जनसंख्या घनत्व

2. नगरों को बढता आकार

3. गंदी बस्तियों को प्रादुर्भाव

4. पर्यावरण प्रदूषण

5. खाद्य पदार्थो में मिलावट

शेखावाटी मिशन—100

32. कच्ची बस्ती की समस्याएँ लिखिए।

उत्तरः—1. सड़को का अभाव

2. पेयजल, प्रकाश व शुद्ध वायु की कमी

3. विद्यालयों का अभाव

4. शौचालय जैसी मूलभूत सुविधा का अभाव

5. अत्याधिक भीड–भाड में संक्रमण का खतरा

33. कच्ची बस्तियों की समस्याओं हेतु समाधान बताइए।

उत्तरः—1. सरकार द्वारा निम्नतम दर पर आवास उपलब्ध कराना।

2. रोजगार के साधन उपलब्ध कराना।

3. विद्यालय खोलकर।

4. स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति न्यूनतम दर पर या निःशुल्क की जानी चाहिए।

5. परिवार कल्याण कार्यक्रम अपनाने पर जोर देना चाहिए।

34. ग्रामीण अधिवास के आयताकार व नाभिय प्रतिरूप के चित्र बनाइए।

उत्तरः—

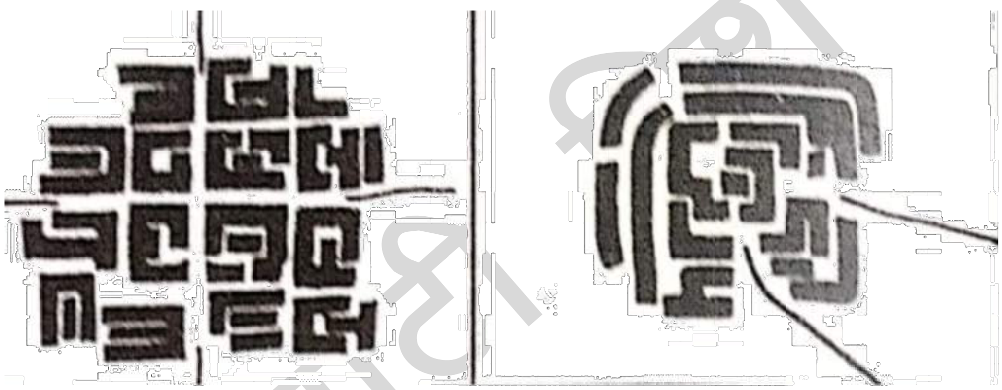

35. ग्रामीण अधिवास के अर्द्धवृत्ताकार एवं तारा प्रतिरूप के चित्र बनाइए।

उत्तरः—

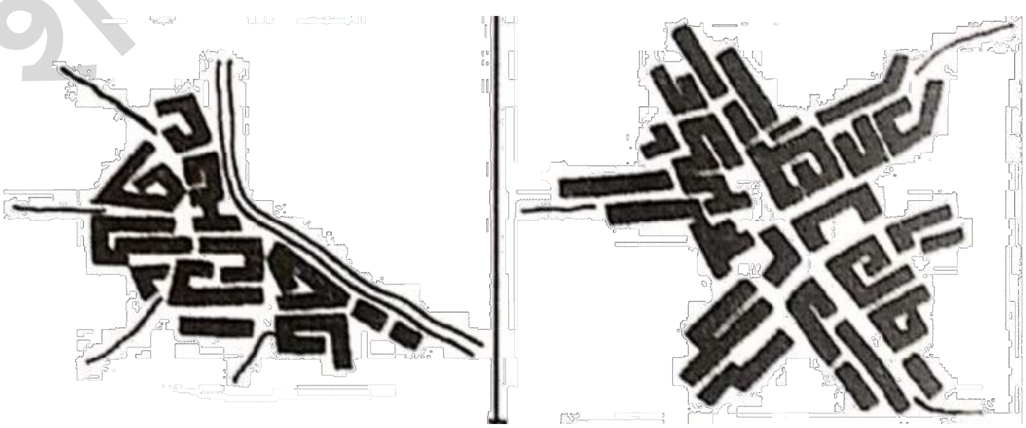

शेखावाटी मिशन–100

36. ग्रामीण अधिवास के वृत्ताकार एवं तीर प्रतिरूप के चित्र बनाइए।

उत्तरः–

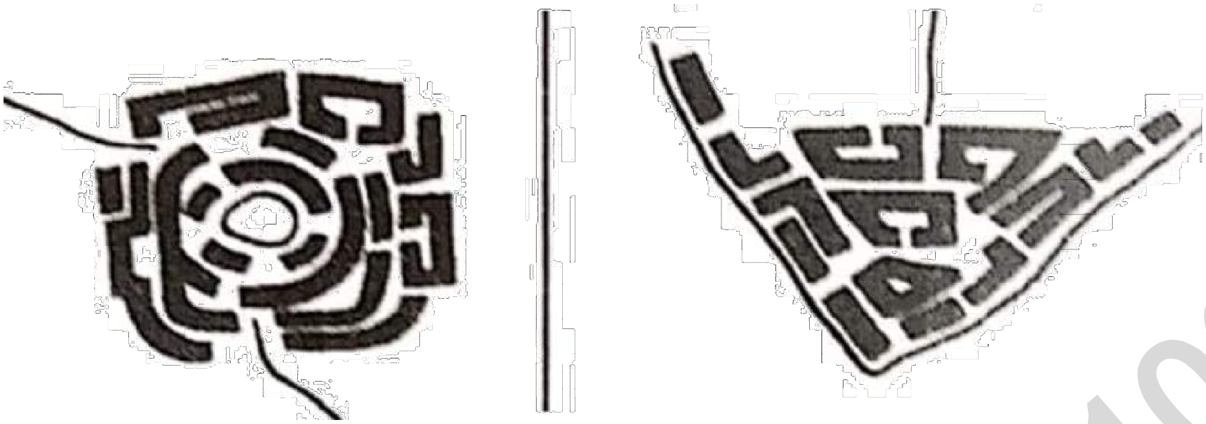

37. ग्रामीण अधिवास के रेखीय एवं अरीय प्रतिरूप के चित्र बनाइए।

उत्तरः–

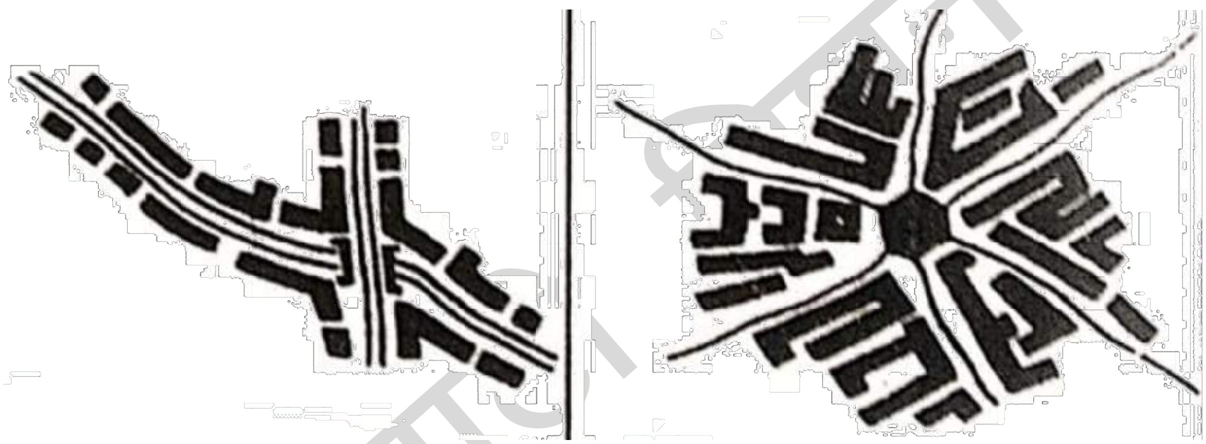

38. सघन अधिवास की कोई चार विशेषताएँ बताइये।

उत्तरः–1. सभी आवस पास–2 होते है।

2. सभी आवास एक स्थान पर संकेन्द्रित होते है एवं बाहरी आक्रमणों का मिलकर मुकाबला करते है।

3. सामाजिक प्रगाढता होने से एक–दूसरे के सुख–दुख में सहभागी होते है।

4. इनमें आवासों की संख्या 40–50 से लेकर सैकडों तक हो सकती है।

39. ग्रामीण अधिवास की प्रमुख समस्याएँ लिखिएं

उत्तरः–1. आवागमन के साधनों का अभाव

2. स्वच्छ पेयजल का अभाव

3. स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव

4. विद्युत आपूर्ति का अभाव

5. रोजगार के अवसर नहीं होना

6. सूचना तकनीक एवं दूरभाष सुविधाओं का अभाव

7. उच्च एवं तकनीकी शिक्षा संस्थानों का अभाव

अध्याय 07

मानव व्यवसाय : प्रमुख प्रकार

01. प्रागैतिहासिक काल में मानव कौनसी आर्थिक क्रियाओं से संबंधित था।
(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक (स) तृतीयक (द) चतुर्थक (अ)

02. मानव व्यवसायों को प्रमुख रूप से कितने वर्गो में बांटा गया है।
(अ) चार (ब) पॉच (स) छः (द) सात (ब)

03. उद्योग व विनिर्माण को किस व्यवसाय में शामिल किया गया है।
(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक (स) तृतीयक (द) चतुर्थक (ब)

04. थोक व्यापार कौनसी आर्थिक क्रिया का उदाहरण है।
(अ) द्वितीयक (ब) तृतीयक (स) चतुर्थक (द) पंचम (ब)

05. आखेट एवं संग्रहण कौनसे व्यवसाय से संबंधित है।
(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक (स) तृतीयक (द) चतुर्थक (अ)

06. आदिम जनजातियां किस व्यवसाय में संलग्न है।
(अ) द्वितीयक (ब) तृतीयक (स) प्राथमिक (द) चतुर्थक (स)

07. विशेषीकृत कृषि किस आर्थिक क्रिया/व्यवसाय से जुडी हुई है।
(अ) प्राथमिक (ब) द्वितीयक (स) पंचम (द) चतुर्थक (ब)

08. लकडी से कागज व फर्नीचर बनाना किस व्यवसाय का उदाहरण है।
(अ) द्वितीयक (ब) प्राथमिक (स) तृतीयक (द) चतुर्थक (अ)

09. संसार में भूमि उपयोग की भिन्नता की दृष्टि से प्राथमिक व्यवसायों के प्रमुख प्रदेश है।
(अ) उष्ण कटिबंधीय प्रदेश (ब) समशीतोष्ण प्रदेश
(स) शीत प्रदेश (द) उपर्युक्त सभी (द)

10. विशेषज्ञ, निर्णयकर्ता, परामर्शदाता किस व्यवसाय के उदाहरण है।
(अ) तृतीयक (ब) पंचम (स) प्राथमिक (द) द्वितीयक (ब)

11. मानव व्यसाय को परिभाषित कीजिए।
उत्तरः—मानव के द्वारा अपने जीवन व्यापन के लिए की जाने वाली आर्थिक क्रियाओं को मानव व्यवसाय कहते है।

12. किस व्यवसाय में मनुष्य प्रकृति प्रदत्त वस्तुओं का सीधा उपयोग करता है।
उत्तरः—प्राथमिक व्यवसाय में

13. किस व्यवसाय में प्रकृति प्रदत्त संसाधनों को परिष्कृत व परिवहन कर अधिक उपयोगी व मूल्यवान बनाया जा सकता है।
उत्तरः—द्वितीयक व्यवसाय में

14. औद्योगिक क्रान्ति के समय लोग किस प्रकार के व्यवसाय से संलग्न है।
उत्तरः—द्वितीयक व्यवसाय से

15. प्राथमिक व्यवसाय के कोई दो उदाहरण दीजिए।
उत्तरः—1. आखेट करना 2. खाद्य संग्रहण/एकत्रण

16. द्वितीयक व्यवसाय के कोई दो उदाहरण दीजिए।
उत्तरः—1. उद्योग धंधे 2. निर्माण

17. तृतीयक व्यवसाय किससे संबंधित है।
उत्तरः—प्रत्यक्ष सेवा सेक्टर से (संचार, व्यापार, परिवहन, बैकिंग)

18. विकासशील देशों में अधिकांश जनसंख्या कौन से व्यवसाय से संलग्न है।
उत्तरः—प्राथमिक व्यवसाय एवं द्वितीयक व्यवसाय से

19. विकसित देशों में किस प्रकार के व्यवसाय में अधिक जनसंख्या कार्य करती है।
उत्तरः—चतुर्थक एवं पंचम व्यवसाय

20. चतुर्थक व्यवसायों में किस प्रकार के व्यवसाय शामिल है।
उत्तरः—1. सूचना 2. शोध 3. प्रबन्धन 4. शिक्षा 5. स्वास्थय सुरक्षा

शेखावाटी मिशन—100

21. पंचम व्यवसाय में कौन–कौनसे क्रियाकलाप सम्मिलित है।

उत्तरः–1. कार्यकारी निर्माणकर्त्ता　　2. अनुसंधान

3. सरकार　　4. कानूनी एवं तकनीकी सलाहकार

22.. मोहनजोदडो व हड़प्पा सभ्यता की प्रमुख विशेषता बताइए।

उत्तरः–नगर नियोजन व भवन निर्माण की उत्कृष्ट कला

23. मध्यकाल में कौनसी प्रथा प्रचलित थी।

उत्तरः–जागीरदारी व सामन्तवादी प्रथा

24. प्राचीनकाल की तकनीकी उन्नति का उदाहरण दीजिए।

उत्तरः–मिस्त्र के पिरामिड

25. आर्थिक क्रियाएँ किसे कहते है?

उत्तरः–मनुष्य की जिन क्रियाओं से आय प्राप्त होती है उन्हें आर्थिक क्रियाएँ कहते है।

26. मानव के प्रमुख तृतीयक व्यवसायों को सारणी बनाकर दर्शाइयें

उत्तरः–

मानव के प्रमुख तृतीयक व्यवसाय

परिवहन	व्यापार व वाणिज्य	संचार	1. सेवाएँ
1. सड़क	1. थोक	1. दूरसंचार	2. बैकिंग
2. रेल	2. फुटकर	2. दृश्य, श्रत्य	3. बीमा
3. जल			4. पर्यटन
4. वायु			5. व्यक्तिगत
			6. व्यवसायिक

27. जीन गॉटमैन ने अप्रत्यक्ष सेवाओं को कौनसे व्यवसाय की श्रणी में शामिल किया है।

उत्तरः–चतुर्थक व्यवसाय

28. द्वितीयक व्यवसाय को निर्धारित करने वाले कारक बताइये।

उत्तरः–द्वितीयक व्यवसायों को निर्धारित करने में प्राकृतिक संसाधनों तथा सांस्कृतिक संसाधनों दोनों का प्रभाव होता है। इनको निर्धारित करने वाले प्रमुख कारक हैः–

1. कच्चा माल　　2. शक्ति के संसाधन

3. परिवहन व संचार सुविधा　　4. पूँजी

5. बाजार　　6. सरकारी नीतियां

7. श्रम　　8. प्रौद्योगिकी नवाचार

29. वे अप्रत्यक्ष आर्थिक क्रियाएं जो उद्योग व विनिर्माण क्रियाओं को प्रभावित करती है।

उत्तरः–जैसेः–बैकिंग, व्यापार, परिवहन संचार

30. तृतीयक या सेवा व्यवसाय से क्या तात्पर्य है? उदाहरण भी दीजिए।

उत्तरः–इस व्यवसाय में समुदाय को दी जाने वाली व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक प्रत्यक्ष सेवाएँ सम्मिलित है। इसे सेवा श्रेणी व्यवसाय भी कहते है।

उदाहरणः–1. परिवहन　　2. व्यापार व वाणिज्य

3. संचार　　4. सेवाएं (बैंक, बीमा, पर्यटन)

31. चतुर्थक व्यवसाय से क्या तात्पर्य है? उदाहरण दीजिए।

उत्तरः–अप्रत्यक्ष सेवाओं को चतुर्थक व्यवसाय में शामिल किया जाता है।

सूचना आधारित तथा अनुसंधान व विकास आधारित सेवाओं से इस वर्ग का संबंध है।

कार्यालय भवनों, शिक्षण संस्थानों, अस्पतालों, रंगमंचो लेखाकार्य एवं दलाली फर्मो में काम करने वाले कर्मचारी

32. विश्व में भूमि उपयोग की भिन्नता की दृष्टि से प्राथमिक व्यवसायों को कितने प्रदेशों में बांटा गया है।

उत्तरः–तीन प्रदेशों में बांटा गया है।

1. उष्ण कटिबन्धीय प्रदेश
2. समशीतोष्ण कटिबन्धीय प्रदेश
3. शीत प्रदेश

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय 08
प्राथमिक व्यवसाय

01. निम्न में से कौनसी जनजाति उत्तरी साइबेरिया में नही रहती है

(अ) सेमोइड (ब) तुंग (स) थाकूत (द) एस्किमों (द)

02. निम्न में से कौनसी फसल रोपण फसल नहीं है।

(अ) चावल (ब) गेहूँ (स) गन्ना (द) चाय (ब)

03. निम्न में से कौनसी कृषि का विकास यूरोपीय औपनिवेशिक समूह द्वारा किया गया था।

(अ) ट्रक फामिंग (ब) मिश्रित कृषि (स) रोपण कृषि (द) निर्वाहन कृषि (अ)

04. मध्य अमेरिका व मैक्सिकों में स्थानान्तरित कृषि को कहा जाता है।

(अ) मिल्पा (ब) झुमिंग (स) रे (द) लदांग (अ)

05. निम्न प्रदेशों में से किसमें वाणिजय कृषि नहीं की जाती है।

(अ) प्रेयरी क्षेत्र (ब) सवाना स्त्रोत (स) पम्पाज (द) हाउन्स क्षेत्र (ब)

06. भूमध्यसागरीय प्रदेशों में किस प्रकार के फलों की कृषि की जाती है।

(अ) खट्टे फलों की (ब) नारियल (स) केला (द) कोई नहीं (अ)

07. कनाडा में लकडी व्यवसाय किस प्रकार के वनों पर आधारित है।

(अ) कोणधरी वन (ब) सदाबहार वन (स) मानसूनी वन (द) पर्वतीय वन (अ)

08. विश्व के किन देशों में वाणिज्यक पशुपालन का कार्य किया जाता है।

(अ) न्यूजीलैण्ड (ब) ऑस्ट्रेलिया (स) संयुक्त राज्य अमेरिका (द) उपर्युक्त सभी (द)

09. गहन कृषि की विशेषताए नहीं है।

(अ) खाद्यान व फसलों की कृषि (ब) परम्परागत कृषि

(स) बहुफसली कृषि (द) वाणिज्यिक फसलों की कृषि (द)

10. निम्न को सुमेलित कीजिए–

प्रदेश	स्थानान्तरित कृषि
(अ) मध्य अमेरिका व मैक्सिको	(i) मिल्पा
(ब) मलेशिया व इण्डोनेशिया	(ii) लदांग
(स) वियतनाम	(iii) रे
(द) ब्राजील	(iv) रोक्को

11. विश्व में प्रमुख प्राथमिक व्यवसाय कौन–कौन से हैं?

उत्तरः–आखेट, संग्रहण, मछली पकड़ना, पशुचारण, लकड़ी काटना, खनन आदि।

12. विश्व का सबसे प्राचीन व्यवसाय कौनसा है?

उत्तरः–आखेट।

13. किस प्रकार की जलवायु में लोग आखेट द्वारा जीवनयापन करते है?

उत्तरः–अतिशीत व अत्यधिक गर्म प्रदेश, मरूस्थलीय प्रदेश, पहाड़ी क्षेत्र।

14. वर्तमान में किन क्षेत्रों में आखेट का उद्यम किया जाता है?

उत्तरः–1. कनाडा के टुण्ड्रा और टैगा प्रदेशों में एस्किमों जनजाति
2. कालाहारी मरूस्थल में बुशमैन जनजाति।
3. कांगो बेसिन में पिग्मी जनजाति द्वारा।
4. मलाया में सेमाँग व सकाई जनजाति।

15. संग्रहण उद्यम में कौन–कौनसी क्रियाएँ हैं?

उत्तरः–संग्रहण उद्यम में लोग जंगल से फल, कंद–मूल, नट, बेरी, जड़ो पत्तों आदि का संग्रहण करते हैं।

शेखावाटी मिशन–100

16. संग्रहण व्यवसाय के प्रमुख क्षेत्र कौन–कौन से हैं?

उत्तरः–1. मलाया प्रायद्वीप में सेमांग व सकाई जनजाति।

2. अमेजिन बेसिन में बोरो जनजाति।

3. कालाहारी क्षेत्र में बुशमैन जनजाति।

17. विश्व में मछली पकड़ने के प्रमुख क्षेत्र बताइए?

उत्तरः–1. उत्तरी प्रशान्त महासागर तटवर्तीय क्षेत्र।

2. उत्तरी अटलांटिक तटीय अमेरिकन क्षेत्र।

3. उत्तरी पश्चिमी यूरोपिन क्षेत्र।

4. जापान सागर क्षेत्र।

18. मछलियाँ कहाँ पकड़ी जाती है? मछलियॉ पकडने के लिए आदर्श जलवायु क्षेत्र कौन से है।

उत्तरः–मछलियाँ ताजे पानी के स्त्रोतों तथा खुले एवं तटवर्ती समुद्रों में पकड़ी जाती है।

19. पशुचारण व्यवसाय मुख्यतः किन क्षेत्रों में किया जाता है?

उत्तरः–पशुचारण व्यवसाय मुख्यतः उन क्षेत्रों में किया जाता है, जहाँ जलवायु उष्ण व शुष्क अथवा शीतोष्ण व शुष्क अथवा होती है।

20. सुमेलित कीजिए–

(1) ब्राजील	–	डाउन्स
(2) दक्षिण अफ्रिका	–	स्टेपीज
(3) सूडान	–	पार्कलैण्ड
(4) रूस	–	सवाना
(5) सं.रा.अमेरिका	–	कम्पाज
(6) ऑस्ट्रेलिया	–	पम्पाज

उत्तरः–(1) कम्पाज, (2) पार्कलैण्ड, (3) सवाना, (4) स्टेपीज, (5) पम्पाज, (6) डाउन्स

21. पशुचारण कितने प्रकार का होता है?

उत्तरः–(1) चलवासी पशुचारण

(2) वाणिज्यिक पशुचारण

22. कृषि मुख्यतः कितने प्रकार की जाती है?

उत्तरः–1. स्थानान्तरित कृषि
2. आदिम स्थायी कृषि
3. जीवन निर्वाहन कृषि
4. विस्तृत वाणिज्यक अनाज कृषि
5. बागाती कृषि
6. मिश्रित कृषि
7. ट्रक कृषि
8. दुग्ध कृषि
9. फलोघान कृषि

23. व्यापारिक स्तर पर लकड़ी काटने का कार्य कहाँ होता हैं?

उत्तरः–कनाडा, नार्वे, फिनलैण्ड व संयुक्त राज्य अमेरिका में किया जाता है। (शीतोष्ण कटिबंधीय कोणधारी वनों में)

24. स्थानान्तरित कृषि किसे कहते हैं?

उत्तरः–आदिम जनजाति द्वारा वनों को जलाकर भूमि को साफ किया जाता है और उस भूमि पर कृषि की जाती है स्थानान्तरित कृषि कहलाती है।

25. स्थानान्तरित कृषि की कोई चार विशेषताएँ लिखिए?

उत्तरः–(1) खेतों का आकार बहुत छोटा होता है।

(2) कृषि पुराने औजारों जैसे लकड़ी, कुदाली, फावड़े आदि से की जाती है।

(3) इस प्रकार की कृषि को भारत के पूर्वी राज्यों में झुमिंग, मध्य अमेरिका एवं मैक्सिको में मिल्पा, मलेशिया एवं इण्डोनेशिया में लदांग तथा वियतनाम में 'रे' कहा जाता है।

(4) यह कृषि अमेजन नदी बेसिन, काँगो बेसिन व पूर्वी द्वीप समूह में भी की जाती है।

शेखावाटी मिशन–100

26. जीवन निर्वाहन कृषि किसे कहते हैं?

उत्तरः—भोजन की आवश्यकताओं के साथ—साथ अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाली कृषि जीवन निर्वाहन कृषि कहलाती है।

27. जीवन निर्वाहन कृषि की कोई (4) विशेषताएँ लिखिए?

उत्तरः—(1) भूमि का गहनतम उपयोग।

(2) भू—जोत आकार छोटे एवं छितरे हुए।

(3) मानवी श्रम का भरपूर उपयोग।

(4) कृषि का स्थायी रूप है।

28. खनिजों की कोई दो प्रमुख विशेषता लिखिए।

उत्तरः—(1) पृथ्वी पर इनका वितरण असमान है।

(2) अधिकांश खनिज निश्चित व अन्व्यकरणीय होते है।

(3) कोई भी देश खनिजों के उत्पादन में आत्मनिर्भर नहीं है।

29. ट्रक फार्मिंग कृषि से क्या अभिप्राय है।

उत्तरः—गैर टीकाऊ वस्तुये जैसे सब्जी, फल अण्डा मॉस पनीर व दूध को बाजार तक तीव्रता से पहुचाने के लिए कृषि में प्रशीतन + ट्रको का उपयोग किया जाता है। जैसे USA कैलिफोर्निया क्षेत्र में

30. जीवन निर्वाहन कृषि कितने प्रकार की होती है।

उत्तरः—दो (1) चावल प्रधान निर्वाहन कृषि (2) गेहूँ प्रधान निर्वाहन कृषि

31. विस्तृत वाणिज्यक अनाज कृषि की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तरः—1. यह कृषि विकसित देशों में की जाती है।

2. खेत तैयार करने से फसल काटने तक का काम मशीनों द्वारा किया जाता है।

3. मानवीय श्रम का उपयोग न्यूनतम होता है।

32. फेजेंडा किसे कहते है।

उत्तरः—ब्राजील के कहवा के बागान को फेजेंडा कहते है।

33. बागाती कृषि कहाँ की जाती है।

उत्तरः—इण्डोनेशिया, मलेशिया, द.पू. भारत, चीन, म्यांमार, ब्राजील आदि

34. बागाती कृषि की कोई चार विशेषताएँ लिखिए।

उत्तरः—1. इसमें भारी पूँजी निवेश, उच्च प्रबंध एवं तकनीकी आधार एवं वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग किया जाता है।

2. बहुत बढी संख्या में श्रमिकों की आवश्यकता होती है।

3. इलायची, काली मिर्च, गन्ना, रबर, चाय, कहवा, नारियल, केला आदि प्रमुख बागाती फसले है।

4. यह एक फसली कृषि है।

35. मिश्रित कृषि किसे कहते है।

उत्तरः—इस कृषि में फसले उगाने एवं पशुओं को पालने का कार्य एक साथ किया जाता है।

36. कौनसा देश प्राथमिक व्यवसाय में विकसित देशों की श्रेणी में है।

उत्तरः—कनाडा

37. खनन को परिभाषित कीजिए।

उत्तरः—खनिजों को भूगर्भ से खोदकर बाहर निकालना खनन कहलाता है।

शेखावाटी मिशन—100

38. जीवन निर्वाहन कृषि क्या है? वर्णन कीजिए।

उत्तरः—यद्यपि कृषि की शुरूआत जीवनयापन के रूप में हुई थी। लेकिन यह कृषक के लिए रोजगार का प्रमुख साधन बन गई। उसकी भोजन की आवश्यकताओं के साथ—2 अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति करने लगी तो कृषि का यह प्रकार जीवन—निर्वाहन कृषि कहलाने लगा। इस प्रकार की कृषि की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैः—

1. यह कृषि का स्थायी रूप है तथा अनुकूल प्राकृतिक दशाओं वाले क्षेत्रों में की जाती है।
2. कृषि भूमि पर जनसंख्या के दबाव के कारण भूमि का गहनतम उपयोग होता है।
3. कृषि की गहनता इतनी है कि वर्ष में दो या तीन फसलें की जाती है।
4. भू—जोत आकार छोटे एवं छितरे होते है।
5. मानवीय श्रम का भरपूर उपयोग होने के साथ—साथ कृषि यन्त्रों का उपयोग किया जाता है।
6. उन्नत बीजों, रासायनिक उर्वरकों, कीटनाशक दवाओं के प्रयोग द्वारा उत्पादकता बढी है।
7. इस प्रकार की कृषि मानसून एशिया के घने बसे क्षेत्रों में की जाती हे।
8. सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ है तथा फसल चक्र का अनुसरण किया जाता है।

जीवन निर्वाहन कृषि के दो प्रकार हैः—

1. चावल प्रधान निर्वाहन कृषिः—इस कृषि में खाद्यान फसल के लिए मुख्य रूप से चावल की खेती होती है। इन क्षेत्रों में 100 सेमी. से अधिक वर्षा होती है।

भारत, बंग्लादेश, म्याँमार, इण्डोनेशिया, कम्बोडिया, थाइलैण्ड, मध्यचीन, में इस प्रकार की कृषि की जाती है।

2. गेहूँ प्रधान निर्वाहन कृषिः—इन क्षेत्रों में वर्षा 100 सेमी से कम होती है।

इन क्षेत्रों में गेहूँ प्रमुख खाद्यान फसल है।

उत्तरी—मध्य व पश्चिमी भारत, उत्तरी चीन, पाकिस्तान व कोरिया में इस प्रकार की कृषि की जाती है।

39. खनन कार्य को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।

उत्तरः—1. प्राकृतिक दशायेंः—प्राकृतिक दशाओं के अन्तर्गत खनिज भण्डारों की स्थिति, खनिज की कोटि, मात्रा, प्रकार, सम्मपन्नता एवं बाजार क्षेत्र की समीपता आदि प्रमुख है।

2. मानवीय दशायेः—मानवीय दशाओं के अन्तर्गत खनिज की माँग, यातायात की सुविधा, पूँजी, श्रम, तकनीकी विकास का स्तर, सरकारी नीतियाँ आदि प्रमुख है।

खनिजों को मुख्यतः कितने वर्गो में वर्गीकृत किया गया है?

तीन—1. धात्विक खनिज — लौहा, निकिल, ताम्बा, सीसा

2. आधात्विक खनिज—चूना पत्थर, संगममर, नमक, अभ्रक

3. ईंधन खनिज—कोयला, पेट्रोलियम, गैस

40. चलवासी पशुचारण और वाणिज्यिक पशुचारण में अन्तर कीजिए।

उत्तरः—चलवासी पशुचारण और वाणिज्यिक पशुचारण में अन्तर :—

चलवासी पशुचारण	वाणिज्यिक पशुचारण
1. चलवासी पशुचारण पुरानी दुनिया तक ही समिति है।	वाणिज्यिक पशुचारण मुख्य रूप से नई दुनिया के देशों में प्रचालित है।
2. चलवासी पशुचारण के अन्तर्गत पशुचारक चारे तथा जल की खोज में एक स्थान से दूसरे स्थान तक घूमते रहते है।	यह पशुचारण एक निश्चित स्थान पर बाड़ो में किया जाता है। और उनके चारे की व्यवस्था स्थानीय रूप से की जाती है
3. इस पद्धति में पशु प्राकृतिक रूप से जन्म लेते है, बडे होते है अर्थात उनकी विशेष देखभाल नही की जाती है।	इस पशुचारण में पशुओं को वैज्ञानिक पद्धति के अनुसार पाला जाता है तथ उनकी विशेष देखभाल की जाती है।
4. एक ही समय पर विभिन्न प्रकार के पशु पाले जाते है।	पशुपालक उसी विशेष पशु को पालता है जिसके लिए क्षेत्र अत्यन्त अनुकूल होता है

5. चलवासी पशुचारण एक जीवन निर्वाहन – जिसमें स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भोजन वस्त्र, आवास तथा जीवन की अन्य सुविधाएँ जुटाई जाती है।	वाणिज्यिक पशुचारण पालन में दूध, मांस, ऊन एवं खालों आदि का उत्पादन होता है जिनका अन्य क्षेत्रों के साथ व्यापार किया जाता है।
6. चलवासी पशुचारण में चारे की फसल नही – उगाई जाती तथा पशुओं की पूरी तहर प्राकृतिक रूप से उगने वाली घास पर ही निर्भर रहना पडता है।	वाणिज्यिक पशुचारण में प्राकृतिक घास की कमी होने की कमी होने की अवस्था में चारे की फसले उगाकर पूर्ति की जाती है।
7. चलवासी पशुचारण एक प्राचीन जीवन निर्वाह व्यवसाय है, जो मुख्यतः मानवीय श्रम प्रधान होता है।	वाणिज्यिक पशुचारण वैज्ञानिक ढंग से किया जाने वाला एक व्यवस्थित एवं पूँजी प्रधान व्यवसाय है।
8. यह विश्व के प्रमुख तीन क्षेत्रो में किया जाता है (a) उत्तरी अफ्रीका के एटलांटिक तट से अरब प्रायद्वीप होता हुआ मंगोलिया एवं मध्य चीन तक फैला है। (b) यूरोप एवं एशिया के टुण्ड्रा प्रदेश (c) दक्षिणी गोलार्द्ध में दक्षिणी–पश्चिमी अफ्रीका एवं मेडागास्कर द्वीप पर है।	यह पशुचारण में विश्व में न्यूजीलैण्ड, अर्जेण्टाइना, युरूग्वे, ऑस्ट्रेलिया एवं संयुक्त राज्य अमेरिका में किया जाता है।

41. खनिजों के वर्गीकरण का रेखाचित्र बनाइए।

खनिज

धात्विक खनिज		आधात्विक खनिज	ईंधन खनिज
लौह धात्विक	अलौहधात्विक	इमारीती – रसायनिक – रत्न	कोयला
लौहा –	ताम्बा	चूना पत्थर – नमक – सोना	पेट्रोलियम
निकिल –	सीसा	बलुआपत्थर –अभ्रक – चॉदी	गैस
मैंग्नीज –	जस्ता	ग्रेनाइट – जिप्सम – प्लेटिनम	
	एल्यूमिनियम		

42. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

(अ) दुग्ध कृषि (ब) ट्रक कृषि (स) फलोद्यान कृषि

उत्तरः–**(अ) दुग्ध कृषि :–**

इसमें दूध देने वाले पशुओं के प्रजनन, पशुचारण और नस्ल सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जाता है। इसमें पशुओं की देखभाल वैज्ञानिक तरीके से की जाती है। दूध दोहने और उसका परिष्कृत करने का कार्य मशीनों द्वारा किया जाता है। यह कृषि अच्छे बाजार हेतु नगर एवं औद्योगिक केन्द्रो के समीप की जाती है।

(ब) ट्रक कृषिः–

इसमें साग–सब्जियों की कृषि की जाती है।

इन वस्तुओं को प्रतिदिन ट्रक में भरकर निकटवर्ती बाजारों में बेचा जाता है। बाजार में कृषि क्षेत्र की दूरी इस बात पर निर्भर करती है कि ट्रक द्वारा रातभर चलने में कितनी दूरी तय होती है। इसलिए इस कृषि को ट्रक कृषि कहते है। ''इसका शुभारम्भ संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ।''

(स) फ्लोधान कृषिः–इसमें फल व फूलों की कृषि की जाती है।

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय 09
द्वितीयक व्यवसाय

01. कौनसा व्यवसाय द्वितीयक श्रेणी में नहीं आता है।

(अ) कृषि (ब) विनिर्माण (स) धातुकर्म उद्योग (द) रासायनिक उद्यान (अ)

02. निम्न में से कौनसा शक्ति का साधन नहीं है।

(अ) कोयला (ब) पेट्रोलियम (स) जल विद्युत (द) तांबा (द)

03. वह देश जिसमें कच्चा माल न्यून होने पर भी उद्योगों का विकास हुआ है।

(अ) जापान (ब) भारत (स) चीन (द) रूस (अ)

04. वनोत्पाद आधारित उद्योग है।

(अ) चमड़ा उद्योग (ब) चीनी उद्योग (स) कागज उद्योग (द) एल्यूमिनियम उद्योग (स)

05. भारत का लौह इस्पात केन्द्र नहीं है।

(अ) जमशेदपुर (ब) दुर्गापुर (स) राउरकेला (द) पिट्सवर्ग (द)

06. निम्न में से कौनसा चीन का प्रमुख लौह–इस्पात उत्पादन क्षेत्र है।

(अ) मंचूरिया (ब) नागासाकी–यवाता (स) पिट्सबर्ग–यंगस्टन (द) यूराल क्षेत्र (अ)

07. विश्व का सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक देश है।

(अ) भारत (ब) स.रा.अमेरिका (स) जर्मनी (द) चीन (द)

08. उद्योगों के स्थानीयकरण का कारक है।

(अ) कुशल श्रमिक (ब) कच्चा माल (स) पूँजी (द) उपर्युक्त सभी (द)

09. औद्योगिक क्रांति के द्वारा जिस स्तर के उद्योगों का सूत्रपात हुआ वह है।

(अ) कुटीर उद्योग (ब) लघु उद्योग (स) वृहत उद्योग (द) कृषि आधारित उद्योग (स)

10. विश्व का प्रमुख व आधारभूत निर्माण उद्योग कौनसा है।

उत्तरः–लौह–इस्पात उद्योग विश्व का प्रमुख व आधारभूत निर्माण उद्योग है।

11. द्वितीय व्यवसाय को कितने समूह में बांटा जा सकता है।

उत्तरः–1. इंजीनियरिंग उद्योग 2. निर्माण उद्योग 3. इलेक्ट्रॉनिक
4. रासायनिक 5. शक्ति उद्योग 6. वस्त्र उद्योग
7. भोजन व पेय पदार्थ उद्योग 8. धातुकर्म उद्योग 9. प्लास्टिक उद्योग
10. परिवहन व संचार उद्योग

12. वस्त्र उद्योग के चार प्रकार बताइए। रेशे आधारित उद्योगों के नाम लिखो।

उत्तरः–1. सूती वस्त्र उद्योग 2. रेशमी वस्त्र उद्योग 3. ऊनी वस्त्र उद्योग
4. पटसन या जट उद्योग

13. पशु आधारित उद्योग किसे कहते है।

उत्तरः–पशुओं से प्राप्त कच्चे मला पर आधारित उद्योग पशु आधारित उद्योग कहलाते है।

जैसेः–ऊन उद्योग, चमड़ा उद्योग, डेयरी उद्योग।

14. विश्व के अधिकांश औद्योगिक प्रदेश कोयला क्षेत्रों के निकट अवस्थित है, क्यों?

उत्तरः–कोयला शक्ति का प्रमुख संसाधन है अतः कोयला की अबाध व सस्ती आपूर्ति हेतु विश्व के अधिकांश औद्योगिक प्रदेश कोयला क्षेत्रों के निकट अवस्थित है।

15. लौह इस्पात निर्माण की विधियों के नाम लिखिए।

उत्तरः–तीन विधियाँ –1 वेसीमर विधि 2. उन्मुक्त भट्टी विधि 3. विद्युत भट्टी विधि

शेखावाटी मिशन–100

16. सूती वस्त्र उद्योग के लिए कैसी जलवायु आवश्यक है।

उत्तरः—आर्द्र जलवायु

17. इंजीनियरिंग उद्योग के तीन प्रकार बताइए।

उत्तरः—1. मशीन उद्योग तन्त्र 2. वायुयान निर्माण उद्योग

3. जलपोत निर्माण उद्योग

18. भारत के प्रमुख लौह इस्पात केन्द्र कौनसे कोयला क्षेत्र के समीप स्थित है।

उत्तरः—दामोदर घाटी में झरिया व रानीगंज कोयला क्षेत्र के समीप।

19. लौह इस्पात उत्पादक देशों के नाम बताइए।

उत्तरः—चीन, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, जर्मनी भारत, कनाडा, ब्राजील आदि।

20. द्वितीय व्यवसायों को निर्धारित करने वाले कारक बताइए।

उत्तरः—1. कच्चा माल 2. शक्ति के साधन 3. परिवहन एवं संचार के साधन

4. बाजार 5 कुशल श्रमिक 6 पूँजी 7. जलापूर्ति

8. जलवायु 9. उच्च तकनीक 10. सरकारी नीतियाँ

21. स्वामित्व के आधार पर उद्योगों का वर्गीकरण दीजिये।

उत्तरः—स्वामित्व के आधार पर उद्योगों को तीन वर्गो में विभक्त किया जा सकता है।

1. सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगः—ये उद्योग सरकार के अधीन होते है।

—साम्यवादी देशों में अधिकांश उद्योग सरकारी स्वामित्व वाले होते है।

2. निजी क्षेत्र के उद्योगः—ये उद्योग निजी निवेशकों के अधीन होते है।

—पूँजीवादी व्यवस्था वाले देशों के अधिकांश उद्योग निजी क्षेत्र में है।

3. संयुक्त क्षेत्र के उद्योगः—किसी निजी व सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनी के संयुक्त प्रयासों के द्वारा किया जाता है।

22. उद्योगों की अवस्थिति अथवा स्थानीयकरण को प्रभावित करने वाले कारकों की विवेचना कीजिए।

उत्तरः—उद्योगों में उत्पादन करने हेतु अनेक तरह के माल तथा सुविधाओं की आवश्यकता होती हे।

अनुकूल भौगोलिक दशाएं होने पर ही किसी स्थान पर उद्योग का स्थानीयकरण होता है।

उद्योगों के स्थानीयकरण को निम्न कारण प्रभावित करते हैः—

1. कच्चा मालः—किसी भी उद्योग के विकास के लिए कच्चा माल सुगमतापूर्वक, पर्याप्त व सस्ती दर पर प्राप्त होना आवश्यक है। अतः अधिकतर उद्योग खानों, वनों, कृषि क्षेत्रों अथवा समुंद्र तटीय क्षेत्रों के निकट ही अवस्थित है।

जिन उद्योगों का कच्चा माल भारी, सस्ता व जिसमें निर्माण के दौरान वजन कम होता है, उनमें इसी तरह की प्रवृति पाई जाती है।

—जापान जैसे कुछ देश ऐसे भी है, जहाँ उद्योगों के विकास में कच्चे माल का विशेष महत्व नहीं है।

2. शक्ति के साधनः—उद्योगों के केन्द्रीयकरण एवं विकास के लिए शक्ति एक आवश्यक तत्व है। शक्ति के प्रमुख साघन कोयला, पेट्रोलियम, जलविद्युत प्राकृतिक गैस और परमाणु ऊर्जा है।

—अधिकांश लौह इस्पात उद्योग कोयला खदानों के पास ही अवस्थित है और एल्यूमिनियम उद्योग सस्ते जलविद्युत उत्पादक क्षेत्र में ही स्थापित किए गए है।

3. परिवहन व संचार के साधनः—तीव्र व सक्षम परिवहन सुविधाएँ औद्योगिक विकास के लिए अत्यावश्यक है। परिवहन लागत का औद्योगिक इकाई की अवस्थिति में महत्वपूर्ण स्थान होता है।

4. बाजारः—उद्योागों के स्थानीयकरण में एक अन्य प्रमुख कारक उसके द्वारा उत्पादित माल के लिए बाजार का उपलब्ध होना भी है। बाजार से तात्पर्य उस क्षेत्र में तैयार वस्तुओं की मांग एवं वहॉ के निवासियों की क्रय शक्ति है।

शेखावाटी मिशन—100

5. कुशल श्रमिकः—उद्योगों में कुशल श्रमिकों की अधिक आवश्यकता होती है। कम्प्यूटर नियन्त्रण प्रणाली से युक्त स्वचालित कारखाने जिसमें मशीनों को सोचने के लिए विकसित किया गया है।

6. पूँजीः—पूँजी किसी भी उद्योग की स्थापना एवं संचालन का अनिवार्य तत्व है। कारखाना लगाने, मशीनें व कच्चा माल खरीदने और मजदूरों को वेतन देने के लिए पूँजी की आवश्यकता होती है।

7. जलापूर्तिः—किसी निर्माण उद्योग के स्थानीयकरण पर जलापूर्ति का भी प्रभाव होता है। लौह—इस्पात उद्योग, वस्त्र उद्योग, रासायन उद्योग, कागज उद्योग, चमड़ा उद्योग, आण्विक विद्युत गृह आदि कुछ ऐसे उद्योग है। जो जल के बिना विकसित नहीं हो सकते है।

8.जलवायुः—उपयुक्त एवं स्वास्थयप्रद जलवायु से श्रमिकों की कार्यक्षमता बढ़ जाती है।

9.उच्च तकनीकः—इसके द्वारा ही विनिर्माण की गुणवत्ता को नियन्त्रिक करने, अपशिष्टों के निस्तारण तथा प्रदूषण के विरूद्ध संघर्ष सम्भव है।

10 सरकारी नीतियांः—किसी भी देश के सरकार की नीतियां भी उद्योगों के विकास को सर्वाधिक प्रभावित करती है।

11 अन्य कारकः—सस्ती भूमि, राजनैतिक स्थिरता बैंकिंग व बीमा सुविधा आदि।

23. ''लौह इस्पात उद्योग आधुनिक औद्योगिक युग की आधारशिला है।'' कथन को स्पष्ट करते हुए लौहा—इस्पात के विश्ववितरण को समझाइयें।

या

निम्नलिखित देशों में लोहा इस्पात केन्द्रों की विवेचना कीजिए—

(i) चीन (ii) जापान (iii) संयुक्त राज्य अमेरिका (iv) रूस

उत्तरः—लौह—इस्पात उद्योग स्वयं एक भारी उद्योग है तथा सैकडों उद्योगों के लिए कच्चे माल का स्त्रोत है। अतः इसे आधारभूत उद्योग कहते है। इसके बगैर हम औद्योगिक विकास की कल्पना भी नहीं कर सकते है। इसलिए इसे 'धुरी उद्योग' भी कहते है।

आधुनिक लौह—इस्पात की तीन विधियां प्रचालित है।

(i) बेसीमर विधि (ii) उन्मुक्त भट्टी विधि (iii) विद्युत भट्टी विधि

इस उद्योग में कच्चे माल के रूप में कोयला, मैग्नीज, चूना, पत्थर, जल आदि।

लौह—इस्पात उद्योग का विश्व विवरणः—लौह इस्पात उद्योग विस्तृत रूप से वितरित है। उत्तरी अमेरिका, यूरोप एशिया के विकसित देशों में इसका केन्द्रीकरण है। चीन USA, जापान, रूस व जर्मनी विश्व के प्रमुख लौहा—इस्पात उत्पादक देश है।

इनका विवरण निम्न प्रकार हैः—

1. चीनः—चीन विश्व का सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक देश है।

चीन के इस्पात उत्पादक क्षेत्र मंचूरिया, जो चीन का सबसे बडा क्षेत्र है।

अनशान व फुसून प्रमुख केन्द्र है।

शांसी—शैन्सी कोयला क्षेत्रों के समीप तथा यांग्टीसिक्यांग घाटी क्षेत्र

2. जापानः—जापान विश्व का दूसरा बड़ा इस्पात उत्पादक देश है। प्रमुख इस्पाद उत्पादक क्षेत्रों में नागासाकी यावाटा (उत्तरी क्यूशू द्वीप में स्थित जापान का सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक क्षेत्र है।) कोबे ओसाका, टोक्यों, याकोहामा अन्य प्रमुख इस्पात उत्पादक क्षेत्र है। जापान का इस्पात उद्योग आयातित कच्चे माल पर निर्भर है।

3. U.S.A.:—अमेरिका में उत्तरी अप्लेशियन, पिट्सवर्ग महान झील क्षेत्र तथा अलबामा में लौहा इस्पात उद्योग केन्द्रित है।

U.S.A. का पिट्सबर्ग लौहा इस्पता के लिए विश्व प्रसिद्ध होने के कारण इसे विश्व की लौह इस्पात राजधानी भी कहते है।

वर्तमान में इस क्षेत्र में इस्पात उत्पादन में कमी के कारण इस क्षेत्र का महत्व कम हो गय है। इसलिए इसे ''जंग का कटोरा'' भी कहते है।

4. रूसः—रूस के प्रमुख इस्पात क्षेत्र यूराल (यह रूस का सबसे पुराना व अग्रणी लोहा—इस्पात उत्पादक क्षेत्र है।) मास्को टूला व कुज्नेत्सक प्रमुख क्षेत्र है।

अन्यः—यूरोप में ग्रेट ब्रिटेन का बरमिंघम व शेफील्ड लौह इस्पात औद्योगिक क्षेत्र।

जर्मनी का रूहर क्षेत्र, रूस का मास्कों सेंट पिट्सबर्ग, फ्रांस का लॉरेन प्रदेश का यूक्रेन का क्रिवाइराग औद्योगिक क्षेत्र प्रमुख लौह अयस्क उत्पादक क्षेत्र है।

शेखावाटी मिशन—100

24. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिये।

(i) सूती वस्त्र उद्योगः—वस्त्र उद्योंग में सबसे महत्वपूर्ण सूती वस्त्र उद्योग है।

इस उद्योग की स्थापना के लिए कच्चा माल—कपास चालक शक्ति के रूप में कोयला व जल विद्युत प्रचुर मात्रा में कुशल एवं सस्ता श्रम, बडी मात्रा में शुद्ध जल, पर्याप्त पूँजी, विस्तृत बाजार तथा सरकारी प्रोत्साहन चाहिए। **प्रमुख उत्पादक देश**— चीन, भारत, रूस, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका

विश्व में सूती वस्त्र उत्पादन में चीन प्रथम स्थान है। (शंघाई, केन्टन, सिंगटाओं, टिण्टसिन, शांतुग)

भारत द्वितीय स्थान पर है। (अहमदाबाद, सूरत, बड़ौदा, शोलापुर, नासिक)

संयुक्त राज्य अमेरिका में न्यूइंग्लैण्ड

(ii) ऊनी वस्त्र उद्योगः—सूती वस्त्र उद्योग के बाद दूसरा बड़ा वस्त्र उद्योग है।

इस उद्योग का तेजी से विकास 17 वीं शताब्दी में इंग्लैण्ड में हुआ।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जापान में आधुनिक मशीनों के आविष्कार से इस उद्योग में तेजी से विकास हुआ।

—ऊनी वस्त्र उद्योग की अवस्थिति में बाजार और कच्चे माल की सुगम प्राप्ति का सबसे अधिक महत्व हे।

—कुशल श्रम, स्वच्छ जल आपूर्ति, शक्ति के साधन, पूँजी व यातायात की सुविधा प्रमुख कारक है।

(iii) प्रमुख उत्पादक देशः—रूस, चीन, जापान, जर्मनी, भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, रोमानिया, पौलेण्ड, ग्रेट ब्रिटेन आदि।

(iv) रेशमी वस्त्र उद्योगः—रेशमी वस्त्र उद्योग का विकास सर्वप्रथम चीन में कुटीर उद्योग के रूप में हुआ। स्वचालित करघों के आविष्कार के साथ ही इसने फैक्ट्री उद्योग का रूप धारण कर लिया।

रेशमी वस्त्र उद्योग प्रारम्भ से ही धनी लोगों की विलास की वस्तु रहा है।

—प्राकृतिक रेशम बायोक्जिमू नामक कीड़े अपने मूँह से निकले लसलसे पदार्थ को अपने शरीर के चारों तरफ लपेटता है। इस स्थिति में इसे कोये (कोकून) कहते है।

पूर्ण विकसित कोयों को पानी में उबालकर उन पर लिपेट रेशम को उतारकर अलग धागों के रूप में लपेटा जता है। इसके बाद रेशम वस्त्र निर्माण के तीन चरण हैः—

क. कोयों का उत्पादन ख. कोयो से रेशमी धागों का निर्माण

ग. रेशमी वस्त्रों की बुनाई

इसका उत्पादन मुख्यतः जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस, चीन, ताईवान, जर्मनी, इंग्लैण्ड तथा भारत।

25. आकार के आधार पर उद्योगों के वर्गीकरण को समझाइयें

या

टिप्पणी लिखो— (i) लघु उद्योग (ii) कुटीर उद्योग

उत्तरः—किसी उद्योग का आकार उसमें निवेशित पूंजी, कार्यशील श्रमिकों की संख्या एवं उत्पादन की मात्रा पर निर्भर करता है। आकार के आधार पर उद्योगों को तीन वर्गो के अन्तर्गत विभाजित किया गया है।

(i) कुटरी उद्योगः—कुटीर उद्योग निर्माण की सबसे छोटी इकाई है। इसमें शिल्पकार स्थानीय कच्चे माल का उपयोग करते हैं एवं साधारण औजारों द्वारा परिवार के सभी सदस्य मिलकर अपने दैनिक जीवन की उपयोग की वस्तुओं का उत्पादन करते है। तैयार माल का या तो स्वयं उपभोग करते है या इसे स्थानीय गांव की बाजार में बेच देते है।

प्रमुख निर्मित वस्तुएॅ — खाद्य पदार्थ, कपड़ा, चटाईयां, बर्तन, जूते, लघु, मूर्तिया उत्पादित की जाती है।

इसके अलावा पत्थर एवं मिट्टी के बर्तन व ईंट तथा चमड़े से कई प्रकार का सामान बनाया जाता है।

(ii) लघु उद्योगः—इसे छोटे पैमाने का उद्योग कहते है। इसमें स्थानीय कच्चे माल का उपभोग होता है।

इसमें अर्द्ध—कुशल श्रमिकों व शक्ति के साधनों से चलने वाले यंत्रों का प्रयोग किया जाता है। ये उद्योग विकासशील देशों की सघन जनसंख्या को बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध कराते है, जिससे स्थानीय लोगों की कम शक्ति बढ़ती है।

निर्मित वस्तुएंः—कपड़े, कागज का सामान, खिलौने, मिट्टी के बर्तन, फर्नीचर, डेयरी उत्पाद आदि।

(iii) बड़े पैमाने के उद्योगः—बडे पैमाने के उद्योगों के लिए विभिन्न प्रकार का कच्चा माल शक्ति के साधन, विशाल बाजार, कुशल श्रमिक, उच्च प्रौद्योगिकी व अधिक पूँजी की आवश्यकता होती है।

—इन उद्योगों में उत्पाद की गुणवता पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

—बड़े पैमाने के उद्योग आरम्भ में ग्रेट ब्रिटेन पश्चिमी यूरोप, रूस, जापान आदि में लगाए गए थे, परन्तु वर्तमान में इनका विस्तार विश्व के सभी भागों में हो गया है।

—सीमेण्ट, सूती वस्त्र पेट्रो रसायन, लौह—इस्पात उद्योग आदि इसके उदाहरण है।

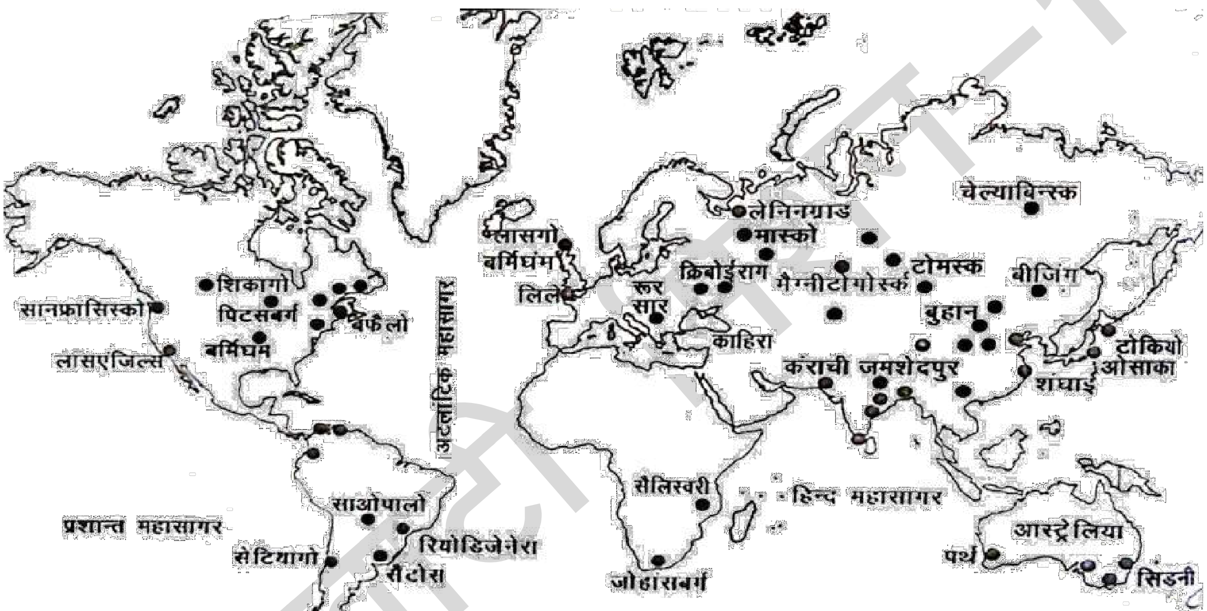

शेखावाटी मिशन—100

अध्याय 12
पर्यावरण समस्या व समाधान

01. निम्नलिखित का मिलान कीजिएः–

(a) औजान दिवास	1. 22 अप्रैल
(b) विश्व पर्यावरण दिवस	2. 22 मई
(c) विश्व जैव विविधता दिवस	3. 5 जुन
(d) विश्व पृथ्वी दिवस	4. 16 सितम्बर

(अ) a = ii, b = i, c = iii, d = iv   (ब) a = iv, b = iii, c = ii, d = i
(स) a = iii, b = ii, c = i, d = iv   (द) a = i, b = ii, c = iii, d = iv   (ब)

02. अम्लीय वर्षा का जल का PH मान होता है?
(अ) 8.5 से अधिक   (ब) 2.5 से 5   (स) 5 से 8.5   (द) इनमें से कोई नहीं   (ब)

03. अम्लीय वर्षा के लिए उत्तरदायी गैसे है?
(अ) O_2 और N_2 (ब) NO_2 और O_2 (स) So_2 और No_2 (द) उपरोक्त सभी   (स)

04. अम्ल वर्षा में So_2 व No_2 वर्षा जल के साथ क्रिया करके कौनसे अम्लों का निर्माण होता है?
(अ) H_2So_4 (सल्फ्यूरिक अम्ल)   (ब) HNO_3 नाइट्रिक अम्ल
(स) A व B दोनों   (द) उपरोक्त में से कोई नहीं   (स)

05. अम्ल वर्षा के कारण है–
(अ) जीवाश्म ईधन का दहन   (ब) थर्मल पॉवर स्टेशन
(स) स्वचालित वाहन   (द) उपरोक्त सभी   (द)

06. अम्ल वर्षा के कारण मिट्टी में अम्लता को नष्ट करने के लिए प्रयोग में लिया जाता है?
(अ) जिंक को (Zn) (ब) चुना पत्थर   (स) मैग्नीशियम   (द) पोटेशियम (K) (द)

07. हरितग्रह प्रभाव/विश्व तापन के लिए उत्तरदायी गैसे है–
(अ) Co_2 (ब) No_2 (स) जलाशयम व मिथेन   (द) उपयुक्त सभी   (द)

08. हरितग्रह प्रभाव के दुष्परिणाम है?
(अ) तापमान में वृद्धि   (ब) वर्षा में अनियमितता   (स) समुन्द्र सतह में वृद्धि   (द) उपरोक्त सभी   (द)

09. वातावरण में Co_2 की मात्रा बढ़ने का कारण है?
(अ) जीवाश्म ईधन का दहन   (ब) वनों का विनाश
(स) औद्योगिक चिमनियाँ   (द) उपरोक्त सभी   (द)

10. ओजोन परत वायुमण्डल के कौनसे मण्डल का भाग है?
(अ) क्षोन मण्डल   (ब) समताप मण्डल   (स) आयन मण्डल   (द) बर्हिमण्डल   (ब)

11. ओजोन परत क्षरण के लिए उत्तरदायी गैस है?
(अ) CFC (ब) हैलोजनिक गैसे   (स) कार्बन ट्रेटाक्लोराइड   (द) उपयुक्त सभी   (द)

12. निम्न में से जल प्रदूषण का कारण है?
(अ) कृषि अपशिष्ट   (ब) औद्योगिक अपशिष्ट   (स) घरेलू वाहित जल   (द) उपरोक्त सभी   (द)

13. ध्वनि तीव्रता मापन की इकाई है?
(अ) मिलिबार   (ब) पास्कल   (स) डेसीबल   (द) न्यूटन   (स)

14. निम्न में से कौनसे डेसीबल की ध्वनि को प्रदूषण के श्रेणी में रखा जाता है?
(अ) 40–60 डेसीबल   (ब) 40 डेसीबल से कम   (स) 60–80 डेसीबल   (द) 120 से ऊपर डेसीबल   (द)

शेखावाटी मिशन–100

15. वायुमण्डल में कार्बन–डाई ऑक्साइड पायी जाती है?

(अ) 20.95% (ब) 78.08% (स) 0.03% (द) 0.93% (स)

16. निम्न में से पर्यावरण की समस्या है?

(अ) अम्ल वर्षा (ब) ग्रीन हाउस प्रभाव (स) ओजोन परत क्षरण (द) उपरोक्त सभी (द)

17. ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की दृष्टि से भारत का कौनसा स्थान है?

(अ) प्रथम (ब) द्वितीय (स) तृतीय (द) चतुर्थ (द)

18. आगरा में स्थित ताजमहल के पीलापन व धुंधलापन के लिए उत्तरदायी है–

(अ) हरितग्रह प्रभाव (ब) ओजोन क्षरण (स) अम्ल वर्षा (द) ध्वनि प्रदुषण (स)

19. PH का तटस्थ मान होता है?

(अ) 7 (ब) 9 (स) 5 (द) 6 (अ)

20. प्रदूषण से क्या तात्पर्य है?

उत्तरः– ''वायु व जल तथा मृदा एवम् पृथ्वी के भौतिक रासायनिक तथा जैविक गुणों में नकारात्मक परिवर्तन को प्रदूषण कहते है?

21. वायु प्रदूषण के कोई दो दुष्प्रभाव बताईये?

उत्तरः– वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावः

1. मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव

2. जलवायु व वायुमंडलीय दशाओं पर प्रतिकुल प्रभाव

22. जल प्रदूषण बचाव के कोई दो उपाय बताईये??

उत्तरः– जल प्रदूषण के बचाव के उपाय–

1. सभी स्थानों पर सीवर शोधन संयंत्रों की स्थापना

2. जैविक खेती को प्रोत्साहन

23. वायु प्रदूषण को स्त्रोत के आधार पर कितने भागों में बाँटा गया?

उत्तरः– वायु प्रदूषण को स्त्रोत के आधार पर दो भागों में बांटा जा सकता है–

1. प्राकृतिक प्रदूषणः– ज्वालामुखी से निकले पदार्थ, धूलभरी आधियाँ, तूफान, दावानल, आदि क्रियाओं से होता है।

2. अप्राकृति कारणः– इनमें घरों में जलाने वाला ईधन, उद्योग परिवहन के साधन, रसायनों के उपयोगों से सर्वाधिक प्रदूषण हो रहा है?

24. ओजोन परत को पृथ्वी का सुरक्षा कवच क्यों कहा जाता है?

उत्तरः– ओजोन परत पृथ्वी का सुरक्षा कवचः– समताप मण्डल में ओजोन परत 30 से 80 किमी. ऊँचाई के वायुमंडलीय भाग में पायी जाती है। इसमें ओजोन गैस पायी जाती है जो उच्च ऊर्जा युक्त पराबैंगनी किरणों को पृथ्वी पर आने से रोकती है अतः ओजोन परत को पृथ्वी का रक्षाकवच कहा जाता है?

25. हरितग्रह प्रभाव से क्या तात्पर्य है?

उत्तरः– **हरित ग्रह प्रभावः**– ये एक प्राकृतिक घटना है जिसमें किसी ग्रह या उपग्रह के वातावरण में मौजूद कुछ गैसे जैसे Co_2 जलवाष्प, No_2 मिथेन आदि वहाँ के वातावरण के तापमान को अपेक्षाकृत बढ़ा देती है। पृथ्वी के क्षेत्र का तापमान बढ़ने को ही हरित ग्रह प्रभाव कहते है।

26. अम्लीय वर्षा के कारणों को बताईये? (कोई दो)

उत्तरः– अम्लीय वर्षा के कारणः–

1. ताप शक्ति ग्रह

2. खनिज तेल शोधन शालाएँ

3. स्वचालित वाहन

4. जीवाश्म ईधनों का दहन

27. अम्लीय वर्षा के दुष्परिणामों को बताईये (कोई दो)

उत्तरः– अम्लीय वर्षा के दुष्प्रभावः–

1. पेयजल भण्डार दूषित हो जाते है।

2. वनों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

3. मृदा की अम्लता बढ़ जाती है।

4. जैविक समुदाय नष्ट हो जाते है।

5. भवनों का संरक्षण के कारण क्षति। आगरा का ताजमहल अम्ल वर्षा के कारण धुंधला होता जा रहा है।

शेखावाटी मिशन–100

28. हरितग्रह प्रभाव के कारणों को बताइये?

उत्तरः– हरित ग्रह प्रभाव के कारणः–

1. औधोगिकी करण

2. वनों का विनाश (Co_2 की मात्रा में वृद्धि)

3. जीवाश्म ईधन के दहन से (Co_2 मे ंवृद्धि)

4. रेफ्रीजरेटर तथा एयर कंडीशनर्स का प्रयोग (CFC गैसे में वृद्धि)

29. ध्वनि प्रदूषण के दुष्परिणामों को बताइये?

उत्तरः– ध्वनि प्रदूषण से होने वाले मानसिक प्रभावः–

1. मनुष्यों में चिड़चिड़ापन

2. बहरापन

3. अत्यधिक उच्च ध्वनि से श्रवण शक्ति पर प्रभाव

4. व्यक्ति पागल भी हो सकता है।

30. मृदा प्रदूषण से क्या हानियाँ है, समझाइये?

उत्तरः– मृदा प्रदूषण से हानियाँः–

1. कृषि योग्य भूमि में लगातार न्यूनता

2. पेचिस, प्रवाहिका, हैजा, तपेदिक व आँखों के रोग हो जाते है।

3. मृदा प्रदूषण व अन्य पर्यावरणीय प्रदूषणों का खतरा

4. भूमि न्यूनता की समस्या

31. वायुप्रदूषण नियमन हेतु ईधन उपयोग संबंधी कोई दो उपाय सुझाइये।

उत्तरः– वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु ईधन उपयोग संबंधी सुझावः–

1. निध्रूम चूल्हों का उपयोग करना

2. ईट भट्टों व बर्तन बनाने व पकाने जैसे उद्योगों को शहर से बाहर स्थापित किया जाए।

32. निम्न पर टिप्पणी लिखिए?

1. चीन रेड अर्ल्ट　　　　2. नगामी मंगे प्रोजेक्ट

उत्तरः– **1. चीन रेड अलर्टः**–30 नवम्बर 2015 को चीन दूसरी बार गहरी धुंध में लिपट गया जिसके कारण औद्योगिक संयंत्रों के उत्पादन में कटौती की गई। यातायात तथा सड़कों पर ढुलाई कार्य को बंद किया गया।

2. नमामि गंगे प्रोजेक्ट :– भारत सरकार ने नमामी गंगे प्रोजेक्ट 7 जुलाई 2016 को एक साथ 300 प्रोजेक्ट शुरू किए।

उद्वेश्यः– गंगा नदी के घाटों का आधुनिकीकरण करने के साथ–साथ किनारों पर वृक्षारोपण किया जायेगा।

33. निम्न पर टिप्पणी लिखिए?

1. अम्ल वर्षा　　　　2. ओजोन परत क्षरण

उत्तरः– **1. अम्ल वर्षाः**– वह वर्षा जिसके पानी में विभिन्न उद्योगों की विविध उत्पादन क्रियाओं से निकली Co_2, So_2 तथा नाइट्रिक आक्साइड गैस मिलकर अम्लीय अवस्था में आ जाती है। ये गैसे वर्षा जल के साथ मिलकर सल्फ्यूरिक अम्ल व नाइट्रिक अम्ल का निर्माण करती है– $So_2 + H_2O \rightarrow H_2SO_4$ (सल्फ्यूरिक अम्ल 60–70 %), $NO_2 + H_2O \rightarrow HNO_3$ (नाइट्रिक अम्ल 30–40 %)

2. ओजोन परत क्षरणः– ओजोन परत में ओजोन गैस की सान्द्रता में कमी के कारण विशाल क्षेत्र में ओजोन रहित क्षेत्र को ओजोन क्षयता कहा जाता है? इसकी क्षयता का प्रमुख कारण cfc, cl, Br मिथाइल क्लोरोफार्म आदि हैलोजनिक गैसे है। ओजोन क्षरण के कारण हानिकारक पैराबैंगनी तरगें पृथ्वी के धरातल पर पहुँच रही है जिससे अनेक दुष्परिणाम उत्पन्न हो रहे है।

अध्याय – 13

भारत : जनसंख्या वितरण जनघत्व व वृद्धि

01. भारत का क्षेत्रफल विश्व के क्षेत्रफल का लगभग कितना प्रतिशत है?

(अ) 2.4% (ब) 3.4% (स) 3.1% (द) 2.1% (अ)

02. 2011 जनगणना वर्ष के अनुसार भारत में विश्व की कितनी प्रतिशत है–

(अ) 16.5 (ब) 11.5 (स) 18.5 (द) 19.5 (ब)

03. जनसंख्या की दृष्टि से भारत का विश्व में कौनसा स्थान है?

(अ) प्रथम (ब) द्वितीय (स) तृतीय (द) चतुर्थ (ब)

04. विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश कौनसा है?

(अ) भारत (ब) रूस (स) चीन (द) कनाडा (स)

05. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत की कुल जनसंख्या कितनी है।

(अ) 121.01 करोड़ (ब) 122.8 करोड़ (स) 131 करोड़ (द) 128.1 करोड (अ)

06. भारत का सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है?

(अ) उत्तरप्रदेश (ब) महाराष्ट्र (स) बिहार (द) आंध्रप्रदेश (अ)

07. वितरण की दृष्टि से सर्वाधिक जनसंख्या वाला भारत का भौगोलिक प्रदेश है?

(अ) मैदानी (ब) पर्वतीय (स) दक्षिण का पठार (द) मरूस्थल (अ)

08. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का औसत जनसंख्या घनत्व है?

(अ) 380 (ब) 392 (स) 382 (द) 390 (स)

09. भारत का सर्वाधिक जनघनत्व वाला राज्य है?

(अ) राजस्थान (ब) उत्तरप्रदेश (स) महाराष्ट्र (द) बिहार (द)

10. भारत का न्यूनतम जनघनत्व वाला राज्य है–

(अ) राजस्थान (ब) गोवा (स) अरूणाचल प्रदेश (द) सिक्किम (स)

11. 2011 की जनगणना के अनुसार केन्द्रशासित प्रदेशों में सर्वाधिक जनघनत्व वाला प्रदेश है–

(अ) दिल्ली (ब) दमन – दीव (स) चण्डीगढ़ (द) लक्षद्वीप (अ)

12. 2011 की जनगणना के अनुसार न्यूनतम जन घनत्व वाला केन्द्र शासित प्रदेश है–

(अ) चण्डीगढ़ (ब) लक्षद्वीप (स) दमन – दीव (द) अण्डमान निकोबार द्वीप (द)

13. भारत की प्रथम जनगणना कब प्रारम्भ हुई?

(अ) 1871 (ब) 1872 (स) 1873 (द) 1881 (ब)

14. भारत में प्रथम विधिवत् विधिवत् जनगणना कब प्रारंभ हुई–

(अ) 1881 (ब) 1872 (स) 1871 (द) 1880 (अ)

15. भारत में जनगणना कितने वर्षों के अन्तराल पर होती है?

(अ) 15 (ब) 10 (स) 11 (द) 13 (ब)

16. सुमेलित कीजिएः–

(अ) मन्द वृद्धि का काल (1) 1981 – 2011

(ब) स्थिर वृद्धि का काल (2) 1921 – 1951

(स) तीव्र वृद्धि का काल (3) 1901 – 1921

(द) घटती वृद्धि का काल (4) 1951 – 1981 (ब)

17. नकारात्मक जनसंख्या वृद्धि दशक था–

(अ) 1911 – 21 (ब) 1901 – 1921 (स) 1931 – 41 (द) 1941 – 1951 (अ)

शेखावाटी मिशन–100

18. भारत के लिए जनांकिकीय विभाजक वर्ष है–

(अ) 1901 (ब) 1911 (स) 1921 (द) 1931 (स)

19. भारत के जनगणना वर्ष में द्वितीय जनांकिकीय विभाजक वर्ष है–

(अ) 1931 (ब) 1941 (स) 1951 (द) 1971 (स)

20. वर्ष 2001–11 में भारत में किस राज्य में सर्वाधिक दशकीय वृद्धि दर रही–

(अ) अरूणाचल प्रदेश (ब) सिक्किम (स) चण्डीगढ़ (द) अण्डमान निकोबार (अ)

21. वर्ष 2001 – 11 के द्वौरान भारत में किस राज्य में न्यूनतम दशकीय वृद्धि दर दर्ज की गयी–

(अ) आंध्रप्रदेश (ब) महाराष्ट्र (स) तमिलनाडु (द) पाण्डिचेरी (अ)

22. वर्ष 2011 की जनगणना की अनुसार भारत की साक्षरता है–

(अ) 73.01% (ब) 74% (स) 72.0% (द) 73.5% (अ)

23. वर्ष 2011 की जनगणनानुसार भारत में नगरीय व ग्रामीण जनंसख्या का प्रतिशत है–

(अ) 31.16 – 18.84% (ब) 30.60 – 68.40%

(स) 28.90 – 69.10% (द) 31.00 – 69.00% (अ)

24. भारत में विवाह हेतु लड़कों व लड़कियों के लिए न्यूनतम निर्धारित आयु क्या है?

(अ) 21 व 18 वर्ष (ब) 18 व 15 वर्ष (स) 24 व 21 वर्ष (अ)

25. वर्ष 2001–2011 के काल में भारत की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर क्या रही है–

(अ) 17.20 % (ब) 17.64% (स) 18.6% (द) 16.5% (ब)

26. भारत में अंतिम जनगणना किस वर्ष हुई थी–

(अ) 1981 (ब) 1991 (स) 2001 (द) 2011 (द)

27. न्यूनतम लिंगानुपात जिस जनगणना वर्ष में था?

(अ) 1901 (ब) 1951 (स) 2001 (द) 1991 (द)

लघुत्तरातम्क प्रश्नः–

28. जनघनत्व से क्या तात्पर्य है।

उत्तरः– 1. जनघनत्वः– जनसंख्या घनत्व से अभिप्राय जनसंख्या व घरातल के एक निश्चित अनुपात से होता है। इसे प्रति इकाई–क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या के रूप में व्यक्त किया जाता है।

29. गणितीय जनधनत्व का सूत्र लिखों।

उत्तरः– गणितीय घनत्व – $\frac{\text{प्रदेश की कुल जनसंख्या}}{\text{प्रदेश की कुल क्षेत्रफल}}$

30. जनसंख्या वितरण से क्या अभिप्राय है।

उत्तरः– जनसंख्या वितरणः– जनसंख्या वितरण से अभिप्राय जनसंख्या के स्थानिक रूप से फैलाव से लिया जाता है। भारत में जनसंख्या की प्रमुख विशेषता उसका असमान वितरण है।

उदा. मैदानी प्रदेश में अत्यधिक जनसंख्या तथा पश्चिमी मरूस्थल में विरल जनसंख्या।

31. जनसंख्या वृद्धि किसे कहते है?

उत्तरः– जनसंख्या वृद्धिः– जनसंख्या वृद्धि से तात्पर्य किसी निश्चित समय में स्थान विशेष पर जनसंख्या में कमी अथवा वृद्धि से लिया जाता है। अर्थात निश्चित समय में स्थान विशेष पर जनंसख्या में होने वाला परिवर्तन।

32. जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कोई चार कारक बताइए।

उत्तरः— जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारकः—

1. जलवायु
2. घरातल
3. जलप्राप्ति
4. खनिज संसाधन

33. जनसंख्या घनत्व के दृष्टिकोण से भारत को कितने प्रदेशों में विभाजित किया जा सकता है।

उत्तरः— भारत के तीन जनघनत्व के प्रदेशः—

1. उच्च घनत्व के प्रदेश — 500 से अधिक
2. मध्यम घनत्व — 300 — 500
3. कम घनत्व — 300 से कम

34. जनसंख्या वृद्धि के कोई चार सामाजिक — आर्थिक प्रभाव बताइए।

उत्तरः— जनसंख्या वृद्धि के सामाजिक — आर्थिक प्रभावः—

1. पर्यावरणीय समस्या
2. आवासीय समस्या
3. संसाधनों के विदोहन की समस्या
4. बेरोजगारी की समस्या

35. जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने वाले कोई चार उपाय सुझाइए।

उत्तरः— जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने वाले कारकः—

1. विवाह की न्यूनतम आयु में वृद्धि करना।
2. परिवार कल्याण कार्यक्रमों का विस्तार।
3. शिक्षा
4. ठोस सरकारी नीतियाँ

36. जनसंख्या वितरण व घनत्व में अंतर बताइए।

उत्तरः— उत्तर सख्या 28 व 30 देखे।

37. जनसंख्या वितरण के स्थानिक प्रतिरूप को समझाइए।

उत्तरः— **1. तीव्र जन वृद्धि के क्षेत्रः—** जैसे दादरा नागर हवेली तथा दमन व दीव। इन क्षेत्रों में दशकीय वृद्धि दर 30 प्रतिशत से अधिक रही है।

2. मध्यम जनवृद्धि क्षेत्रः— जैसे : बिहार, जम्मु कश्मीर, झारखंड आदि। इन क्षेत्र में दशकीय वृद्धि दर 20 से 30 प्रतिशत से तक रही है।

3. कम जनवृद्धि क्षेत्रः— इनमें वे क्षेत्र शामिल है जिनमें दशकीय वृद्धि 20 प्रतिशत से कम रही। असम, गोवा, गुजरात, हरियाणा, केरल, मणिपुर आदि।

38. जलवायु भारत की जनसंख्या को किस प्रकार प्रभावित करती है।

उत्तरः— जलवायु मानव बसाव को नियंत्रित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण घटक है। अत्यधिक शीत, उष्ण व आर्द्र जलवायु मानव बसाव हेतु उपयुक्त नहीं है। जैसे हिमालय,, मरूस्थलीय भाग आदि इसके विपरित समजलवायु मानव बसाव हेतु उपयुक्त है जैसे समुंद्र तटीय भाग।

शेखावाटी मिशन—100

39. ''अशिक्षा और जनसंख्या वृद्धि में सीधा संबंध है।'' कथन को परिभाषित कीजिए।

उत्तरः– ''अशिक्षा व जनसंख्या वृद्धि में सीधा संबंध है'' हम इस कथन से पूर्णतया सहमत है। क्योंकि शिक्षा द्वारा सामाजिक – सांस्कृतिक समस्याओं का हल निकाला जा सकता है। और परिवार कल्याण कार्यक्रमों की उचित क्रियान्यवन के लिए भी शिक्षा आवश्यक है। शिक्षित लोग न केवल परिवार को छोटा रखने एवं जीवन स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयास करेंगे अपितू वे जीवन के प्रति बुद्धि संगत दृष्टिकोण भी बना सकेंगे?

40. एक जिले की जनसंख्या 20 लाख तथा क्षेत्रफल 5000 वर्ग किमी. है तो उस जिले के जनसंख्या घनत्व की गणना करों।

उत्तरः– घनत्व = $\frac{\text{कुल जनसंख्या}}{\text{कुल क्षेत्रफल}}$

$= \frac{2000000}{5000} = 400$ व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.

41. ''जनसंख्या नियंत्रण हेतु कोई ठोस नीति अपनाया जाना आवश्यक है।'' कैसे? समझाइए।

अथवा

बढ़ती हुयी जनसंख्या समस्त विश्व के समक्ष चुनौति है। इसके निवारण के उपाय लिखों।

उत्तरः– ''जनसंख्या नियंत्रण हेतु कोई ठोस सरकारी नीति अपनाया जाना आवश्यक है।'' इस कथन से हम पूर्णतया सहमत है क्योंकि इतनी नीतियाँ व कानूनों के बावजूद देश में जनसंख्या जिस गति से बढ़ रही है वह चिंताजनक है जिसका एकमात्र ठोस उपाय कोई विशेष व ठोस सरकारी नीति का निर्माण ही हो सकता है।

निबंधात्मक प्रश्नः–

42. जनसंख्या वितरण को नियंत्रित करने वाले कारको की व्याख्या कीजिए।

या

भारत में जनसंख्या वितरण के असमानता के कारणों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तरः–**जनसंख्या वितरण को नियंत्रित करने वाले कारकः–** भारत की जनसंख्या की प्रमुख विशेषता उसका असमान वितरण है। वितरण की दृष्टि से मैदानी क्षेत्र सर्वाधिक सघन आबाद है। उसका दक्षिण का पठार व समुंद्रतटीय क्षेत्र आते है।

भारत में जनसंख्या वितरण मे ंविषमता व क्षेत्रीय भिन्नता पायी जाती है। ये अनेक प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक, जनांकिकीय, राजनीतिक तथा ऐतिहासिक कारकों द्वारा नियंत्रित होता है जो निम्न हैः–

1. **जलवायुः–** मानव बसाव को नियंत्रित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक है। अत्यधिक शीतल, अति उष्ण, अति आर्द्र जलवायु मानव निवास तथा उसके क्रियाकलापों के लिए उपयुक्त नहीं है। तराई क्षेत्र भी अस्वास्थयकर जलवायु के कारण कम आबाद रहे।

2. **घरातलः–** विषम तथा उबड़–खाबड़ घरातल वाले क्षेत्रों में भी कम जनसंख्या मिलती है। क्योंकि इन क्षेत्रों में कृषि योग्य भूमि का अभाव, कृषि कार्यों में कठिनाई, परिवहन की बाधा तथा अलग – अलग स्थिति के कारण आबादी कम पायी जाती है।

3. **जलप्राप्तिः–** उत्तरी भारत में वर्षा की मात्रा के साथ जनघनत्व पूर्व से पश्चिम की ओर घटता जाता है। राजस्थान के पश्चिम भाग नहरी जलापूर्ति के कारण घनी आबादी मिलती है। प्राचीनकाल से ही नदी घाटियों व डेल्टाओं में घनी आबादी मिलती है।

4. **खनिज संसाधनः–** खनिज संसाधन युक्त क्षेत्रों में औद्योगिक तथा आर्थिक विकास की भरपुर संभावनाए मानव आर्कषण होती है। इसी कारण दामोदर घाटी, छोटा नागपुर के पठार, आदि खनिज सम्पन्न क्षेत्रों में जनसंख्या का जमाव पाया जाता है।

5. **परिवहन की सुविधाः–** मैदानी भागों मे ंसमतल होने के कारण पठारों व पर्वतों की अपेक्षा परिवहन की सुविधाएं अधिक मिलती है, इसलिए मैदान अधिक सघन आबाद होते है।

6. **सामाजिक व मनोवैज्ञानिक कारकः–** जनसंख्या की सघनता में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक कारको की भी प्रमुख भूमिका होती है। जैसेः–

1. सामाजिक संगठन व सरंचना
2. रीति – रिवाज
3. शिक्षा व चिकित्सा

7. राजनैतिक व आर्थिक कारकः– राजनीतिक उथल–पुथल, असंतोष असुरक्षा आदि राजनैतिक कारक तथा औधोगिकीकरण, नगरीकरण आदि आर्थिक कारण भी जनसंख्या वितरण की क्षेत्रीय भिन्नताओं के लिए उत्तरदायी है।

जैसेः– भारत के सीमावर्ती राज्यों जम्मु–कश्मीर, पंजाब, असम में आतंकवाद बढ़ने के कारण जनसंख्या में परिवर्तन हुआ।

43. जनसंख्या वृद्धि के सामाजिक – आर्थिक प्रभावों को स्पष्ट कीजिए।

या

जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न समस्याओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तरः– जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न समस्याएँः– 2011 की जनगणनानुसार भारत की जनसंख्या 121.05 करोड़ हो भारत में अधिकतर लोग रूढ़ियों तथा पुरानी परम्पराओं से प्रभावित है। नये विचार अपनाने में असमर्थ होने के कारण भारत में जनसंख्या बढ़ती जा रही हे परिवार नियोजन के अभाव में जनसंख्या वृद्धि हो रही है।

अनियंत्रित रूप से बढ़ रही आबादी हमारी अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बनी हुयी है। जिससे अनेकों समस्याएँ उत्पन्न हो गयी है जो निम्न है–

1. पर्यावरण की समस्याः– तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पर्यावरण का तीव्र गति से दोहन होने से पर्यावरण की समस्या उत्पन्न हो गयी है।

2. संसाधनों का विदोहनः– व्यक्ति ने भौतिकवादी सुविधाओं के चलते प्राकृतिक सम्पदाओं का निर्मम एवं अवैधानिक तरीके से विदोहन किया है जिससे हमारी प्रकृति असंतुलित हो गयी है।

3. खेती में अधिक रसायनों का प्रयोगः– आधुनिक खेती के नाम पर कीटनाशक एवं रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग अत्यधिक किया जा रहा है जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

4. आवासीय समस्याः– अधिक जनसंख्या हेतु कृषि योग्य भूमि पर मकानों का निर्माण अव्यवस्थित रूप से किया गया है। यदि यही स्थिति रही तो कुछ समय पश्चात् खाद्यान की समस्या अपना विकराल रूप धारण कर लेगी।

5. पर्यावरणीय असंतुलनः– अनेक पशु पक्षियों एवं वन्यजीवों का अस्तित्व ही खतरे में हो गया है जो कि पर्यावरण को संतुलित करने में बहुत अधिक सहायक होते है।

6. प्रदूषणः– प्रदूषण का स्तर बढ़ जाने के कारण संक्रामक रोगों के फैलने का खतरा बना रहता है।

7. जलस्तर में गिरावटः– यदि जनसंख्या वृद्धि इसी गति से होती रही तो भविष्य में जल की समस्या विकराल रूप धारण कर लेगी।

8. पर्यावरण संकटः– प्रकृति के साथ अनावश्यक छेड़छाड़ करने से प्रत्यक्ष य परोक्ष रूप से मौसम परिवर्तन, समुंद्र व जीव जंतुओं पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

9. वनों का कटावः– सूखा पड़ने से वनों में प्रायः आगजनी की घटनाएँ देखने व सुनने को मिलती है।

10. अधिकतर लोग कुपोषण का शिकार हो रहे है।

11. सरकार विकास हेतु बनाई गई योजनाओं को लागू नहीं कर पाती।

12. देश का आर्थिक विकास एवं वृद्धि अवरूद्ध हो रही है।

13. समाज में झगड़े, जातिवाद, धर्मवाद, क्षेत्रवाद आदि को प्रोत्साहन मिलने से कानून व्यवस्था भी प्रभावित होती है?

14. बेरोजगारी की समस्या का सामना भी लोगों को करना पड़ रहा है।

15. जानलेवा बिमारियों के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है।

अत जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने का हर स्तर प्रयास किया जाना चाहिए।

44. जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने वाले उपाय बताइए

या

बढ़ती जनसंख्या को किन उपायों द्वारा रोका जा सकता है।

उत्तरः– जनसंख्या वृद्धि का नियंत्रित करने के उपायः–

जनसंख्या वृद्धिः– किसी समयाविधि में क्षेत्र विशेष के निवासियों की संख्या में होने वाला परिवर्तन जनसंख्या वृद्धि कहलाता है। भारत की जनसंख्या में 2001–2011 के मध्य 17.64 प्रतिशत की वृद्धि हुयी जो काफी अधिक है। यदि इसी गति से जनसंख्या में वृद्धि होती रही तो जनसंख्या व संसाधनों में असंतुलन पैदा हो जायेगा, अतः समय रहते विभिन्न स्तरों पर जनसंख्या को नियंत्रित करना होगा जिसके कुछ उपाय इस प्रकार है–

शेखावाटी मिशन–100

1. विवाह योग्य आयु में वृद्धिः– वर्तमान में सरकार द्वारा विवाह की निर्धारित न्यूनतम आयु लड़कों के लिए 21 वर्ष तथा लड़कियों के लिए 18 वर्ष है जिसमें वृद्धि करना आवश्यक है।

यदि लड़कियों की विवाह योग्य आयु बढ़ेगी तो वे न केवल शिक्षित होगी बल्कि सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यों में भाग लेने में भी रूचि जाग्रत होगी जिससे सन्तानोत्पति पर नियंत्रण संभव हो सकेगा।

2. आर्थिक – समृद्धिः– मानव वर्ग की भौतिक रूचि उत्पादन में वृद्धि के प्रयास करने में बढ़ती है। अतः इसके कारण जीवन स्तर ऊँचा होने पर वह भविष्य के लिए अनेक योजनाओं का निर्माण करता है।

3. परिवार कल्याण कार्यक्रमों का विस्तारः– राष्ट्रीय व अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर सरकारी व गैर – सरकारी संस्थाओं द्वारा इस क्षेत्र में जन जागरण अभियान चलाकर आम जनता को जाग्रत करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

4. शिक्षाः– शिक्षा का न केवल किसी देश की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान रहता है अपितू इसके द्वारा अनेक सामाजिक सांस्कृतिक समस्याओं का हल भी निकाला जा सकता है। इसके माध्यम से लोग न केवल परिवार को छोटा रखने एवं जीवन स्तर को ऊँचा उठाने के प्रयास करेंगे अपितू वे जीवन के प्रति बुद्धिसंगत दृष्टिकोण रखना भी शुरू कर देंगें।

निष्कर्षः– उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है कि भारत में जनसंख्या में तीव्र गति से वृद्धि हो रही है। अतः हमें उचित प्रयास करके इस महत्वपूर्ण समस्या के निदान के लिए अथक प्रयास करने होंगे।

अधिक जनसंख्या की समस्या का आशाजनक हल यही है कि हम प्रत्येक क्षेत्र में अधिकाधिक विकास करने का प्रयास करें।

45. भारत में जनसंख्या वृद्धि के कालानुक्रम का वर्णन करो।

या

भारत में जनसंख्या वृद्धि को समयानुसार समझाइए।

उत्तरः– भारत में जनगणना की शुरूआत 1872 से हुई परन्तु विधिवत शुरूआत 1881 से मानी गयी है। तब से लेकर वर्तमान समय तक भारतीय जनगणना में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन हुये है।

भारत की जनसंख्या वृद्धि की प्रवृति का अध्ययन निम्न चार अवस्थाओं के तहत किया जा सकता है–

1. मन्द वृद्धि का काल (1901 – 1921)
2. स्थिर वृद्धि का काल (1921 – 1951)
3. तीव्र वृद्धि का काल (1951 – 1981)
4. घटती वृद्धि का काल (1981 – 2011)

1. मन्द वृद्धि का कालः– इस अवधि में भारत की जनसंख्या वृद्धि की दर काफी धीमी (लगभग स्थिर) थी। इसका कारण उच्च जन्म दर के साथ उच्च मृत्यु दर का होना था। उच्च मृत्यु दर का संबंध चिकित्सा सुविधा एवं सुपोषण के अभाव में बड़ी जनसंख्या की अकाल मृत्यु से था।

भारतीय जनगणना के इतिहास में 1911 से 1921 का दशक एकमात्र दशक रहा है जिसके दौराना जनसंख्या वृद्धि दर ऋणात्मक (–0.03%) थी इसी कारण इस दशक को भारतीय जनसंख्या का ''महान विभाजक रेखा'' कहा जाता है। इस दशक में जनसंख्या की नकारात्मक वृद्धि का कारण अकाल व इन्फ्लुएन्जा महामारी था।

2. स्थिर वृद्धि का काल (1921–1951):–इस अवधि में प्राकृतिक वृद्धि दर उच्ची थी। महामारी एवं अकाल पर आंशिक नियत्रंण कर लिया गया, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ। जिससे मृत्यु दर में कमी तथा जन्म दर पूर्ववत् ही रही जिसके कारण जनसंख्या में वृद्धि हुयी इस काल में जनसंख्या 25.13 करोड़ से बढ़कर 36.11 करोड़ हो गयी।

3. तीव्र वृद्धि काल (1951–81) :– इस अवधि में जनसंख्या में विस्फोटक वृद्धि हुई। वर्ष 1951 को द्वितीय जनांकिकीय विभाजक कहा जाता है। जनसंख्या लगभग दुगुनी हो गई। इस अवधि में औसत वृद्धि दर 2.2 प्रतिशत थी। जनसंख्या में अभूतपूर्व वृद्धि विकास कार्यों में तेजी तथा स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार प्रसार के कारण हुआ। 1981 की जनगणना में जन्म दर 34 प्रति हजार एवं मृत्यु दर 15 प्रति हजार थी।

4. घटती वृद्धि का काल (1981—2011) :— यद्यपि 1981 के बाद भी जनसंख्या में उच्च वृद्धि हुई है लेकिन वृद्धि दर में कमी ह्रास की प्रवृत्ति है। 1981—2011 की अवधि में जन्म दर में तीव्र गिरावट की प्रवृत्ति रही। यह 34 प्रति हजार (1981 ई.) से घटकर 10.6 प्रति हजार (2011 ई.) हो गयी। मृत्यु दर में गिरावट की प्रवृत्ति पूर्ववत बनी रही। 2011 की जनगणना में मृत्यु दर 7.43 प्रति हजार थी। जन्म दर में गिरावट का संबंध उच्च जीवन स्तर, शिक्षा का प्रसार — विशेष रूप से महिला शिक्षा शहरी जीवन शैली तथा रोजगार में द्वितीय एवं तृतीयक क्षेत्रों की बढ़ती भागीदारी से है। इन कारणों ने लोगों में ''छोटा परिवार सुखी परिवार'' की धारणा को मजबूत किया है। अतः वर्तमान में (1981 के बाद से) भारत की जनसंख्या बढ़ती दर से बढ़ रही है।

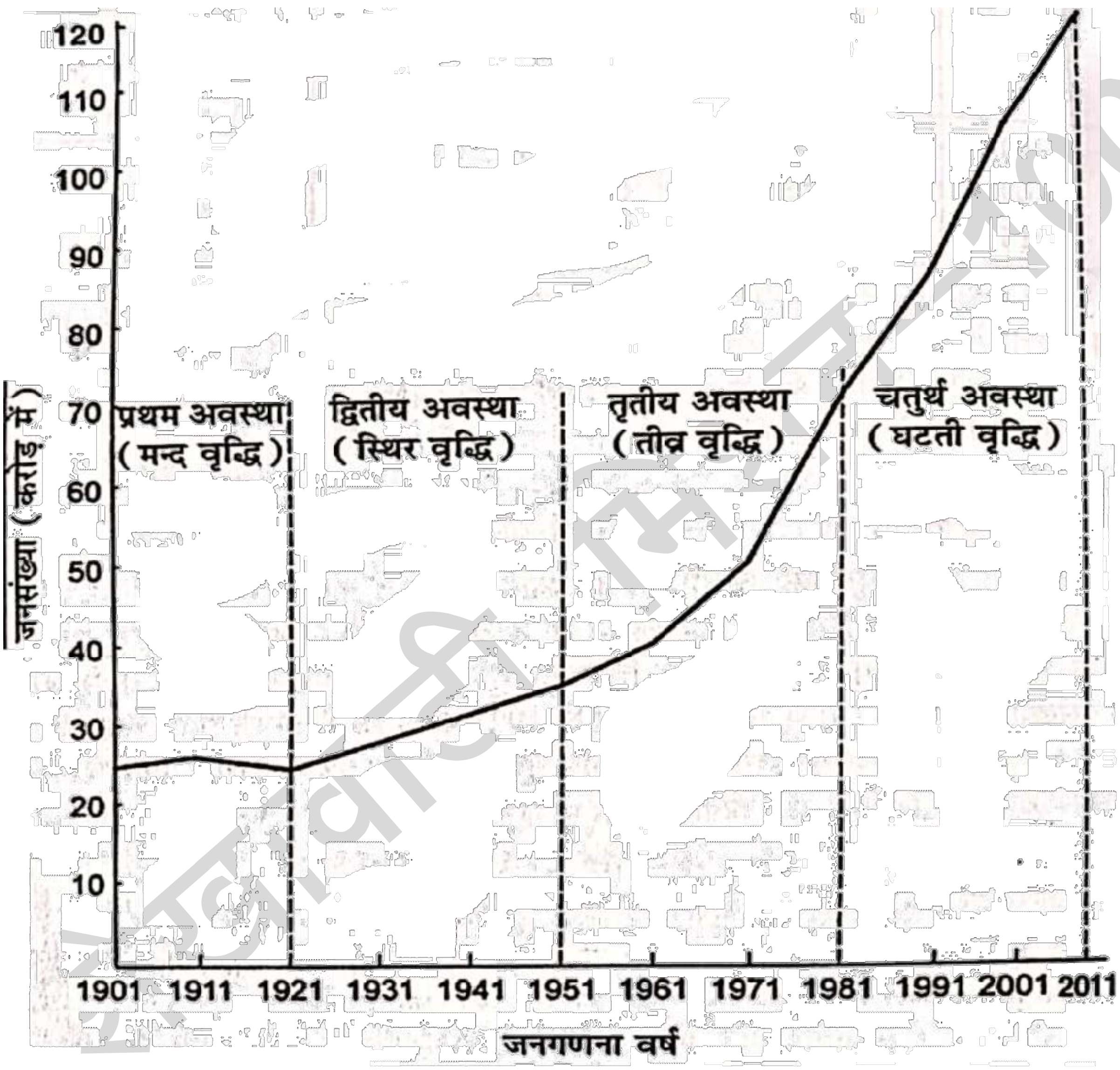

अध्याय 14
भारत : जनसंख्या संरचना

01. वर्ष 2011 की जगणना के अनुसार भारत का सर्वाधिक गांवों वाला राज्य है–

(अ) मध्यप्रदेश (ब) उत्तरप्रदेश (स) उड़ीसा (द) बिहार (ब)

02. प्रतिशत के दृष्टि से सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या वाला राज्य–

(अ) हिमाचल प्रदेश (ब) बिहार (स) असम (द) उड़ीसा (अ)

03. वर्ष 2011 के अनुसार भारत में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत है–

(अ) 21.4 (ब) 23.0 (स) 23.4 (द) 22.3 (स)

04. वर्ष 2011 तक भारत में नगरों की कुल संख्या थी

(अ) 7935 (ब) 7776 (स) 7654 (द) 6774 (अ)

05. क्रमशः सर्वाधिक व न्यूनतम नगरीय जनसंख्या प्रतिशत वाला राज्य है–

(अ) मिजोरम व हिमाचल प्रदेश (ब) हिमाचल प्रदेश व मिजोरम

(स) मेघालय व हिमाचल प्रदेश (द) तमिलनाडु व मिजोरम (अ)

06. लिंगानुपात की गणना की जाती है–

(अ) 100 पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या (ब) 1000 पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या

(स) 100 स्त्रियों पर पुरूषों की संख्या (द) 1000 स्त्रियों पर पुरूषों की संख्या (ब)

07. वर्ष 2011 के अनुसार भारत का औसत लिंगानुपात है–

(अ) 939 (ब) 941 (स) 940 (द) 942 (स)

08. सर्वाधिक लिंगानुपात वाला राज्य है–

(अ) तमिलनाडु (ब) आंध्रप्रदेश (स) लक्षद्वीप (द) केरल (द)

9. भारत का न्यूनतम लिंगानुपात वाला राज्य है–

(अ) हरियाणा (ब) राजस्थान (स) पंजाब (द) जम्मु–कश्मीर (अ)

10. 2001–2011 के दशक में लिंगानुपात में सर्वाधिक व न्यूनतम वृद्धि वाले राज्यों का युग्म है–

(अ) उत्तरप्रदेश व राजस्थान (ब) महाराष्ट्र व बिहार

(स) मिजोरम व उत्तराखंड (द) दिल्ली व चण्ड़ीगढ (स)

11. भारत की औसत साक्षरता है–

(अ) 74.04% (ब) 73.3% (स) 74.00% (द) 73.00% (अ)

12. 2011 की जनगणनानुसार भारत की पुरूष साक्षरता है–

(अ) 81.42% (ब) 82.08% (स) 82.14% (द) 82.00% (स)

13. 2011 की जनगणनानुसार महिला साक्षरता का प्रतिशत है–

(अ) 65.46 (ब) 67.02 (स) 68.01 (द) 65.00 (अ)

14. 2011 की जनगणनानुसार लिंग्नुपात में 2001 की तुलना में कितना परिवर्तन हुआ।

(अ) 5 (ब) 7 (स) 9 (द) 11 (ब)

15. 2011 की जनगणनानुसार सर्वाधिक व न्यूनतम साक्षरता वाले राज्यों का समूह है–

(अ) केरल व बिहार (ब) केरल व राजस्थान

(स) केरल व अरूणाचल प्रदेश (द) केरल व बिहार (द)

16. पुरूष साक्षरता में सर्वाधिक व न्यूनतम साक्षरता वाले राज्य है–

(अ) लक्षद्वीप व बिहार (ब) केरल व बिहार (स) लक्षद्वीप व राजस्थान (द) केरल व राजस्थान (अ)

शेखावाटी मिशन–100

17. महिला साक्षरता में सर्वाधिक व न्यूनतम साक्षरता वाले राज्यों का युग्म है–

(अ) केरल व अरूणाचल प्रदेश (ब) केरल व बिहार

(स) केरल व गोवा (द) केरल व राजस्थान (द)

18. देश में सर्वाधिक बाल जनसंख्या किस राज्य की है–

(अ) राजस्थान (ब) बिहार (स) उत्तरप्रदेश (द) मध्यप्रदेश (स)

19. भारत में साक्षरता दर किस वर्ष के बाद तेजी से बढ़ी है–

(अ) 1931 (ब)1941 (स) 1951 (द) 1961 (द)

20. कुल भारतीय जनसंख्या में से कितनी भारतीय जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है–

(अ) 717 मिलियन (ब) 833 मिलियन (स) 847 मिलियन (द) 853 मिलियन (ब)

21. 2011 की जनगणना के अनुसार सबसे अधिक महिला जनसंख्या वाला राज्य है–

(अ) केरल (ब) हिमाचल प्रदेश (स) उत्तराखंड (द) नागालैड (अ)

22. 2011 की जनगणना के अनुसार सबसे कम महिला जनसंख्या वाला राज्य है–

(अ) पजांब (ब) हिमाचल प्रदेश (स) उत्तराखंड (द) हरियाणा (द)

लघुत्तरात्मक प्रश्न

23. ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या से क्या अभिप्राय है?

उत्तरः–1. **ग्रामीण जनसंख्याः–** ग्रामीण जनसंख्या गांवों में रहती है। इसकी विशेषता कृषि तथा उससे जुडे प्राथमिक कार्यों पर निर्भरता है।

2. **नगरीय जनसंख्याः–** नगरीय जनसंख्या नगरों में रहती है। इसकी विशेषता द्वितीयक, तृतीयक तथा चर्तुथक कार्यो पर निर्भरता है।

24. नगरीय जनसंख्या में वृद्धि के कोई चार कारण लिखों।

उत्तरः–नगरीय जनसंख्या में वृद्धि के कारणः–

1. ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का अभाव
2. औद्योगिकीकरण
3. शिक्षा का प्रसार
4. नगरीय आर्कषण

25. लिंगानुपात किसे कहते है?

उत्तरः– जनसंख्या में स्त्री–पुरूषों की संख्या के अनुपात को लिंगानुपात कहते है।

26. लिंगानुपात ज्ञात कैसे करते है?

उत्तरः– $\text{लिंगानुपात} = \frac{\text{कुल स्त्रियों की संख्या}}{\text{कुल पुरूषों की संख्या}} \times 1000$

27. लिंगानुपात कम होने के कोई चार कारण लिखों।

उत्तरः– लिंगानुपात कम होने के कारणः–

1. बालिकाओं की अपेक्षा बालकों को प्राथमिकता
2. स्त्रियों की आर्थिक परतंत्रता
3. बालिका शिक्षा का अभाव
4. बाल विवाह के कारण प्रसव काल में मृत्यु

28. आयुवर्ग की दृष्टि से जनसंख्या के वर्ग बताइए।

उत्तरः– आयुवर्ग की दृष्टि से जनसंख्या के वर्गः–

1. बाल (0–14 वर्ष)
2. वयस्क (15–64 वर्ष)
3. वृद्ध (65 वर्ष से अधिक)

शेखावाटी मिशन–100

29. साक्षरता को प्रभावित करने वाले चार कारक बताइए।

उत्तरः— साक्षरता को प्रभावित करने वाले कारकः—

1. अर्थव्यवस्था का प्रसार
2. नगरीकरण का स्तर
3. जीवन स्तर
4. जातीय सरंचना

30. जनसंख्या सरंचना से क्या तात्पर्य है?

उत्तरः— **जनसंख्या सरंचनाः—** जनसंख्या सरंचना, जनसंख्या की सामाजिक विशेषताओं को प्रकट करती है जिसमें आयु, लिंग निवास, मानवजातिय लक्षण, जनजातियां, भाषा, धर्म, विवाह आदि का अध्ययन किया जाता है।

31. भारत में पुरूष व महिला साक्षरता प्रतिरूप को समझाइए।

उत्तरः— भारत की साक्षरता — 74.04 %

पुरूषों की साक्षरता — 82.14

सर्वोच्च पुरुष साक्षरता — केरल

न्यूनतम पुरूष साक्षरता — बिहार

महिला साक्षरता — 65.46

सर्वोच्च महिला साक्षरता — केरल

न्यूनतम महिला साक्षरता — राजस्थान

32. ''ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का अभाव नगरीय जनसंख्या वृद्धि का प्रमुख कारण है।'' कथन की व्याख्या कीजिए।

उत्तरः— ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का अभाव नगरीय जनसंख्या में वृद्धि का प्रमुख कारण हैं। क्योंकि गांवों में न तो उद्योगों का व्यवसाय विकसित हुआ और न ही किसी प्रकार की दैनिक मजदूरी मिल पाती है। ग्रामीण क्षेत्रों की कृषि पर निर्भरता होने के कारण छिपी हुई बेरोजगारी होती है अतः रोजगार की तलाश में लोग नगरों में पलयान करते है?

33. ''गरीबी व साक्षरता में क्या संबंध है?

उत्तरः— गरीबी व साक्षरता में सीधा संबंध होता है। जिस देश अथवा स्थान की जनसंख्या आर्थिक दृष्टि से कमजोर होती है वहाँ साक्षरता कम जैसेः— विकासशील व अविकसित देश। दूसरी तरफ जिस देश अथवा स्थान की जनसंख्या आर्थिक दृष्टि से सशक्त होती है वहाँ साक्षरता दर उच्च होती है।

34. 'ग्रामीण जनसंख्या प्राथमिक कार्यों पर निर्भर है'' कैसे?

उत्तरः— ग्रामीण जनसंख्या की सबसे बड़ी विशेषता है प्राथमिक कार्यों पर निर्भरता है। प्राथमिक कार्यों में कृषि तथा उससे जुड़े कार्यों, आदिम पशुपालन, खनन आदि को शामिल किया जाता है।

35. आश्रित जनसंख्या से आप क्या समझते है?

उत्तरः— आश्रित जनसंख्या में जनसंख्या के उस वर्ग को शामिल किया जाता है जो कार्यशील नहीं है जैसे बाल व वृद्ध वर्ग। ये वर्ग अपने जीविकोपार्जन हेतु युवा वर्ग पर निर्भर है।

निबंधात्मक प्रश्नः—

36. भारत में नगरीय जनसंख्या में वृद्धि के कारणों को समझाइए?

उत्तरः— भारत कें नगरीय जनसंख्या वृद्धि के कारणः—

परिचयः— भारत में आर्थिक प्रगति के साथ — साथ जनसंख्या में नगरीकरण की प्रवृत्ति बढ़ रही है। देश में जहाँ सन् 1911 में नगरीय जनसंख्या कुल जनसंख्या की केवल 10 प्रतिशत था जो 2011 में बढ़कर 31.20 प्रतिशत हो गया।

भारत में नगरीयकरण की प्रवृत्ति के बढ़ने के निम्न कारण है।

शेखावाटी मिशन—100

1. ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का अभावः– ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर कम पाये जाते है, अतः वहाँ के लोग रोजगार की तलाश में शहरों की तरफ पलायन करते है, जिससे वहाँ की जनसंख्या निरंतर बढ़ती जा रही है।

2. नगरों में अधिक सुविधाएँः– नगरों में विभिन्न प्रकार की सुविधाएँ मिलती है, जिनका ग्रामीण क्षेत्रों में अभाव होता है, अतः लोग नगरों मे जाकर बसने लगे है।

3. नगरीय आकर्षणः– नगरों में भौतिक सुख – सुविधाओं की उपलब्धता होने के कारण ग्रामीण लोग नगरों की तरफ आकर्षित होते है जिस कारण नगरीय जनसंख्या में वृद्धि होती जा रही है।

4. शिक्षा का प्रसारः– नगरों में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा की सुविधाएँ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो जाती है। अतः ग्रामीण क्षेत्रों से लोग उच्च शिक्षा हेतु नगरों की और पलायन करते है।

5. औद्योगिकरणः– नगरों में आस–पास औद्योगिक क्षेत्रों का तीव्र गति से विकास हुआ है? अतः ग्रामीण लोग इन उद्योगों में रोजगार करने हेतु नगरों की तरफ पलायन करते है?

6. परिवहन एवं संचार साधनों का विकासः– नगरों में परिवहन एवं संचार के साधनों में तीव्र विकास होने से नगरीकरण को बढ़ावा मिलता है?

7. कृषि का अलाभकारी होनाः– कृषि पर बढ़ते जनसंख्या दबाव के कारण वह लाभकारी नहीं रही। अतः कृषि में लगे अतिरिक्त लोग रोजगार की तलाश में नगरों मे प्रस्थान करते है, जिससे नगरों की जनसंख्या बढ़ रही है।

8. लघु एवं कुटीर उद्योगों की समाप्तिः– ग्रामीण क्षेत्रों में लघु एवं कुटीर उद्योगों का तेजी से पतन हुआ है, जिस कारण नगरों में जनसंख्या के पलायन से वहाँ की आबादी बढ़ गई है।

37. लिंगानुपात से क्या तात्पर्य है? भारत में लिंगानुपात कम होने के प्रमुख कारणों का वर्णन कीजिए।

उत्तरः–**लिंगानुपातः–** जनसंख्या में स्त्री–पुरूष की संख्या के अनुपात को लिगांनुपात कहा जाता है।

किसी क्षेत्र का लिंगानुपात उस क्षेत्र की आर्थिक, सामाजिक स्थिति को जानने में बड़ा सहायक होता है। लिंगानुपात का जनसंख्या की वृद्धि दर, वैवाहिक दर, व्यावसायिक सरंचना पर बहुत प्रभाव पड़ता है। लेकिन लिंगानुपात का कम होना कई सामाजिक समस्याओं का कारण बनता है–

1. बालिकाओं की अपेक्षा बालकों को प्राथमिकता देनाः– भारत में अनेक सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक कारणों से लड़कों को वरीयता दी जाती रही है। पुत्र की इच्छा के कारण जन्म से पूर्व ही लिंग जांच करवाकर कन्या भ्रूण की हत्या करवाना प्रमुख कारण रहा है?

2. बाल विवाह के कारण प्रसव काल में मृत्युः– भारत में लड़कियों के विवाह की निर्धारित आयु के बावजूद बाल विवाह का प्रचलन है। बाल विवाह के कारण बहुत सी बालिकाओं का कम उम्र में ही मातृत्व भार तथा दाम्पत्य जीवन में सन्तानोत्पति के कारण स्वास्थ्य बिगड़ जाता है।

3. स्त्रियों की आर्थिक निर्भरताः– भारत मे स्त्रियों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होती। उन्हें गरीबी में आर्थिक संकटों से जूझना, चिंताग्रस्त रहना और पर्याप्त स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के अभाव में कम अवस्था में ही मृत्यु हो जाने के कारण स्त्रियों की संख्या घट रही है।

4. बालिका शिक्षा का अभावः– देश में महिला साक्षरता की दयनीय स्थिति है। शिक्षा की कमी के कारण बालिकाएँ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं है। वे स्वयं के साथ हुए मानसिक शारीरिक व सामाजिक अन्याय का प्रतिरोध नहीं कर सकती है।

5. बढ़ता नगरीयकरण

6. ठोस सरकारी नीतियों का अभाव

7. बालिकाओं का पराया घन समझना

8. सामज में स्त्रियों की दयनीय स्थिति

9. सामाजिक रूढ़िया व परम्पराएँ

शेखावाटी मिशन–100

38. साक्षरता को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए।

या

भारत में साक्षरता प्रतिरूप को समझाते हुए प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए।

उत्तरः—**भारत में साक्षरता का प्रतिरूपः—** साक्षरता किसी भी सभ्य समाज का एक मापदण्ड होता है साक्षरता मानव के मानसिक, शारीरिक तथा आर्थिक स्थित पर प्रभाव डालती है।

प्रभावित करने वाले कारकः—

1. अर्थव्यवस्था का प्रसार
2. नगरीयकरण का स्तर
3. जीवन स्तर
4. जातीय सरंचना
5. समाज में स्त्रियों की दशा
6. जीवन मूल्यों का विकास
7. क्षेत्र में शैक्षिक सुविधाओं की उपलब्धता
8. यातायात व संचार साधनों का विकास
9. सरकारी नीति
10. तकनीकी विकास का स्तर
11. सार्वजनिक नीतियाँ

इस प्रकार साक्षरता की वृद्धि व प्रसार क्षेत्र की सामाजिक – आर्थिक अन्तक्रिया का परिणाम है

39. भारत की जनसंख्या की सरंचना का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

भारत की जनसंख्या के निम्न कारकों का संक्षेप में वर्णन कीजिएः—

1. ग्रामीण – नगरीय जनसंख्या
2. लिंगानुपात
3. साक्षरता
4. आयु सरंचना

1. **ग्रामीण – नगरीय जनसंख्याः—** किसी भी देश में ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या की विशेषताओं का अध्ययन ग्रामीण – नगरीय जनसंख्या के अर्न्तगत किया जाता है।

भारत में ग्रामीण – नगरीय जनसंख्या प्रतिरूप के मुख्य बिन्दू निम्न है—

1. 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में ग्रामीण व नगरीय जनसंख्या क्रमशः 68.80 प्रतिशत तथा 31.20 प्रतिशत है।
2. भारत में ग्रामीण जनसंख्या प्राथमिक कार्यों में संलग्न है जहाँ रोजगार के अवसर सीमित होने के कारण नगरीकरण की प्रवृतियां तेजी से बढ़ रही है जिसके कारण नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत तेजी से बढ़ रहा है।
3. 1951 में भारत की नगरीय जनसंख्या कुल जनसंख्या का 17.30 प्रतिशत थी जो 2011 में बढ़कर 31.20 प्रतिशत हो गयी।
4. भारत में नगरीय जनसंख्या में तीव्र वृद्धि के निम्न कारण हैः—
   (क) ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का अभाव
   (ख) शिक्षा का प्रसार
   (ग) औद्योगिकरण
   (घ) परिवहन व संचार के साधनों का विकास
   (ड़) कृषि का अलाभकारी होना इत्यादि।

लिंगानुपातः—

किसी प्रदेश में स्त्री—पुरूष जनसंख्या के अनुपातिक संबंध को लिंगानुपात कहा जाता है।

$$\text{लिंगानुपात} = \frac{\text{कुल स्त्रियों की संख्या}}{\text{कुल पुरूषों की संख्या}} \times 1000$$ अर्थात प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या

शेखावाटी मिशन–100

भारत में लिंगानुपात की मुख्य विशेषतायें निम्न हैः–

(1) लिंगानुपात के मामले में भारत की स्थिति स्त्रियों के पक्ष में नहीं है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत का लिंगानुपात 943 है। जो विश्व लिंगानुपात 984 से कम है।

(2) 2011 की जनगणना के अनुसार सर्वाधिक लिंगानुपात वाला राज्य केरल (1084) तथ न्युनत्तम लिंगानुपात हरियाणा (879) है। जबकि केन्द्रशासित प्रदेशों में पुडुचेरी (1037) सर्वाधिक तथा दमन व दीव (618) न्यूनतम है।

(3) भारत में लिंगानुपात असमानता तथा कम होने के निम्न कारण है–

(अ) भारत में लड़कियों की अपेक्षा लड़कों का अधिक जन्म लेना इसका कारण गर्भावस्था में बालिका शिशु भ्रुण – हत्या।

(ब) 2011 की जनगणना के अनुसार अधिकतम साक्षरता दर केरल (94 %) तथ न्युनतम साक्षरता दर बिहार (61.8 %) है।

(4) भारत में साक्षरता प्रवृतियों को प्रभावित करने वाले कारकः–

(क) अर्थव्यवस्था का प्रसार

(ख) नगरीकरण का स्तर

(ग) जीवन स्तर

(घ) समाज में स्त्रियों की स्थिति

(ड़) शैक्षणिक सुविधाओं की उपलब्धता इत्यादि।

आयु संरचनाः– आयु सरंचना के अध्ययन से किसी प्रदेश में श्रम – शक्ति, आश्रित जनसंख्या, कार्यशील जनसंख्या व दीर्घ आयु आदि के बारे में जानकारी प्राप्त होती है। आयु वर्ग की दृष्टि से जनसंख्या को तीन प्रमुख वर्गो में रखा जा सकता है–

(अ) बाल आयु वर्ग

(अ) बाल आयु वर्ग (0–14 आयु समूह)

(ब) वयस्क आयु वर्ग (15–64 आयु समुह)

(स) वृद्ध आयुवर्ग (65 से अधिक आयु समुह)

2011 की जनगणना के अनुसार देश की 29.5 प्रतिशत जनसंख्या किशोर वर्ग 62.5 प्रतिशत प्रोढ़ वर्ग तथा 8.4 प्रतिशत वृद्ध वर्ग में समाहित है। इससे भारतीय जनसंख्या की कार्यशीलता व आश्रित अनुपात का बोध होता है।

भारत जनांकिकीय संक्रमण की तृतीय अवस्था में है क्योंकि यहाँ प्राकृतिक वृद्धि दर उच्चत्तम है। उच्च जन्मदर के कारण 0–14 आयुवर्ग (बाल आयु वर्ग) में 29 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या पायी जाती है। भारत का आयु पिरामिड चौड़े आधार तथा नुकीले शिखर वाला है, जो जनसंख्या की गतिशीलता का द्योतक है।

अध्याय–19
विश्व : उद्योग

01. सिलिकन वैली स्थित है।
(अ) पंजाब (ब) मुम्बई (स) बैंगलूर (द) मंगलूरू (स)

02. भारत में सूती वस्त्र उत्पादन की दृष्टि से प्रथम स्थान है।
(अ) राजस्थान (ब) गुजरात (स) कर्नाटक (द) महाराष्ट्र (द)

03. भिलाई इस्पात संयत्र स्थित है।
(अ) मध्यप्रदेश (ब) उड़ीसा (स) छतीसगढ़ (द) कर्नाटक (स)

04. राउरकेला इस्पात संयत्र किस राष्ट्र के सहयोग से स्थापित किया गया।
(अ) जर्मनी (ब) रूस (स) ब्रिटेन (द) जापान (अ)

05. हिन्दूस्तान मशीन टुल्स (HMT) की स्थापना सन् 1953 में किस देश के सहयोग से की गई–
(अ) ब्रिटेन (ब) स्विट्जरलैण्ड (स) फ्रांस (द) रूस (ब)

06. भारत में विद्युत रेल इंजन बनाये जाते है।
(अ) चितरंजन (प. बंगाल)(ब) पैराम्बुर (तमिलनाडू) (स) कपूरथला (पंजाब) (द) वाराणासी (अ)

07. चीनी उत्पादन में प्रथम स्थान है।
(अ) उत्तर प्रदेश (ब) महाराष्ट्र (स) बिहार (द) कर्नाटक (ब)

08. सीमेण्ट उत्पाद के लिए कच्चा माल है।
(अ) चूना पत्थर, मैग्नीज, कोयला (ब) कोयला, जिप्सम, मैग्नीज
(स) चूना, पत्थर, जिप्सम, कोयला (द) चूना पत्थर, नमक, जिप्सम (स)

09. झरिया किस खनिज हेतु प्रसिद्ध है।
(अ) लौह–इस्पात (ब) बॉक्साइट (स) कोयला (द) चूना पत्थर (स)

10. निम्न में से कौनसा लौह इस्पात संयत्र कोयला क्षेत्र के निकट नहीं है।
(अ) दुर्गापुर (ब) विशाखापट्नम (स) हिरापुरा (द) बोकारो (ब)

11. हिन्दुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड स्थित है।
(अ) दिल्ली (ब) सूरत (स) बैंगलूरू (द) मझगॉव (स)

12. भारत में सर्वप्रथम लौह–इस्पात उद्योग की स्थापना कहाँ/कब की गई है।
उत्तरः–सांकची (जमशेदपुर), 1907 ई0 टाटा आयरन एण्ड स्टील कम्पनी (TISCO)

13. SAIL का पूरा नाम लिखिए।
उत्तरः–स्टील ऑथोरिटी ऑफ इण्डिया, 1974

14. एक टन कच्चा लोहा बनाने के लिए कौनसे पदार्थो की आवश्यकता होती है।
उत्तरः–एक टन कच्चा लौहा = 1.5 टन लौहा अयस्क + 1.4 टन कोयला + 0.3 टन चूना पत्थर + 0.1 टन मैंग्जीन + 0.1 टन डोलोमाइट

15. एल्यूमिनियम धातु के प्रमुख अयस्क का नाम बताइएं
उत्तरः–बॉक्साइट

16. एक टन एल्यूमिनियम बनाने के लिए किन पदार्थो की आवश्यकता होती है।
उत्तरः–1 टन एल्यूमिनियम=5 टन बॉक्साइट + 0.5 टन चूना + 0.3 टन पेट्रोलियम + 0.13 टन कास्टिक सोडा + विद्युत शक्ति

17. भारत में सर्वप्रथम सूती वस्त्र उद्योग की स्थापना कब एवं कहाँ की गई।
उत्तरः–1818 ई0 में डाबर द्वारा मुम्बई में।

18. भारत में सबसे ज्यादा रोजगार प्रदान करने वाला उद्योग कौनसा है।
उत्तरः–सूती वस्त्र उद्योग

शेखावाटी मिशन–100

19. भारत में भारी उद्योग की स्थापना किस देश के सहयोग से की गई।

उत्तरः—रूस एवं चेकोस्लावाकिया, 1957 में

20. BHEL का पूरा नाम लिखिए।

उत्तरः—भारत हैवी इलेक्ट्रिक्लस लि0 (1964 में स्थापना)

21. भारत का प्रमुख साईकिल निर्माण केन्द्र कौनसा है।

उत्तरः—लुधियाना (पंजाब)

22. किस उद्योग को सनराईज क्षेत्र कहाँ जाता है।

उत्तरः—ऑटोमोबाईल्स उद्योग

लघुरात्मकः—

23. मैक इन इण्डिया कार्यक्रम क्या है।

उत्तरः—निवेश को बढ़ावा देकर औद्योगिक विकास की गति को तेज करने तथा देश को मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने के लिए मैक इन इण्डिया कार्यक्रम 25 सितम्बर, 2014 को शुरू किया गया।

24. सूती वस्त्र उद्योग के स्थानीयकरण को प्रभावित करने वाले कारक लिखिए।

उत्तरः—1. कच्चामाल 2. परिवहन सुविधा 3. बाजार की सुविधा 4. नम एवं आर्द्र जलवायु
5. पर्याप्त कुशल श्रमिक 6. पूँजी 7. आधुनिक तकनिकी

25. भारत के प्रमुख वायुयान निर्माण केन्द्रों के नाम लिखिए।

उत्तरः—बैंगलूरू, कानपुर, नासिक, कोरापुट, हैदराबाद एवं कोरवा (लखनऊ)

हिन्दुस्तान एयर क्राफ्ट लिमिटेड बैंगलुरू

26. भारत में इंजिनियरिंग उद्योग की समस्याएँ लिखिए।

उत्तरः—इंजीनियरिंग उद्योग में निरन्तर विकास हो रहा है लेकिन इस उद्योग की कुछ समस्याऍ है।

1. **कच्चे माल का अभावः**—कलपुर्जो के निर्माण के लिए जिस इस्पात का उपयोग होता है वह देश में कम बनता है। अतः आयात करना पड़ता है।

2. **पूँजी का अभावः**—इस उद्योग के लिए भारी पूँजी की आवश्यकता होती है, दूर्भाग्य से देश में कमी है।

3. **अत्याधिक कर भारः**—उद्योग के उत्पादन पर भारी कर लगा होने से निर्यात में कठिनाई आती है।

4. **अन्य समस्याएँः**—विदेशी स्पर्द्धा, उत्पादन क्षमता का पूर्ण उपयोग न होना, गुणवता नियन्त्रण का अभाव।

27. भारत में चीनी उद्योग की उन्नति के सुझाव लिखिए।

उत्तरः—चीनी उद्योग की अपनी अनेकानेक समस्याऍ है। लेकिन उसके उपरान्त भी उत्पादन बढाया जा सकता है।

1. उचित निरीक्षण की व्यवस्था हो।
2. पुरानी के स्थान पर नई मशीनों की व्यवस्था हो।
3. मिल गन्ना उत्पादक क्षेत्र में ही स्थापित हो अनिवार्य किया जाए।
4. गन्ने की फसल पर विशेष ध्यान दिया जाये।
5. गन्ने की मात्रा के साथ—साथ मूल गुण को भी देखकर कीमत में समावेश किया जाये।
6. श्रमिकों के रोजगार की व्यवस्था की जाये ताकि वे वर्षभर कार्यशील रहें।
7. कर व्यवस्था में सुधार किया जाए।
8. गन्ने का भुगतान किसान को बेचते समय ही किया जाये।

(अथवा तटीय, जलवाय सूती वस्तु उद्योग के लिए अनुकूल है स्पष्ट करें।)

शेखावाटी मिशन—100

28. भारत में सूती वस्त्र उद्योग के वितरण को महाराष्ट्र गुजरात, तमिलनाडू राज्य के सन्दर्भ में समझाइए।

उत्तरः–**महाराष्ट्र** :–सूती वस्त्र उत्पादन की दृष्टि से प्रथम स्थान पर है। यहाँ 181 मिले कार्यरत है। अकेले मुम्बई में 57 सूती वस्त्र मिले है। इसी कारण मुम्बई को सूती वस्त्र की राजधानी कहते है।

अन्य केन्द्र– शोलापुर, अकोला, अमरावती, पूना, सतारा, कोल्हापुर, सॉगली, औरगांबाद, जलगॉव, नागपुर आदि

यहॉ उद्योग के विकास के प्रमुख कारणः–

1. समुद्री नम जलवायु
2. कपास उत्पादन क्षेत्र
3. टाटा विद्युत उत्पादन केन्द्र से पर्याप्त जल विद्युत शक्ति की प्राप्ति
4. बन्दरगाह से आयात – निर्यात की सुविधा
5. स्थानीय बाजार
6 परिवहन सुविधा

–वर्तमान में मुम्बई से वस्त्र उद्योग का स्थानान्तरण हो रहा है, जिसका मुख्य कारण पेट्रोलियम उद्योग की स्थापना भूमि का अधिक मूल्य, श्रमिकों का अधिक महंगा होगा।

गुजरातः–भारत में दूसरा सबसे बड़ा सूती वस्त्र उत्पादक राज्य है।

–यहाँ 135 मीले कार्यरत है।

–अहमदाबाद में 65 मीले है, इसे पूर्व का बोस्टन कहते है।

–मुम्बई जैसी सुविधाएॅ यहॉ मिलती है। उत्तम एवं महीन कपड़ा यहॉ की विशेषता है।

मुख्य केन्द्रः–सूरत, बड़ौदा, हिम्म्तनगर, अहमदाबाद

तमिलनाडूः–कपास उत्पादक राज्य नहीं होने के उपरान्त भी यहाँ सबसे ज्यादा सूती मीले है।

मुख्य केन्द्र–कोयम्बटूर, मदुरै, सेलम, चेन्नई, रामनाथपुरम, तिरूचिरापल्ली, तूतीकोरियन आदि

विकास के मुख्य कारणः–

1. पर्याप्त एवं सस्ती जल विद्युत
2. सस्ते श्रमिक
3. बन्दरगाह सुविधा
4. नम जलवायु

शेखावाटी मिशन–100

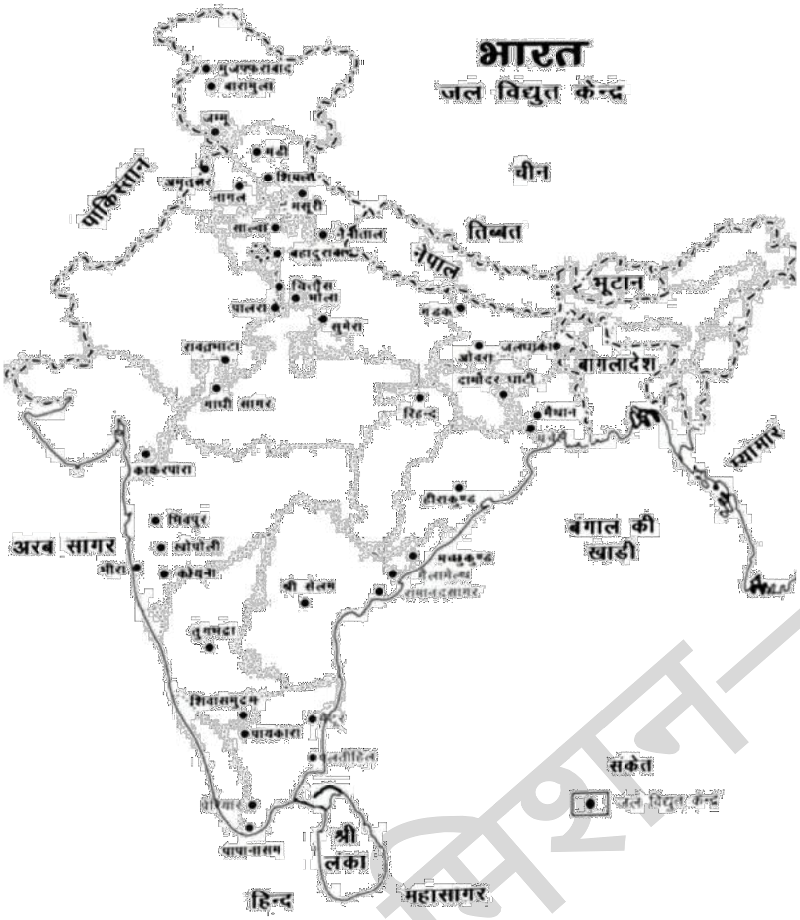
भारत
जल विद्युत केन्द्र
चीन
तिब्बत
पाकिस्तान
नेपाल
भूटान
बांगलादेश
अरब सागर
बंगाल की खाडी
श्री लंका
हिन्द
महासागर
काकरपारा
श्री सैलम
तुंगभद्रा
शिवासमुद्रम
पापानासम
संकेत

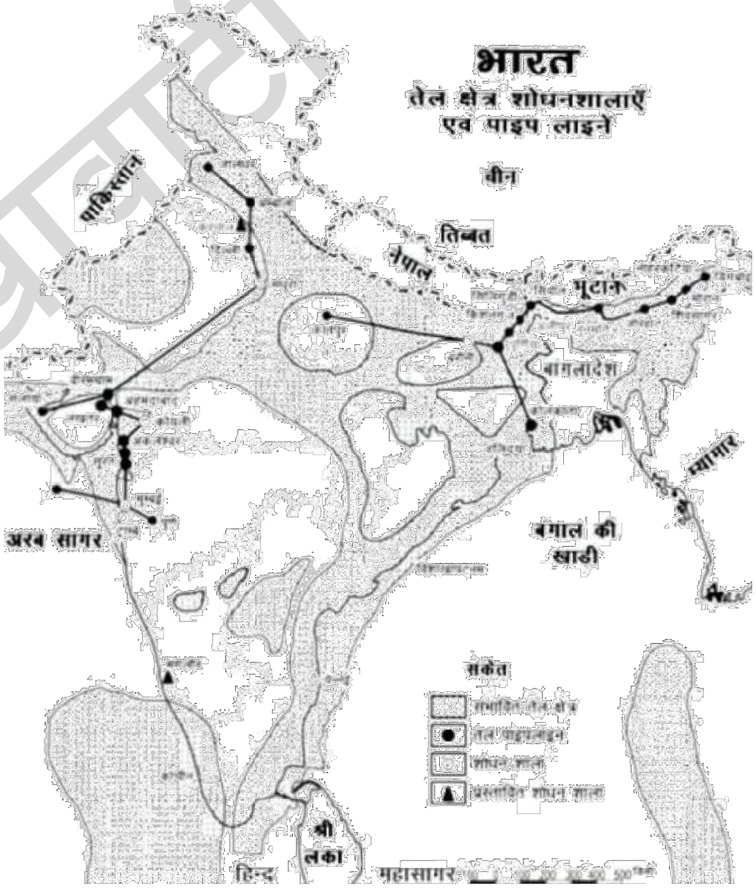
भारत
तेल क्षेत्र शोधनशालाएँ
एवं पाइप लाइनें
चीन
तिब्बत
पाकिस्तान
नेपाल
भूटान
बांगलादेश
अरब सागर
बंगाल की खाडी
श्री लंका
हिन्द
महासागर
संकेत

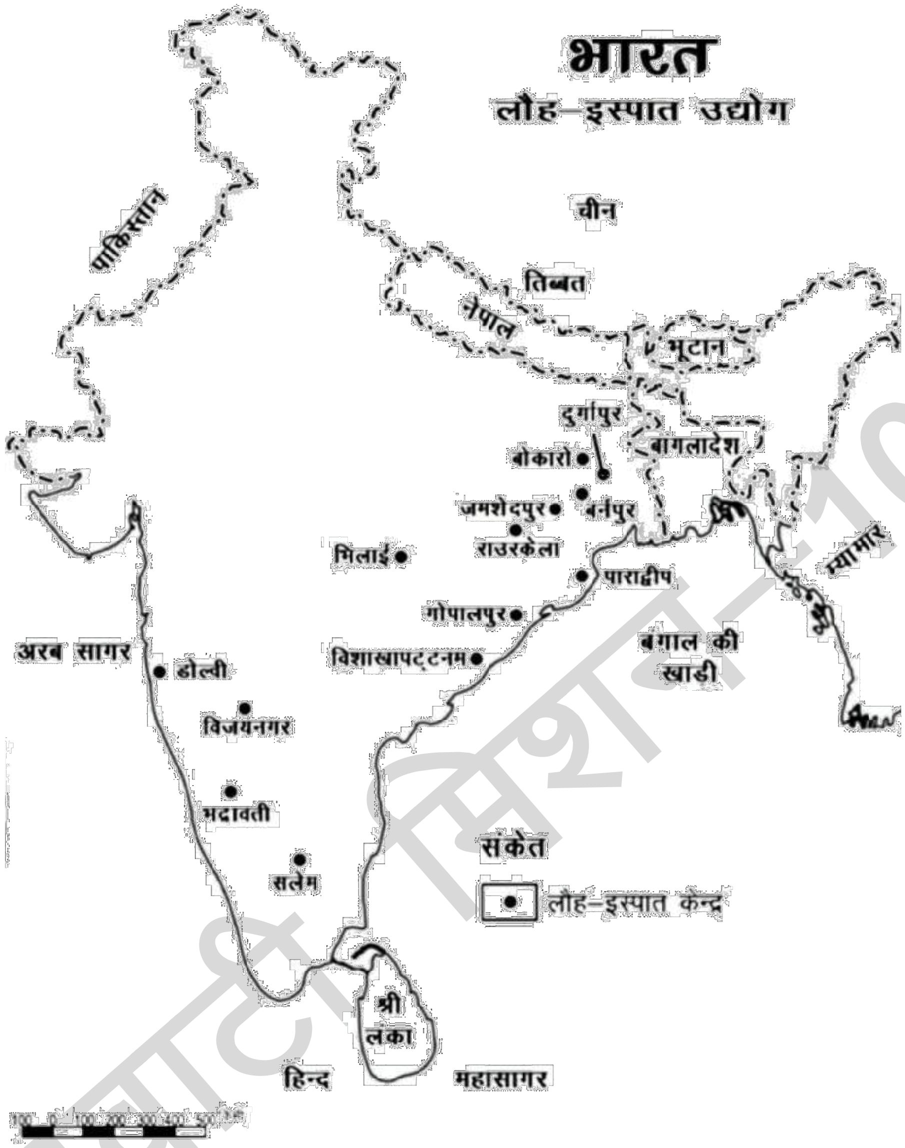

भारत
लौह–इस्पात उद्योग
पाकिस्तान
चीन
तिब्बत
नेपाल
भूटान
दुर्गापुर
बोकारो
बांगलादेश
जमशेदपुर
बर्नपुर
राउरकेला
भिलाई
पाराद्वीप
गोपालपुर
म्यामार
अरब सागर
डोल्वी
विशाखापट्टनम
बंगाल की खाडी
विजयनगर
भद्रावती
संकेत
सलेम
लौह–इस्पात केन्द्र
श्री लंका
हिन्द
महासागर

शेखावाटी मिशन–100

अध्याय–20
परिवहन

01. भारत का कितना प्रतिशत रेलमार्ग उत्तर भारत में है।
(अ) 35 (ब) 50 (स) 60 (द) 70 (ब)

02. भारत में ग्रांड ट्रक रोड का निर्माण किसने करवाया।
(अ) अशोक (ब) अकबर (स) बाबर (द) शेरशाह सूरी (द)

03. भारत का सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग की लम्बाई है।
(अ) 2369 किमी (ब) 1949 किमी (स) 1533 किमी (द) 1428 किमी (अ)

04. भारत में कुल कितने राष्ट्रीय राजमार्ग है।
(अ) 205 (ब) 190 (स) 223 (द) 235 (स)

05. भारत में कितने रेल मण्डल है।
(अ) 9 (ब) 16 (स) 17 (द) 20 (स)

06. भारत का सबसे गहरा बन्दरगाह कौनसा है।
(अ) मंगलौर (ब) पाराद्वीप (स) विशाखापट्नम (द) हल्दिया (ब)

07. भारत में मेंट्रो रेलवें की शुरूआत 1972 में कहॉ हुई।
(अ) बैंगलुरू (ब) नई दिल्ली (स) जयपुर (द) कोलकाता (द)

08. भारत में अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों की संख्या कितनी है।
(अ) 62 (ब) 80 (स) 24 (द) 23 (द)

09. 'सीमा सडक संगठन' (BRO) का गठन कब किया गया।
(अ) मई 1960 (ब) मई 1954 (स) मई 1965 (द) मई 1962 (अ)

10. देश में प्रथम ग्रीन एयरपोर्ट (जुलाई 2012) कौनसा है।
(अ) राजीव गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, हैदराबाद (ब) श्रीनगर हवाई अड्डा
(स) बैंगलुरू हवाई अड्डा (द) कोची हवाई अड्डा (अ)

11. 2015 में भारत में सड़को की कुल लम्बाई........... किमी थी। (48.85 लाख)
12. राष्ट्रीय राजमार्ग सड़क यातायात का................वहन करते है। (40 प्रतिशत)
13. राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण एवं रखरखाव ....के नियंत्रण में है। (केन्द्र सरकार)
14. ....देश का सबसे बड़ा राष्ट्रीयकृत उपक्रम है। (भारतीय रेल)
15. भारत में प्रथम रेल 16 अप्रेल 1853 में............से ....के मध्य 34 किमी में चलाई गई। (मुम्बई, थाणे)
16. वायु परिवहन की प्रथम उड़ान भारत में 1911 में .... एवं..............के बीच हुई थी। (इलाहबाद, व नैनी)
17. भारत में प्रथम राष्ट्रीय राजमार्ग.................. से ....तक 1620 किमी लम्बा है। (हल्दिया से इलाहाबाद)
18. भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड की स्थापना .... में की गई थी। (1984)
19. सड़क परिवहन के दो महत्व लिखिए।
उत्तरः–1. उपभोक्ता के घर तक पहुँच
2. उबड़–खाबड़, मरूस्थल सभी धारातलीय क्षेत्रों में सड़क निर्माण संभव
20. ग्रांड ट्रक रोड़ का निर्माण किसने करवाया था, यह कहां से कहा तक जाता है।
उत्तरः–ग्रांड ट्रक रोड़ का निर्माण शेरशाह सूरी ने करवाया था। यह ढाका से लाहोर सिन्धु नदी तक जाता है।
21. राष्ट्रीय राजमार्ग के बारे में बताइयें
उत्तरः–राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण एवं रख रखाव केन्द्रीय सरकार के नियंत्रण में है। देश में सड़को की कुल लंबाई का मात्र 1.7 प्रतिशत है किन्तु सड़क यातायात का 40 प्रतिशत भाग वहन करते है।

शेखावाटी मिशन–100

22. स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना क्या है।

उत्तरः—पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहार वाजपेयी के महत्वकांक्षी योजना इसके अन्तर्गत 4 व 6 लेन राष्ट्रीय राजमार्ग देश के चार महानगरों दिल्ली—मुम्बई—चैन्नई— कोलकाता को जोडने की है।

23. उत्तर दक्षिण तथा पूर्ण—पश्चिम गलियारा क्या है।

उत्तरः—उत्तर दक्षिण गलियारा—जम्मु कश्मीर के श्रीनगर से कन्याकुमारी तक 4016 किमी एवं पूर्व पश्चिम गलियारा—असम के सिलचर से गुजरात के पोरबन्दर तक 3640 किमी लम्बे मार्ग द्वारा जोडना है।

24. भारत में कौनसे एक्सप्रेस राजमार्ग है।

उत्तरः—देश में 5 एक्सप्रेस राजमार्ग है

1. मुम्बई—शांताकुज 2. मुम्बई—थाणे 3. कोलकाता—दमदम

4. पाराद्वीप—सुकिन्धखान 5. दुर्गापुर—कोलकाता राजमार्ग

25. राज्य राजमार्ग क्या है।

उत्तरः—इन सड़को का निर्माण व रख रखाव का कार्य राज्य सरकार द्वारा किया जाता है ये राजधानी से जिला मुख्यालय को जोड़ते है।

26. सीमावर्ती सड़के क्या है।

उत्तरः—1960 में सीमा सड़क संगठन की स्थापना की गई। सड़क का मुख्य उद्देश्य सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़को के निर्माण को बढावा देना है।

27. संसार की सबसे ऊँची सड़क कहा है।

उत्तरः—BRO ने लद्दाख से लेह तक संसार की सबसे ऊँची सडक निर्माण किया है।

28. गतिमान एक्सप्रेस कब व कहाँ से कहाँ तक शुरू की गई।

उत्तरः—गतिमान एक्सप्रेस 5 अप्रेल 2016 को हजरत निजामुद्दीन स्टेशन से आगरा केंट तक 187 किमी शुरू की गई। यह वाई—फाई से युक्त देश की पहली हाई स्पीड ट्रेन है।

29. हिम सागर एक्सप्रेस के बारे में बताइये।

उत्तरः—देश की सबसे लम्बी दूरी 3729 किमी. तय करने वाली कन्याकुमारी से जम्मुतवी तक चलती है।

30. भारत में बुलेट ट्रेन कहा चलेगी।

उत्तरः—मुम्बई—अहमदाबाद रेलमार्ग के बाद दिल्ली से 3 और शहरों तक बुलेट ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।

31. देश का पहला रेल विश्वविद्यालय कहाँ स्थापित किया गया।

उत्तरः—बडोदरा (गुजरात)

32. विश्व—विरासत में कौन से भारतीय रेलवे को शामिल किया गया है।

उत्तरः—1 माऊन्टेन रेलवे (दार्जिलिंग हिमालय रेलवे) 1999

2. नीलगिरी पर्वतीय रेलवे — 2005 में शामिल।

3. कालका शिमला रेलवे — 2008 में शामिल

33. फ्रंट कोरिडोर परियोजना क्या है।

उत्तरः—यह परियोजना देश के चार महानगरों (दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता, चैन्नई) को जोडने की है।

34. मोनो रेल भारत में कब प्रारम्भ हुई।

उत्तरः—देश की पहली मोनो रेल मुम्बई में 1 फरवरी 2014 को प्रारम्भ हुई।

35. 'द नेशनल एविएशन कम्पनी ऑफ इण्डियास लिमिटेड' का गठन कब व कैसे किया गया।

उत्तरः—1 मार्च 1994 को इण्डियन एअर लाइन्स व एअर इण्डिया का विलय कर किया गया। यह कम्पनी एअर इण्डिया के नाम से सेवा उपलब्ध करवाती है।

36. देश के दो अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के नाम बताइये।

उत्तरः—1. इन्दिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (नई दिल्ली)

2. छत्रपति शिवाजी हवाई अड्डा मुम्बई (शांताकुज)

37. आन्तरिक जल परिवहन के विकास में कोई चार बाधाएँ बताइये।

उत्तरः—1. नदियों का मौसमी होना 2. जल स्तर में परिवर्तन

3. अवसाद की अधिकता 4. जल प्रपात

38. आन्तरिक जल परिवहन के चार लाभ लिखिए।

उत्तरः—1. सबसे सस्ता परिवहन साधन 2. ऊर्जा की बचत

3. भारी सामान के परिवहन में उपयुक्त 4. प्रदूषण कम होना

39. बन्दरगाह किसे कहते है।

उत्तरः—समुन्द्र या नदी के किनारे स्थित वह नगर जिसमें एक पोताश्रय है। जहॉ जहाजों से माल उतारने तथा लघु एवं मध्यम पत्तन है।

40. भारत में कितने प्रमुख तथा लघु एवं मध्यम पत्तन है।

उत्तरः—भारत में 13 प्रमुख तथा 20 लघु एवं मध्यम पत्तन है।

41. देश का कितना प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्ग से होता है।

उत्तरः—देश का 95 प्रतिशत व्यापार (मूल्य स्तर पर 70 प्रतिशत) व्यापार समुद्री मार्ग से होता है।

42. पाइप लाइन में किन—किन वस्तुओं का परिवहन संभव है।

उत्तरः—पाइप लाइन से खनिज तेल, पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, तरल लौह अयस्क के परिवहन हेतु पाइप लाइन लाइन सस्ता एवं दुतगामी साधन है।

43. भारत की प्रमुख पाइप लाइनों का संक्षिप्त में वर्णन कीजिए।

उत्तरः—

1. नाहर नाहरकटिया—नूनमती—बरौनी पाइप लाइनः— भारत में सबसे पहली पाइप लाइन जो असम के तेल कुओं से नूनमती तेल शोधन शाला तक 443 किमी की दूरी तय कर के ले जाया जाता है। नूनमती से 724 किमी इस बिहार के बरोनी तक पाइप लाइन को बढ़ाया गया है। इस प्रकार इनकी कुल लंबाई 1167 किमी है, बरोनी से कानपुर बरौनी—हल्दिया कार्य 1966 में पूर्ण हो गया था। लाकवा—रूडसागर 1968 में पूर्ण हुआ मॉरीग्राम राजबन्ध पाइप लाइन डाली गई।

2. गुजरात की पाइप लाइनेः— अंकलेश्वर—कोयली तेल पाइप लाइन का निर्माण 1965 में पूर्ण को गया था इसके अतिरिक्त कलोल—सारबरमती तेल पाइप लाइन, नवगॉव—कालेल—कोयली पाइप लाइन, केम्बे धुबरन गैस पाइप लाइन, अंकलेश्वर—बडौदा गैस पाइप लाइन कोयली—अहमदाबाद पाइप लाइन है।

3. सलाया—कोयली—मथुरा—पाइप लाइनः— कच्छ की खाडी के समीप सलाया से मथुरा के मध्य बिछाई गई है। 1256 किमी लम्बी पाइपलाइन है। जो मुम्बई हाई से प्राप्त आयातित तेल मथुरा शोधनशाला पहुंचाती है।

4. मुम्बई—हाई—मुम्बई—अंकलेश्वर—कोयली पाइप लाइनः—मुम्बई हाई से मुम्बई तट तक तेल तथा गैस लाने के लिए दो अलग—अलग 210—210 किमी की पाइप लाइन बिछाई गई है।

भारत की प्रमुख पाइप लाइनः—

5. भारतीय गैस प्राधिकरण लिमिटेड की स्थापना 1984 में की गई थी जो 14400 किमी लम्बी पाइप लाइन का संचालन करती है।

6. (HBJ) हाजीरा—विजयपुरा—जगदीशपुर पाइप लाइनः— यह विश्व की सबसे लम्बी भूमिगत गैस पाइप लाइन है जो 1750 किमी लम्बी है। इस पाइप लाइन द्वारा उत्तर प्रदेश के 4 मध्यप्रदेश व राजस्थान के एक—एक उर्वरक कारखानों तथा औरेया (उत्तर प्रदेश) अन्ता (राजस्थान), कावस (गुजरात) ताप विद्युत गृहों को गैस पहुंचाई जाती है।

44. भारत के मानचित्र में निम्नको दर्शाइये।

उत्तरः—1. काण्डला 2. हल्दिया 3. विशाखापत्तनम 4. कोच्चि

45. भारत के मानचित्र में निम्न राजमार्गा को दर्शाइये।

उत्तरः— 1. स्वर्णिम चतुर्भूज 2. उ. दक्षिण व पूव—पश्चिम गलियारा

शेखावाटी मिशन—100

अध्याय–23
सिंचाई व पेयजल

01. राजस्थान की नदी नहीं है।
(अ) चम्बल (ब) बनास (स) गंगा (द) लूनी (स)

02. देश का कितना प्रतिशत फ्लोराइड प्रभावित क्षेत्र राजस्थान में है।
(अ) 42 (ब) 51 (स) 26 (द) 65 (ब)

03. जल संग्रहण की परम्परागत विधि नहीं है।
(अ) खडीन (ब) कुण्डी (स) नाडी (द) नलकूप (द)

04. राज्य के किस भाग में कुओं द्वारा 26 प्रतिशत से अधिक सिंचाई की जाती है।
(अ) उत्तरी व उत्तरी पूर्वी (ब) दक्षिण व दक्षिणी पूर्वी
(स) दक्षिण व उत्तरी पूर्वी (द) पूर्वी भू–भाग (अ)

05. जवाहर सागर बॉध है।
(अ) परवन नदी पर (ब) माही नदी पर (स) चम्बल नदी पर (द) बनास नदी पर (स)

06. नदियॉ जोडने वाला कानून बनाने वाला देश पहला राज्य कौनसा है।
(अ) केरल (ब) राजस्थान (स) उत्तर प्रदेश (द) बिहार (ब)

07. भौगोलिक दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य है।
(अ) मध्यप्रदेश (ब) तमिलनाडु (स) उत्तर प्रदेश (द) राजस्थान (द)

08. तालाब द्वारा सिंचाई में प्रथम स्थान................ जिले का तथा द्वितीय स्थान................. जिले का है। (भीलवाडा, उदयपुर)

09. ....देश का न्युनतम वर्षा प्राप्त करने वाला राज्य है। (राजस्थान)

10. देश का ....प्रतिशत फ्लोराइड तथा................प्रतिशत लवणता प्रभावित क्षेत्र राजस्थान में। (51 व 42)

11. ....सिंचाई व.........................सिंचाई विधियों का उपयोग कर जल की बचत करनी चाहिए। (फव्वारा, बूंद–बूंद)

यहॉ पर बहुविकल्प प्रश्न (Objeetine add) करें।

12. जल संसाधन किसे कहते है
उत्तरः–जल के वे स्त्रोत जो मानव के लिए उपयोगी है या जिनके उपयोग की संभावना हो उन्हें जल संसाधन कहते है।

13. राजस्थान में देश का कितना प्रतिशत सतही जल उपलब्ध है।
उत्तरः–राजस्थान में देश का 1–16 प्रतिशत सतही जल उपलब्ध है।

14. वर्तमान में राज्य में प्रति व्यक्ति जल की वार्षिक उपलब्धता कितनी है।
उत्तरः–राज्य में प्रति व्यक्ति जल की वार्षिक उपलब्ध 780 घन मीटर है।

15. राजस्थान की कोई चार मीठे पानी की झीलों के नाम लिखिए।
उत्तरः–जयसमन्द पिछोला, राजसमन्दा, आना सागर झील

16. राजस्थान में सर्वाधिक सिंचाई के साधन कौन से है।
उत्तरः–राजस्थान में सर्वाधिक सिंचाई कुऍ एवं नलकुपो से होती है। 66 प्रतिशत

17. 'थार का घडा' किसे कहते है।
उत्तरः–जैसलमेर जिले का चांदन क्षेत्र में नलकूप में मीठे पानी की उपलब्धता के कारण 'थार का घड़ा' कहलाता है।

18. राजस्थान की जल संचयन एवं संग्रहण की परम्परागत विधियों का नाम लिखिये।
उत्तरः–खडीन, कुण्डी, कुंई, नाडी, जोहड, तालाब आदि हमारी जल संचयन व संग्रहण की परम्परागत विधियॉ है।

19. कुऍ एवं नलकूपों से सर्वाधिक, सिंचाई वालों जिले कौनसे है।
उत्तरः–जयपुर एवं अलवर में कुऍ एवं नलकूप से सर्वाधिक सिंचाई होती है।

शेखावाटी मिशन–100

20. नहर से सर्वाधिक सिंचाई वाला जिला कौनसा है।

उत्तरः—गंगानगर नहरी सिंचाई में प्रथम स्थान पर है।

21. अमृतम जलम अभियान क्या है।

उत्तरः—राजस्थान पत्रिका का 'अमृतम जलम' अभियान जल संरक्षण अभियान है।

22. प्रदेश की मरूगंगा किसे कहते है।

उत्तरः—इंदिरा गांधी नहर को प्रदेश की मरूगंगा कहते है।

23. इंदिरा गांधी नहर का उदगम स्थल कहॉ से है।

उत्तरः—सतलज व व्यास नदी के संगम पर हरीके बैराज से इंदिरा गांधी नहर का उदगम है।

24. राजस्थान में इंदिरा गांधी नहर कहॉ प्रवेश करती है।

उत्तरः—इंदिरा गांधी नहर राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले में मसीतावाली में प्रवेश करती है।

25. चम्बल परियोजना में कौनसे बांध कहॉ बनाये गये है।

उत्तरः—1. गांधी सागर बांध — मध्यप्रदेश की भानपुर

2. राणा प्रताप सागर बांध — चितौडगढ़ के रावतभाटा

3. जवाहर सागर बांध — कोटा के समीप बोरावास गांव

4. कोटा बैराज — कोटा शहर के समीप

26. राजस्थान में आदिवासी बहुल क्षेत्र में कौनसा बांध कहॉ बनाया गया है।

उत्तरः—माही बजाज सागर बांध बांसवाडा के बोरखेडा गांव में आदिवासी जनता की समृद्धि के लिए राजस्थान व गुजरात की संयुक्त परियोजना है।

27. आपणी योजना क्या है।

उत्तरः—हनुमानगढ़, चूरू व झुन्झुनू के गॉवों में नलापूर्ति के लिए जर्मनी के सहयोग से गंधेली साहबा लिफ्ट नहर से पेयजल योजना है।

28. मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान का उद्देश्य क्या है।

उत्तरः—इस अभियान का मूल उद्देश्य ग्रामों में जल आवश्यकता की दृष्टि से आत्मनिर्भर बनाना है।

29. राजस्थान में कुल सिंचित क्षेत्र का सबसे बड़ा व सबसे कम भाग किन जिलो में है।

उत्तरः—राजस्थान में कुल सिंचित क्षेत्र का सबसे बडा भाग श्रीगगानगर एवं सबसे कम भाग राजसमंद जिलो में है।

30. जल संरक्षण की दो विधियों के नाम लिखिए।

उत्तरः—1. सिंचाई की नवीन पद्धतियों को अपनाना 2. वर्षा जल संचयन

31. राज्य की सबसे बड़ी पेयजल योजना कौनसी है।

उत्तरः—बीसलपुर परियोजना राज्य की सबसे बड़ी पेयजल योजना है।

32. इंदिरा गांधी नहर परियोजना का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तरः—प्रदेश की जीवन रेखा मरूगंगा कही जाने वाली यह परियोजना पूर्ण होने पर विश्व की सबसे बड़ी परियोजना होगी। इसका नाम पहले राजस्थान नहर था। 2 नवम्बर 1984 को इसका नाम इंदिरा गांधी नहर परियोजना कर दिया गया। इसका उद्देश्य पश्चिमी राजस्थान में सिंचाई, पेयजल, मत्सय पालन हेतु जल उपलब्ध करवाना है इसका सुझाव 1948 में बीकानेर के तत्कालीन सिंचाई इंजीनियर कंवरसेन ने दिया था। रावी व व्यास नदियों से राजस्थान को आवंटित 86 लाख एकड़ घन फीट जल के उपयोग के लिए केन्द्र सरकार ने स्वीकृति दी 1952 में सतलज व व्यास नदी के संगम पर हरीके बैराज से बाड़मेर के गडरा रोड़ तक नहर का लक्ष्य रखा जिसमें श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर, चूरू व नागौर को जलापूर्ती हो सके।

हरीके बैराज से मसीतावाली तक 204 किमी (189 किमी पंजाब व हरियाणा + 35 किमी राजस्थान में) फीडर नहर है। फीडर सहित मुख्य नहर 649 किमी है वितरिकाओं की लंबाइ 9060 किमी है।

इस परियोजना को दो चरणें में लागु किया गया है।

प्रथम चरणः—345 किमी लम्बी वितरिका बनाना। 5.53 लाख हेक्टेअर में सिंचाई

द्वितीय चरणः—256 किमी मुख्य नहर 5780 किमी. वितरिका निर्माण 6.97 लाख किमी हेक्टर क्षेत्र में सिंचाई करना।

थार मरूस्थल का ढाल पश्चिम में होने के कारण पूर्वी भाग में पानी लाने के लिए 8 लिफ्ट नहरें बनाई गई है जो निम्न है।

1. गंधेली (नोहर) साहवा चौधरी कुंभाराम लिफ्ट नहर।
2. (बीकानेर—लुणकरणसर) कंवरसेन लिफ्ट नहर।
3. (गजनेर) पन्नालाल बारूपाल लिफ्ट नहर।
4. (बांगडसर) वीर तेजाजी लिफ्ट नहर।
5. (कोलायत) डॉ. करणीसिंह लिफ्ट नहर।
6. (फलौदी) गुरू जम्भेश्वर लिफ्ट नहर।
7. (पोकरण) जयनारायण व्यास लिफ्ट नहर।
8. (जोधपुर) राजीव गांधी लिफ्ट नहर

इंदिरा गांधी नहर से प्रमुख शाखा नहरें निम्न है।

1. रावतसर शाखा (हनुमानगढ़)
2. सूरतगढ शाखा (श्रीगंगानगर)
3. अनूपगढ शाखा (श्री गंगानगर)
4. पूंगल शाखा (बीकानेर)
5. चारणवाला शाखा (बीकानेर)
6. दात्तोर शाखा (बीकानेर)
7. बिरसलपुर शाखा (बीकानेर)
8. शहीर बीरवल शाखा (जैसलमेर)
9. सागरमल गोपा शाखा (जैसलमेर)

लाभः—

1. सिंचाई के रूप में प्रत्यक्ष लाभ
2. व्यवसायिक फसलों की पैदावार
3. नये नगर व्यापारिक मण्डियों की स्थापना
4. पशु पालन, मत्स्य पालना का विकास
5. वर्तमान ऊन व्यवसाय को लाभ
6. 9.5 लाख टन अतिरिक्त खाद्यान उत्पादन संभव
7. मरूस्थल नियंत्रण
8. वन क्षेत्र, चारागाहों का विकास
9. बंजर भूमि विकास संभव

सूरतगढ व अनूपगढ़ शाखाओं पर 3 लघु विद्युत ग्रह बनाये गये है। इस परियोजना से गंगानगर, हनुमागढ, बीकानेर, जैसलमेर में 12.74 लाख हैक्टअर पर सिंचाई हो रही है, तथा पश्चिमी राजस्थान की आठ जिलों की लगभग 1.80 करोड़ जनसंख्या को पेयजल आपूर्ती हो रही है। सिचांई से कृषि उत्पादन बढा हैं अकाल पर रोक लगी है। मानव अधिवासों को प्रोत्साहन मिला है। विद्युत उत्पादन के साथ—साथ पशु पालन खनिज उद्योग व मत्सय उद्योग का भी विकास हुआ है। लोगों की आय बढ़ने से जीवन स्तर में सुधार आया है।

शेखावाटी मिशन—100

33. चम्बल घाटी परियोजना का विस्तार से वर्णन कीजिए।

उत्तरः—चम्बल परियोजना राजस्थान व मध्यप्रदेश की संयुक्त परियोजना है। दोनो राज्यों की हिस्सेदारी आधी— आधी है। परियोजना का कार्य 1952—54 में प्रारम्भ हुआ। इसका उद्देश्य चम्बल की विनाशकारी लीला को समाप्त कर 56 लाख हैक्टयर में सिंचाई व 230 मैगावाट विद्युत उत्पादन करना था। इस परियोजना के अन्तर्गत चार बांध बनाये गये है।

1. गांधी सागर बांधः— यह बांध 1960 में मध्यप्रदेश की भानपुरा तहसील में बनाया गया है। यह चौरासीगढ़ से 8 किमी. पहले एक घाटी में बनाया गया है। इससे दो नहरे निकाली गई है।

क. बाई नहर—बूंदी तक जाकर मेज नदी में मिलती है।

ख. दायी नहर—पार्वती नदी को पार कर मध्यप्रदेश में चली गयी है।

2. राणा—प्रताप सागर बांधः— यह बांध गांधी सागर से 48 किमी आगे चित्तौडगढ़ में चुलिया जल प्रपात के समीप रावतभाटा नामक स्थान पर 1970 में बनाया गया है।

3. जवाहर सागर बांधः— रावतभाटा से 38 किमी आगे कोटा के समीप बोरावास गांव में बनाया गया है। यहॉ एक जल विद्युत शक्ति ग्रह भी बनाया गया है।

4. कोटा बैराजः— यह कोटा शहर के पास बनाया गया है। केवल सिंचाई की सुविधा के उद्देश्य से बनाये बांध को बैराज कहते है। इसमें दो नहरे निकाली गयी है। दायीं नहर पार्वती व परवन नदी को पार करके मध्यप्रदेश में चली गई है। जबकि बायीं नहर से राजस्थान के कोटा, बूंदी जिलो में सिंचाई व जलापूर्ती होती है।

चम्बल परियोजना के कारण ही कोटा एक प्रमुख औद्योगिक केन्द्र बन गया है। बाढ पर नियंत्रण के साथ ही साथ 5—6 लाख हैक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई की सुविधा बढी हे। कृषि का तेजी से विकास हुआ है। पर्यटन क्षेत्र को भी बढ़ावा मिला है।

शेखावाटी मिशन—100

अध्याय–24
राजस्थानः खनिज व उद्योग

01. राजस्थान में कितने प्रकार के खनिज का खनन होता है।

(अ) 76 (ब) 67 (स) 44 (द) 23 (ब)

02. ईंधन खनिज नहीं है।

(अ) कोयला (ब) खनिज तेल (स) तांबा (द) प्राकृतिक गैस (स)

03. थारपारकर नस्ल की गाय कहां पायी जाती है।

(अ) जयपुर (ब) सीकर (स) अलवर (द) जैसलमेर (द)

04. गीर नस्ल की गाय कहॉ नहीं पायी जाती है।

(अ) अजमेर (ब) भीलवाडा (स) पाली (द) बाड़मेर (द)

05. राजस्थान में देश की कुल पशुधन शक्ति का भाग उपलब्ध है।

(अ) 10 प्रतिशत (ब) 30 प्रतिशत (स) 35 प्रतिशत (द) 40 प्रतिशत (अ)

06. कॉकरेज नस्ल पायी जाती है।

(अ) जालौर (ब) सिरोठी (स) पाली (द) उपर्युक्त सभी (अ)

07. 'गोपाल कार्यक्रम' उन्नयन हेतु बनाया गया है।

(अ) ऊॅट (ब) घोडें (स) गोवंश (द) भेड़ें (स)

08. सीसा–जस्ता उत्पादन की सबसे बडी खान है।

(अ) देबारी (ब) अलवर (स) खो दरीवा (द) उपर्युक्त सभी (अ)

09. टंगस्टन का उत्पादन किस जिले में होता है।

(अ) अजमेर (ब) नागौर (स) भीलवाडा (द) सिरौही (ब)

10. राजस्थान में डेयरी क्षेत्र में श्वेत क्रांती की शुरूआत कब हुई थी।

(अ) 1965 (ब) 1968 (स) 1970 (द) 1982 (स)

11. सीसा–जस्ता मिश्रित अयस्क ....से मिलता है। (गैलेना)
12. सतरंगा मार्बल.......................... जिले में मिलता है। (पाली)
13. टंगस्टन .... अयस्क से प्राप्त होता है। (वुल्फ्रेमाइट)
14. जिप्सम का सर्वाधिक उपयोग................बनाने में होता है। (उर्वरक)
15. पेट्रोलियम की उपस्थिति केवल.............चट्टानों में ही संभव हैं।(अवसादी)
16. गोटा उद्योग के लिए .... व .... जिले प्रसिद्ध है। (अजमेर, जयपुर)
17. डोरिया व मसूरिया साडियों के लिए ....जिला प्रसिद्ध है। (कोटा)
18. देश के कुल खनिज उत्पादन में राजस्थान का योगदान................प्रतिशत है। (22 प्रतिशत)
19. मिट्टी की मूर्तियों के लिए.................गांव राजसमंद प्रसिद्ध है। (मोलेला)
20. फड चित्रण के लिए................. प्रसिद्ध है। (शाहपुरा)
21. राजस्थान को खनिजों का अजायबघर क्यों कहा जाता है।

उत्तरः–राजस्थान में विविध खनिजों की प्राप्ति के कारण खनिजों का अजायबघर कहा जाता है।

22. राजस्थान में एकाधिकार वाले खनिज कौन से है।

उत्तरः–वालोस्टोनाइट, जास्पर, जस्ता, सीसा, फ्लोराइट, जिप्सम, संगमरमर, ऐस्बेस्टॉस, धीया पत्थर व रॉक फॉसफेट।

23. राजस्थान में सीसा–जस्ता के निक्षेप किस काल की चट्टानों में मिलते है।

उत्तरः–सीसा–जस्ता के निक्षेप आर्कियन व प्रोटोजोइक काल ही चट्टानों में मिलते है।

शेखावाटी मिशन–100

24. टंगस्टन धातु के दो उपयोग बताइये।

उत्तरः–1. बिजली के बल्ब बनाने में 2. सामरिक महत्व के हथियार बनाने में

25. चंदेरिया किसके लिए प्रसिद्ध है।

उत्तरः–जिंक रूस्मलेटर के लिए । एशिया का सबसे बड़ा सुपर जिंक स्मेल्टर चितौडगढ़ के चंदेरिया में ब्रिटेन की सहायता से 2005 में स्थापित किया गया था।

26. राजस्थान के मकराना के संगमरमर से निर्मित प्रसिद्ध इमारतों के नाम बताइये।

उत्तरः–1. आगरा का किला 2. ताजमहत 3. विक्टोरिया पैलेस

27. राजस्थान में प्रथम सूती वस्त्र का कारखाना कौनसा व कब स्थापित हुआ था।

उत्तरः–दी कृष्णा मिल्स लिमिटेड ब्यावर सन 1889 में दामोदर दास व्यास द्वारा निजी क्षेत्र में स्थापित किया गया था।

28. राजस्थान में सर्वाधिक व न्यूनतम गौवंश किन जिलों में पाया जाता है।

उत्तरः–राजस्थान में सर्वाधिक गौवंश उदयुपर जिलों में व न्यूनतम धौलपुर जिले में है।

29. अजरख प्रिंट व जाजम छपाई कहॉ की प्रसिद्ध है।

उत्तरः–बाडमेर की अजरख प्रिंट व चित्तौडगढ़ की जाजम छपाई प्रसिद्ध है।

30. राजस्थान के किन जिलों में संगमरमर के खिलौने व मुर्तियों का कार्य किया जाता है।

उत्तरः–संगमरमर के खिलौने व मुर्तियों का काम जयपुर, सिरोही, जैसलमेर, किशनगढ, मकराना, अजमेर व राजसमंद में किया जाता है।

31. राजस्थान में कृत्रिम रेशम का विकास किन जिलों में किया जा रहा है।

उत्तरः–राजस्थान में कृत्रिम रेशम का विकास कोटा, उदयपुर, बांसवाडा में किया जा रहा है।

32. राजस्थान में तांबा उत्पादन क्षेत्र कौनसा है।

उत्तरः–राजस्थान में तांबा उत्पादन क्षेत्र झुन्झुनू जिलो के खेतडी सिंघाना, सीकर में नीमकाथाना, अलवर जिले में खो दरीबा खाने महत्वपूर्ण है।

33. राजस्थान में सीसा–जस्ता उत्पादन खेत्र बताइये।

उत्तरः–राजस्थान में उदयुपर में जावर, राजसमंद में राजपुरा दरीबा तथा भीलवाडा में रामपुरा–आंगुचा सवाईमाधोपुर में चौथ का बरवाडा व अलवर में गूढा–किशोरीदास प्रमुख सीसा–जस्ता उत्पादक क्षेत्र है।

34. राजस्थान में टंगस्टन / उत्पादन कहॉ होता है।

उत्तरः–राजस्थान में टंगस्टन उत्पादन नागौर के डेगाना के रेवत व भाकरी तथा सिरोही का बाल्दा क्षेत्र है।

35. राजस्थान में प्रमुख पेट्रोलियम उत्पादक क्षेत्र बताइये।

उत्तरः–राजस्थान में पेट्रोलियम उत्पादन पश्चिमी राजस्थान में बाडमेर, जैसलमेर, बीकानेर व पश्चिमी जोधपुर है। बाडमेर, सांचौर बेसिन प्रमुख है।

36. राजस्थान में सीमेंट उद्योग विकास के क्या कारण है।

उत्तरः–1. राज्य में चूना–पत्थर भण्डार 2. लिग्नाइट कोयले की उपलब्धता

37. चूरू–बीकानेर में जिप्सम उत्पादन क्षेत्र कौनसे है।

उत्तरः–बीकानेर क्षेत्र में–जामसर, लुणकरणसर, तारानगर, चूरू मे जिप्सम उत्पादन क्षेत्र है।

38. 'मेक इन राजस्थान' का नारा कब दिया गया।

उत्तरः–2015 में राज्य सरकार ने मेक इन राजस्थान का नारा दिया।

39. तेल व वनस्पति घी उद्योग का विकास राज्य के कौनसे जिलो हुआ है।

उत्तरः–तेल व वनस्पति घी उद्योग राज्य में अलवर, भरतपुर, सवाईमाधोपुर, गंगानगर, कोटा, बूंदी व अजमेर जिलो हुआ है।

40. ऊनी बरडी, कम्बल व खेस कहा के प्रसिद्ध है।

उत्तरः–ऊनी बरडी जैसलमेर, ऊनी कम्बल बीकानेर व चौमू के खेस प्रसिद्ध है।

शेखावाटी मिशन–100

41. राजस्थान में सीमेंट उद्योग का वर्णन कीजिए।

उत्तरः—राजस्थान में कच्चे माल (लाइम स्टोन व जिप्सम) के खनन के कारण सीमेंट उद्योग की स्थापना अधिक हुई है। सीमेंट एक आधारभूत संचरनात्मक उद्योग है।

राजस्थान का सीमेंट उत्पादन में आन्ध्रप्रदेश के बाद देश में दूसरा स्थान है। राज्य में 2.5 विलियन टन चूना पत्थर के भण्डार है। इस उद्योग के स्थानीयकरण की दृष्टी से सर्वाधिक अनुकूल एवं उत्तम स्थिति में चितौडगढ़ व सवाईमाधोपुर जिलो की है। राज्य में सीमेंट उद्योग का प्रारम्भिक स्थानीयकरण पूर्वी और दक्षिणी—पूर्वी जिलों बूंदी, सवाईमाधोपुर, कोटा, चितौडगढ़ और उदयपुर में चूना—पत्थर की उपलब्धता वाले स्थानों पर हुआ है। विगत कुछ वर्षो में इस उद्योग का स्थानीयकरण दक्षिणी—पश्चिमी जिलों विशेषकर सिरोही, जोधपुर, नागौर, पाली व जैसलमेर में होने लगा है। राज्य के पश्चिमी जिलों में नहरी जल की उपलब्धता व वैकल्पिक ऊर्जा के स्त्रोतों से ऊर्जा की प्राप्ति के कारण इस उद्योग का तीव्र स्थानीयकरण हुआ है।

सीमेन्ट उद्योग का विकासः— राजस्थान में सबसे पहले सीमेन्ट कारखाने की शुरूआत 1915 में ए.सी.सी. कम्पनी द्वारा लाखेरी (बूंदी) में स्थापना के साथ हुयी। 2012 के अनुसार राज्य में सीमेन्ट बनाने के 19 बड़ें, 4 मध्यम और 104 लघु कारखाने स्थापित है।

चितौडगढ़ डबोक (उदयपुर) चन्देरिया, निम्बाहेडा, मोडक (कोटा) ब्यावर (अजमेर) कोटा, रास (पाली) पिण्डवाडा (सिरोही), गोटन (नागौर), खारिया खंगार (जोधपुर) में प्रमुख सीमेंट उत्पादक उद्योग है। गोटन (नागौर) में जे.के व्हाइट सीमेंट तथा खारिया खंगार (भोपालगढ़—जोधपुर) में बिरला व्हाइट सीमेंट के कारखाने है।

राज्य में छोटे कारखाने अधिक स्थापित करने के लिए निम्न कारण हैः—

1. लागत कम आना
2. राज्य में फैले चूना पत्थर के भण्डार का उपयोग।
3. बिजली की खतप कम

राजस्थान में सीमेन्ट उद्योग के तीव्र विकास में कुछ महत्वपूर्ण बाधाएँ—पूरानी तकनीक कोयले की कमी, ब्रॉडगेज की कमी। विद्युत की अनियमित आपूर्ती व अपर्याप्त मांग आदि है।

वर्तमान में श्री सीमेन्ट, बिरला, ग्रेसिम, अम्बूजा, एसीसी, बांगर, ब्रिनानी, लक्ष्मी व वण्डर प्रमुख सीमेंट कम्पनियां अस्तित्व में है।

42. राजस्थान में गौवंश की प्रमुख नस्लों का क्षेत्रीय वितरण को समझाइये।

उत्तरः—राजस्थान मे गौवंश का क्षेत्रीय वितरण निम्न प्रकार हैः—

1. गीरः— इस नस्ल की गाये अजमेर, भीलवाडा, पाली व चितौडगढ़ जिलों में पी जाती है। इसे गुजरात में गिर व राजस्थान में रैण्डा व अजमेरी के नाम से जाना जाता है। ये दूध उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।

2.थारपाकरः— इस नस्ल की गायों का मूल स्थान जैसलमेर का मालाणी क्षेत्र है। पूर्णतया शुष्क परिस्थितियों में भी यी उचित मात्रा में दूध देती है। जैसलमेर, बाडमेर, जोधपुर, बीकानेर व जालौर में यह नस्ल पायी जाती हे।

3. राठीः— यह लाल सिंधी व साहीवाल की मिश्रित नस्ल है यह दूध देने मे अग्रणी होने के कारण इसे राजस्थान की कामधेनु कहा जाता है। यह बीकानेर, श्रीगंगानगर, जैसलमेर व चुरू के कुछ भागों मं पाली जाती है।

4. कांकरेजः— इन गायों का मूल स्थान गुजरात का कच्छ का रन है। ये भारवाहन व दूग्ध उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है। ये बाडमेर सांचोर, जालोर, जोधपुर में पाली जाती है।

5. सांचौरः— जालौर जिले के सांचौर, सिरोही एवं उदयपुर जिलों में पाया जाने वाला गौवंश संख्या में अधिक किन्तु दूग्ध उत्पादन में सामान्य श्रेणी का है।

6. मेवाती (कोठी)ः— ये नस्ल हल जोतने व बोझा ढोने हेतु उपयुक्त है। ये अलवर, भरतपुर में अधिक पायी जाती है।

7. विदेशी नस्लः— वर्तमान में राजस्थान में अधिक दुध देने वाली विदेशी नस्लों की जर्सी, पॉलिस्टिन व रेड डेन गाये भी पाली जाती है।

शेखावाटी मिशन—100

अध्याय–25
राजस्थान : जनसंख्या व जनजातियाँ

01. राजस्थान में भारत के कुल क्षेत्रफल का प्रतिशत व जनसंख्या का प्रतिशत है।
(अ) 9.50 व 3.00 (ब) 10.41 व 5.66 (स) 15 व 10.00 (द) 7.50 व 2.00 (ब)

02. राजस्थान का जनसंख्या घनत्व 2011 की जनगणना अनुसार कितना है।
(अ) 165 (ब) 350 (स) 200 (द) 400 (स)

03. राजस्थान के किस जिले में साक्षरता सर्वाधिक है।
(अ) जयपुर (ब) कोटा (स) झुन्झुनू (द) सीकर (ब)

04. गरासिया जनजाती द्वारा कौनसा नृत्य नहीं किया जाता है।
(अ) वालर (ब) गरबा (स) मोरिया (द) नेजा (द)

05. बेणेश्वर मेला लगता है।
(अ) ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा पर (ब) माघ शुक्ल पूर्णिमापर
(स) आषाढ शुक्ल पूर्णिमा पर (द) पौष शुक्ल पूर्णिमा (ब)

06. राजस्थान का लिंगानुपात है।
(अ) 923 (ब) 940 (स) 955 (द) 928 (द)

07. निम्न में से जनजाती नहीं है।
(अ) भील (ब) खटीक (स) मीणा (द) डामोर (ब)

08. सहरिया जनजाति का केन्द्र है।
(अ) माण्डलगढ तहसील में (ब) घरियावाद तहसील में
(स) शाहबाद तहसील में (द) बूंदी तहसील में (स)

09. राजस्थान में किस जिले की साक्षरता सबसे कम है।
(अ) जैसलमेर (ब) बाड़मेर (स) जालौर (द) बांसवाडा (स)

10. नेजा नृत्या किया जाता है।
(अ) बांसवाडा के भीलों द्वारा (ब) खैरवाडा के मीणा द्वारा
(स) भीलवाडा के भीलों द्वारा (द) भरतपुर के मीणा द्वारा (ब)

11. सन् 2001 से 2011 तक राजस्थान में जनसंख्या दशाब्दी वृद्धि दर.................प्रतिशत रही। (21.31 प्रतिशत)

12. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की कुल जनसंख्या................... करोड है। (6.85 करोड़)

13. 2011 की जनगणना के अनुसार राजस्थान की साक्षरता का औसत ....प्रतिशत था। (67.06)

14. सॉसी जनजाति मुख्यतः .... व................ जिले में निवास करती है। (भरतपुर व अजमेर)

15. ....तथा...................डामारों के दो प्रमुख मेले है। (छला बावजी तथा ग्यारस की रैवाडी)

16. राज्य में किस जनगणना वर्ष में जनसंख्या घटी थी।
उत्तरः–राज्य में 1921 में जनसंख्या घटी थी।

17. राजस्थान में सर्वाधिक वृद्धि दर वाला जिला कौनसा है।
उत्तरः–बाड़मेर सर्वाधिक वृद्धि दर वाला जिला है। 32.50

18. राजस्थान में सबसे अधिक व न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाले जिले कौनसे है।
उत्तरः–सर्वाधिक जयपुर (595), न्युनतम–जैसलमेर (17)

19. पश्चिमी राजस्थान में कम जनसंख्या पायी जाने के दो कारण कौनसे है।

उत्तरः–1. मरूस्थलीय प्रदेश

2. जल की कमी

20. राजस्थान में लिंगानुपात कम होने के दो कारण बताइये।

उत्तरः–1. पितृसतात्मक परिवार होने के कारण पूत्रों को प्राथमिकता देना।

2. बाल विवाह करना।

21. भील जनजाति के प्रमुख नृत्य कौनसे है।

उत्तरः–गवरी व घूमर भीलों के प्रमुख नृत्य है।

22. सहलोत किसे कहते है।

उत्तरः–गरासिया जनजाति में पंचायत के मुखिया को सहलोत कहते है।

23. भीलों के मुखिया को क्या कहते है।

उत्तरः–गमेती

24. चिमाता व दजिया क्या है।

उत्तरः–पहाडी ढालों पर की जाने वाली खेती को चिमाता व मैदानी भागों में की जाने वाली खेती को दजिया कहते है।

25. साक्षरता दर का सूत्र लिखिए।

उत्तरः– $\text{साक्षरता दर} = \dfrac{\text{साक्षर जनसंख्या}}{\text{7 वर्ष या उससे अधिक आयु की जनसंख्या}} \times 100$

26. राजस्थान में मीणा जनजाति के प्रमुख मेले कहाॅ लगते है।

उत्तरः–महावीर जी, सवाईमाधोपुर के गणेश जी, सीकर में जीणमाता मंदिर मीणाओं के प्रमुख मेले है।

27. राजस्थान की महिला व पुरूष साक्षरता दर कितनी है।

उत्तरः–महिला साक्षरता दर –52.1 प्रतिशत पुरूष साक्षरता दर 79.2 प्रतिशत।

28. 2011 की जनगणना में राजस्थान के किस जिले की साक्षरता वृद्धि सर्वाधिक रही।

उत्तरः–डुंगरपुर 10.90 प्रतिशत सर्वाधिक साक्षरता रही।

29. राजस्थान में अनुसूचित जनजातियों का कितना प्रतिशत है।

उत्तरः–13.48 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति है।

30. राजस्थान सरकार द्वारा जनजाति की आर्थिक दशा में सुधार हेतु दो कार्यक्रमों के नाम लिखिए।

उत्तरः–1. जनजाति उपयोजना क्षेत्र (टाडा)

2. परिवर्तित क्षेत्र विकास कार्यक्रम (माडा)

31. गरासिया जनजाति का निम्न शीर्ष को में वर्णन कीजिए।

उत्तरः–1. आवास क्षेत्र 2. सामाजिक जीवन 3. आर्थिक गतिविधि

1. आवास क्षेत्रः– राजस्थान की तीसरी बड़ी जनजाति गरासिया है। यह सिरोही ही आबूरोड़ एवं पिंडवाडा तहसीलों में गरासिया जनजाति बाहुल्य क्षेत्र है, आबूरोड़ का भाखर क्षेत्र गरासियों का मूल प्रदेश माना जाता है। राजपूतों के आगमन के पूर्व गरासिया सिरोही पिण्डवाडा व आबूरोड के पहाडी क्षेत्रों में राज्य करते है।

शेखावाटी मिशन–100

2. सामाजिक जीवनः— गरासियों में तीन प्रकार के विवाह प्रचलित है, मोर बांधिया जिसमें फेरे होते है। पहरावना विवाह में नाममात्र के फेरे होते है। ताणना विवाह में वर पक्ष कन्या पक्ष के कन्या का मूल्य चुकाता है। इनमें विधवा विवाह का भी प्रचलन है।

गरासिया समाज के लोग एकाकी परिवार के रूप में रहते है, पिता परिवार का मुखिया होता है। समाज में पुत्र गोद लेने की प्रथा है। प्रचलित है सामाजिक परिवेश की दृष्टि से गरासिया तीन वर्गो में बटे हुये है। मोटी नियात, नेनकी नियात तथा निचली नियात।

गरासिया समाज में जाति पंचायत का बहुत महत्व है। गांव व भाखर स्तर पर जाति पंचायत होती है। पंचायत का मुखिया सहलोत कहलाता है।

इस जनजाति के प्रतिवर्ष कई स्थानीय, संभागीय व बडे मेले भरते है। बड़े मेले 'मनखारों मेलों' के नाम से विख्यात है। अम्बाजी के पास कोटेश्वर का मेला, चेतर विचितर मेला कोटडा, गोगुन्दा का गणगौर मेला प्रमुख है।

वालर, गरबा, गैर, मोरिया व गौर गरासियों के मुख्या नृत्य है। ये नृतय करते समय लय व आनन्द में डूब जाते है। रहन—सहन वेशभूषा की दृष्टि से गरासिया जनजाति की अपनी अलग पहचान है। गरासिया पुरूष धोती, कमीज पहनते है और सिर पर तौलिया बॉधते है। गरासिया स्त्रियॅा गहरे तड़क—भड़क वाले कपड़े पहनती है। अपने तन को पूर्णरूप से ढकती है। गरासियों में भी गोदना, गुदवाने की प्रथा है। ये लोग शिव, भैरव व दूर्गा के उपासक है।

3. आर्थिक गतिविधियः— गरासिया जनजाति की अर्थव्यवस्था कृषि, पशुपालन, शिकार, लकड़ी काटने व वनोत्पादों के एकत्रीकरण पर आधारित है। अब ये लोग मजदूरी के लिए कस्बों व शहरों में भी जाने लगें है। हरी भावरी गरासियों द्वारा की जावे वाली सामुहिक कृषि का एक रूप है। ये लोग अनाज का संग्रहण सोहरी (कोठी) में करते है।

32. सहरिया जनजाति का निम्न शीर्षकों में वर्णन कीजिए।

1. निवास क्षेत्र 2. आवास 3. सामाजिक जीवन 4. आर्थिक गतिविधि

उत्तरः—**1. निवास क्षेत्रः**— राज्य के 98 प्रतिशत सहरिया बारा जिले में किश्सगंज व शाहवाद तहसीलों में निवास करते है। सहरिया फारसी शब्द से बना है। जिसका अर्थ जंगल होता है।

2. आवासः— सहरिया जनजाति के घरों को टापरी व टोपा कहते है। टापरी मिट्टी पत्थर, लकडी और घास फूस की बनी होती है। टोण घने जंगलों में पेड़ों पर या बल्लियों पर बने मचान को कहते है। इनकी छोटी बस्तियॅा सहराना व गॉव सहरोल कहलाते है।

3. सामाजिक जीवनः— सहरिया जनजाति में एकांकी की परिवार पाये जाते है। इनमें बहुपत्नी प्रथा का रिवाज है। नाता प्रथा भी इनमें प्रचलित है। सहरिया जनजाति में लड़की के जन्म को शुभ माना जाता है। बांरा जिले में केलवाडा के पास सीताबाडी में लगने वाला मेला इनका पवित्र स्थान है। ये वाल्मिकी ऋषि को अपना कुल देवता मानते है। ये लोग धोती, कमीज व साफा पहनते है। स्त्रियां घाघरा, लूगडी और लम्बी बॉह का कमीज पहनती है। स्त्रियॅा शरीर पर गोदने गुदवाती है।

4. आर्थिक गतिविधियाँः— सहरियों की अर्थव्यवस्था का मुख्या आधार वनोत्पाद व स्थानान्तरित कृषि है। इस जनजाति में साक्षरता का प्रतिशत बहुत ही कम है।

शेखावाटी मिशन—100

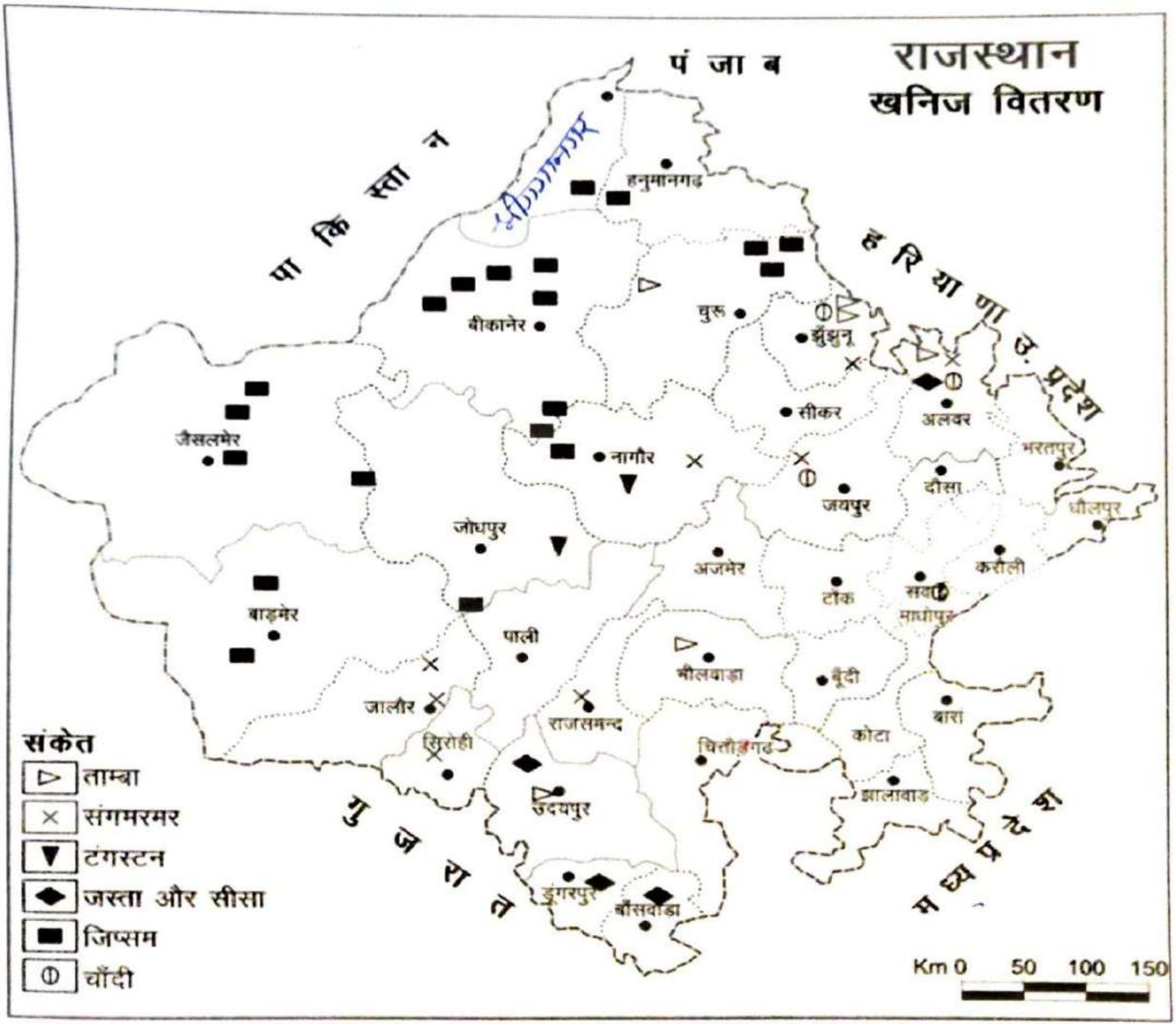

राजस्थान
खनिज वितरण
पंजाब
पाकिस्तान
हरियाणा
उ. प्रदेश
मध्य प्रदेश
गुजरात
हनुमानगढ़
बीकानेर
चुरू
झुंझुनू
सीकर
अलवर
भरतपुर
धौलपुर
जैसलमेर
नागौर
जयपुर
दौसा
करौली
जोधपुर
अजमेर
टोंक
सवाई माधोपुर
बाड़मेर
पाली
भीलवाड़ा
बूँदी
बारां
जालौर
राजसमन्द
कोटा
चित्तौड़गढ़
सिरोही
उदयपुर
झालावाड़
डूंगरपुर
बाँसवाड़ा
संकेत
ताम्बा
संगमरमर
टंगस्टन
जस्ता और सीसा
जिप्सम
चाँदी
Km 0 50 100 150

उच्च माध्यमिक परीक्षा–2021
मॉडल प्रश्न पत्र – भूगोल (14)

समय $3\frac{1}{4}$ घण्टे पूर्णांक – 56

खण्ड –अ

प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।

01. (i) गैर घूमर नृत्य किस जनजाति से संबंधित है।

(अ) भील (ब) मीणा (स) गौंड (द) नागा

(ii) भूगोल का जनक किसे कहा जाता है।

(अ) हेरोडोट्स (ब) रेटजेल (स) हिकेटियस (द) रिटर

(iii) विश्व में अधिकांश संख्या में कौनसे मानव अधिवास पाये जाते है।

(अ) पल्ली (ब) नगरीय (स) एकांकी (द) सघन

(iv) ब्राजील में विस्तृत कहवा की बागानी को कहते है।

(अ) ट्रासिल (ब) कारिल्ज (स) फैजेडा (द) एस्टेसियस

(v) भारत का क्षेत्रफल विश्व का कितने प्रतिशत है।

(अ) 17.5 प्रतिशत (ब) 12.4 प्रतिशत (स) 2.4 प्रतिशत (द) 9.2 प्रतिशत

(vi) डेसीबल ईकाई है।

(अ) वायुदाब (ब) शोर का स्तर (स) वायुताप (द) सापेक्षिक आर्द्रता

(vii) भारत में चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है।

(अ) उत्तर प्रदेश (ब) बिहार (स) महाराष्ट्र (द) तमिलनाडू

(viii) राजस्थान में किस नस्ल की गाय को राजस्थान की कामधेनु कहा जाता है।

(अ) गीर (ब) नागौरी (स) राठी (द) हरियावणी

(ix) नीरू–मीरू कार्यक्रम किस राजय से संबंधित है।

(अ) गुजरात (ब) कर्नाटक (स) राजस्थान (द) आंध्र प्रदेश

(x) वर्ष 2011 में हुई जनगणना के अनुसार भारत में साक्षरता दर कितनी है।

(अ) 49.5 प्रतिशत (ब) 74.04 प्रतिशत (स) 70.03 प्रतिशत (द) 66.04 प्रतिशत

02. हारफून क्या है।

03. विश्व की लगभग 80 प्रतिशत जनसंख्या किन आक्षाशों के मध्य निवास करती है।

04. फ्रंट कोरिडोर परियोजना क्या है।

05. राजस्थान का सीमेंट उत्पादन में देश में कौनसा स्थान है।

06. तृतियक व्यवसाय से संबंधित दो उदाहरण लिखिए।

07. लोह उत्पाद निर्माण की विधियों के नाम बताइये।

08. जनसंख्या सरचना को परिभाषित कीजिए।

प्रश्न संख्या 9 से 11 में रिक्त स्थान की पूर्ति करते हुए उत्तर पुस्तिका में लिखिए–

09. ब्रिटेन के सहयोग से...................इस्पात सयंत्र स्थापित किया गया है।

10. राजस्थान में लिंगानुपात ....है।

11. विश्व का सबसे बड़ा सूती वस्त्र उत्पादक देश......................है।

शेखावाटी मिशन–100

खण्ड–ब

प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

12. मृदा प्रदूषण की रोकथाम के चार उपाय सुझाइए।
13. बुशमैन जनजाति के सामाजिक जीवन पर प्रकाश डालिए।
14. भारत में नगरीय जनसंख्या वृद्धि का मानव जीवन पर प्रभाव को समझाइए।
15. दुग्ध कृषि एवं ट्रक फार्मिंग में अन्तर बताइए।

खण्ड–स

प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है।

16. खनिज कार्य को प्रभावित करने वाले कारक बताइए।

अथवा

उद्योगों के स्थानीयकरण को प्रभावित करने वाले 3 कारकों का वर्णन कीजिए।

17. ग्रामीण अधिवासों में कौन सी समस्याएं दृष्टिगोचर होती है। लिखिए–

अथवा

प्रवास के कारण किसी स्थान की जनसंख्या पर क्या प्रभाव पडते है, समझाइए।

18. भारत में साक्षरता के प्रतिरूप का वर्णन कीजिए।

अथवा

भारत में जनसंख्या वितरण की असमानता के कौन–कौन से कारण है। लिखिए–

19. भारत में मुख्य औद्योगिक प्रदेश कौन से है किसी एक का वर्णन कीजिए।

अथवा

भारत में सड़को का वितरण असमान है समझाइए।

खण्ड–द

20. दिए गए विश्व के रेखा मानचित्र में निम्न को अंकित कीजिए–

(क) ओटावा (ख) मेलबोर्न (ग) केपटाउन (घ) टोक्यों

अथवा

(क) शंघाई (ख) फ्रेक्फर्ट (ग) लॉस एंजिल्स (घ) सैलिस्वरी

21. दिए गए भारत के रेखा मानचित्र में निम्न केन्द्रों को अंकित कीजिए।

(i) (क) भिलाई (ख) विलासुपर (ग) रॉची (घ) मैदूरे

अथवा

(क) सिन्द्री (ख) कोल्हापुर (ग) देहरादून (घ) भद्रावती

(ii) दिए गये राजस्थान के रेख मानचित्र मे ंनिम्न केन्द्रो को अंकित कीजिए–

(क) भिवाड़ी (ख) हनुमानगढ (ग) कोटा (घ) झुन्झुनू

अथवा

(क) गोटन (ख) पोखरण (ग) रावतभाटा (घ) खेतड़ी

22. विश्व की जनसंख्या समस्या के समाधान हेतु उपाय लिखिए–

अथवा

लिंग सरंचना द्वारा प्रकट की जाने वाली विश्व जनसंख्या की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

जनसंख्या वृद्धि के उत्तरदायी कारको का वर्णन कीजिए–

23. गरासिया जनजाति का निम्न शीर्षको के अनुसार वर्णन कीजिए।

(i) निवास क्षेत्र (ii) सामाजिक जीवन (iii) अर्थव्यवस्था

अथवा

इंदिरा गांधी नहर परियोजना का विस्तार से वर्णन कीजिए।

अथवा

मुख्यमंत्री जल स्वालम्बन अभियान के महत्व का विस्तार से वर्णन कीजिए।

शेखावाटी मिशन–100

उच्च माध्यमिक परीक्षा–2021

मॉडल प्रश्न पत्र – भूगोल (14)

समय $3\frac{1}{4}$ घण्टे पूर्णांक – 56

खण्ड –अ

प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है।

01. (i) एशिया की सबसे विशाल स्लम कच्ची बस्ती किस शहर में स्थित है।

(अ) दिल्ली (ब) मुम्बई (स) कराची (द) टोकियो

(ii) नवनियतिवाद के प्रवर्तक कौन है।

(अ) ब्लॉश (ब) रिटर (स) ऍलन सैम्पल (द) ग्रिफिथ टेलर

(iii) निम्न में से बेचुआनालैण्ड किस जनजाति का निवास स्थान है।

(अ) गोंड (ब) एस्किमो (स) भील (द) बुशमैन

(iv) बागाती कृषि की मुख्य फसल है।

(अ) रबर (ब) चाय (स) कहवा (द) उपर्युक्त सभी

(v) भारत का सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला राज्य है।

(अ) बिहार (ब) उत्तर प्रदेश (स) महाराष्ट्र (द) पश्चिमी बंगाल

(vi) पराबैगनी किरणों को रोकने का कार्य कौनसा मण्डल करता है।

(अ) क्षोमण्डल (ब) ओजोन मण्डल (स) आयन मण्डल (द) बाहय मण्डल

(vii) भारत में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग का प्रमुख केन्द्र है।

(अ) कानपुर (ब) पटना (स) दिल्ली (द) बैगलुरू

(viii) आपरेशन फ्लड संबंधित है।

(अ) मछली उत्पादन (ब) फल उत्पादन (स) दुग्ध उत्पादन (द) तेल उत्पादन

(ix) थार का घडा कहलाता है।

(अ) चांदन नलकूप (ब) मॉदल नलकूप (स) खारा नलकुप (द) मीना नलकूप

(x) भारत में प्रथम रेल कब चलायी गयी।

(अ) 10 जनवरी 1850 (ब) 28 मई 1857 (स) 16 अप्रेल 1853 (द) 17 दिसम्बर 1852

02. दापा क्या है।

03. जनसंख्या घनत्व किसे कहते है।

04. देश का पहला रेल विश्वविद्यालय कहा स्थापित किया जा रहा है।

05. कुटीर उद्योग से क्या अभिप्राय है।

06. BOT क्या है।

07. सन्ननगर शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम कब व किसने किया।

08. किन्हीं दो धात्विक खनिजों के उदाहरण लिखिए।

प्रश्न संख्या 9 से 11 में रिक्त स्थान की पूर्ति करते हुए उत्तर पुस्तिका लिखिए–

09. राजस्थान का 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या घनत्व.................... प्रतिवर्ग किलोमीटर है।

10. पेट्रोलियम की उपस्थिति केवल.................चट्टानों में ही सम्भव है।

11. किसी भौगोलिक क्षेत्र की जनसंख्या के आकार में एक निश्चित समय में होने वाले परिवर्तन को.................. कहते है।

शेखावाटी मिशन–100

खण्ड–ब

प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

12. एस्किमों जनजाति के आर्थिक क्रियाकलाप के शीतकालीन आखेट पर टिप्पणी लिखिए।
13. जल प्रदूषण के कोई चार कारण लिखिए।
14. ग्रामीण अधिवास के तीर प्रतिरूप और अरीय प्रतिरूप का रेखीय आरेख बनाइए।
15. बागाती कृषि की चार विशेषताए लिखिए।

खण्ड–स

प्रत्येक प्रश्न 3 अंक के है

16. चसवासी पशुचारण व व्यापारिक पशुचारण की तुलनात्मक विवेचना कीजिए।

    अथवा

    कच्चा माल डद्योगों के लिए चुम्बक का कार्य करता है टिप्पणी लिखिए।
17. नगरीय बस्तियों की समस्याओं को समझाइए।

    अथवा

    सघन या गुच्छित बस्ती से क्या अभिप्राय है इसकी विशेषताएं लिखिए।
18. भारत में जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए अपने सुझाव लिखिए।

    अथवा

    भारत में लिंगानुपात कम होने के प्रमुख कारणों को समझाइए।
19. पाईप लाईन परिवहन के लाभों को समझाइए।

    अथवा

    भारत में चीनी उद्योग की उन्नति के लिए अपने सुझाव दीजिए।

खण्ड–द

प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

20. दिए गए विश्व के रेखा मानचित्र में निम्न केन्द्रो को अंकित कीजिए–

    (क) सानफ्रांसिस्को (ख) सैंटोस (ग) बर्मिघम (घ) पर्थ

    अथवा

    (क) वुहान (ख) काहिरा (ग) पिटसबर्ग (घ) मास्को
21. दिए गए भारत में रेखा मानचित्र में निम्न केन्द्रो को अंकित कीजिए–

    (i) (क) सलाया (ख) ट्राम्बे (ग) जालंधर (घ) बारामुला

    अथवा

    (क) तुंगभद्रा (ख) कोयली (ग) डिगबोई (घ) चोपन

    (ii) दिए गए राजस्थान के रेखा मानचित्र में निम्न केन्द्रों को अंकित कीजिए–

    (क) पाली (ख) सीकर (ग) बासवाडा (घ) धौलपुर

    अथवा

    (क) गंगानगर (ख) जालौर (ग) ब्यावर (घ) नीमराणा

खण्ड–य

प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।

22. जनसंख्या संक्रमण सिद्धान्त की अवस्थाओं का वर्णन कीजिए।

    अथवा

    विश्व जनसंख्या घनत्व को प्रभावित करने वाले भौतिक कारको की व्याख्या कीजिए।

    अथवा

    जनसंख्या घनत्व के प्रकारों को वर्गिकृत कीजिए।
23. राजस्थान की भील जनजाति की सामाजिक व्यवस्था व आर्थिक दशाओं का वर्णन कीजिए।

    अथवा

    राजस्थान के खनिजों के वितरण को स्पष्ट कीजिए।

    अथवा

    चम्बल घाटी परियोजना का वर्णन निम्नलिखित शीर्षकों के अन्तर्गत कीजिए।

    (i) साझेदार राज्य (ii) उद्देश्य (iii) निर्मित बांध (iv) लाभ

सपने होंगे सच

ALLEN CAREER INSTITUTE KOTA (RAJASTHAN) path to success
SIKAR, RAJASTHAN

Pre-Nurture & Career Foundation Division

Class 6th to 10th | NTSE | OLYMPIADS & BOARD

Admission Open

Session 2021-22

New Batches for

Class 6th to 10th

7 April & 12 May 2021

(*ENGLISH MEDIUM*)

Strong Foundation Leads to
EXTRAORDINARY RESULTS

ALLEN SIKAR
Classroom Students
Qualified for

INMO
Indian National Mathematical Olympiad
&
INJSO
Indian National Junior Science Olympiad
(Conducted by HBCSE)

KRISH GUPTA Class: 10th

DINESH BENIWAL Class: 10th

HIMANSHU THALOR Class: 9th

ALLEN® SIKAR Result : JEE (Adv.) 2020

प्रथम वर्ष में ही JEE (Adv.) का सर्वश्रेष्ठ परिणाम

AIR **736**

AIR **836**

SUBHASH
Classroom Student

KULDEEP SINGH CHOUHAN
Classroom Student

ALLEN® SIKAR Result : JEE (Main) 2021 (Feb. Attempt)

दो साल बेमिसाल

एलन सीकर ने गढ़े कीर्तिमान,
जेईई-मेन में दिए
शेखावाटी टॉपर्स

MATHEMATICS 100 PERCENTILE

शेखावाटी टॉपर

शेखावाटी गर्ल्स टॉपर

ROHIT KUMAR
Classroom
99.9892474 %tile

SAKSHI GUPTA
Classroom
99.8925637 %tile

ALLEN® SIKAR Result : NEET (UG) 2020

प्रथम वर्ष में एलन सीकर, क्लासरूम के 165 + विद्यार्थियों को मिला सरकारी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश

680/720
AIR **695**
AIIMS Jodhpur

675/720
AIR **866**
AIIMS Jodhpur

LAVPREET KAUR GILL
Classroom Student

AYUSH SHARMA
Classroom Student

Name	College
SARVANISHTHA	Lady Hardinge Medical College, Delhi
RAHUL BHINCHAR	All India Institute Of Medical Sciences, Jodhpur
JITENDRA P.S. RATHORE	Swai Man Singh Medical College, Jaipur
AYUSH CHOUDHARY	Swai Man Singh Medical College, Jaipur
RAVEENA CHOUDHARY	Sardar Patel Medical College, Bikaner
AAKANKSHA CHAUDHARY	Swai Man Singh Medical College, Jaipur
RAMPRATAP CHOUDHARY	Swai Man Singh Medical College, Jaipur

Name	College
PRACHI RAJPUROHIT	Swai Man Singh Medical College, Jaipur
NIKITA	Sardar Patel Medical College, Bikaner
DAYANAND JYANI	Sardar Patel Medical College, Bikaner
ANNU	Sardar Patel Medical College, Bikaner
DEEPIKA GOENKA	Swai Man Singh Medical College, Jaipur
OM PRAKASH JAT	Rajasthan University Of Health Sciences, Jaipur
PRAVEEN KUMAR YADAV	Sardar Patel Medical College, Bikaner

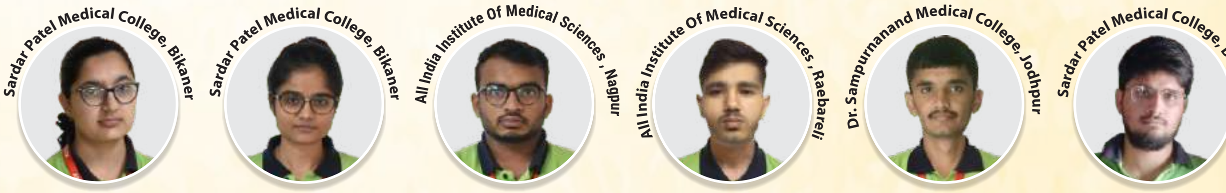

Name	College
ADITI	Sardar Patel Medical College, Bikaner
MANASVI JANGIR	Sardar Patel Medical College, Bikaner
SANJAY SAIN	All India Institute Of Medical Sciences, Nagpur
SUMIT CHOUDHARY	All India Institute Of Medical Sciences, Raebareli
ANKIT	Dr. Sampurnanand Medical College, Jodhpur
HEMANT DHAYAL	Sardar Patel Medical College, Bikaner

UPCOMING NEW BATCHES for JEE (Main+Adv.) & NEET (UG)

(Hindi & English Medium)

NURTURE BATCH	ENTHUSIAST BATCH	LEADER BATCH
(For Class 10th to 11th Moving Students) Starting from	(For Class 11th to 12th Moving Students) Starting from	(For Class 12th Appeared / Pass Students) Starting from
2, 9, 16 June & 30 June 2021	**7 April 2021** Both 11th & 12th syllabus will be covered	**2 June & 16 June 2021**

ALLEN® SIKAR

TEAM ALLEN @ SIKAR

एलन स्कॉलरशिप एडमिशन टेस्ट (ASAT)

04, 11, 25 अप्रैल 2021 | 09, 23, 30 मई 2021,
06, 13, 20, 27 जून 2021

90% तक स्कॉलरशिप

ALLEN® CAREER INSTITUTE KOTA (RAJASTHAN) *path to success*

DOWNLOAD FREE SAMPLE PAPERS

ALLEN Sikar Center: "SANSKAR," Near Piprali Circle, Sikar-Jhunjhunu Bypass, Piprali Road, Samrathpura, Sikar
Tel.: 01572-262400 | **E-mail** : sikar@allen.ac.in

Corporate Office : "SANKALP", CP-6, Indra Vihar, Kota (Raj.) INDIA, 324005
Tel.: 0744-2757575 | **Email**: info@allen.ac.in | **Web**: www.allen.ac.in

ALLEN Info & Admission App
Download from Google play

www.allen.ac.in/sikar | facebook.com/allensikar | twitter.com/allensikar | youtube.com/allencareerinstitute